डाक पंजीयन क्र. ई-2/ओ.स./186/2018-2020
लाइसेंस क्र. टेक/WPP/21-1/2018-20
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल, 19.10.2020 से 25.10.2020 ▶ वर्ष-37 ▶ अंक-42 ▶ मूल्य ₹10.00

प्रवासी मजदूरों को रोज़गार देकर ग्रामों में बनीं जनोपयोगी अधोसंरचनाएं - मुख्यमंत्री

भोपाल, कोरोनाकाल में ग्राम पंचायतों के पदाधिकारियों ने प्रवासी मजदूरों को रोजी-रोटी का साधन उपलब्ध कराया, मनरेगा के कार्यों का संपादन और पंच-परमेश्वर योजना में ग्राम में जनोपयोगी निर्माण कार्यों को पूरा करवाया है। पंचायत पदाधिकारियों की इस भूमिका को सभी ने सराहा भी है, जिसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की तरफ से पंचायतों के माध्यम से 106 करोड़ 4 लाख रुपये लागत से बनाई गईं 1584 संरचनाओं का वर्चुअल कार्यक्रम में लोकार्पण करते हुये कहीं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कुछ जिलों के पंचायत प्रधानों से ग्रामों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा भी की।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण अधोसंरचनाओं का वर्चुअल लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्रामों में पक्के आवास, नल-जल योजना, प्रधानमंत्री किसान निधि योजना के क्रियान्वयन के साथ ही अन्य स्वीकृत कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का लक्ष्य है। श्री चौहान ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण और राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख जयंती पर हो रहे इस वर्चुअल लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल हुए ग्रामवासियों से ग्रामों में स्वच्छता और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहते हुए कोरोना जैसी महामारी से बचाव के लिए सजग रहने का आह्वान किया। श्री चौहान ने कहा कि विपदा के काल में विकसित सामुदायिक भवन, हाट बाजार, यात्री प्रतीक्षालय, सीसी रोड, सामुदायिक स्वच्छता परिसर, पंचायत भवन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का लाभ लेते हुए इन ग्रामीण परिसंपत्तियों के बेहतर रख-रखाव में सभी लोग योगदान दें।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने ग्रामीण अंचल में अधोसंरचना विकास के साथ रोज़गार की उपलब्धता के उद्देश्य से यह निर्माण कार्य कोरोना आपदा के दौरान प्रारंभ किये। कुल 106 करोड़ 4 लाख रुपये लागत से बनाई गई इन 1584 सर्व-सुविधा युक्त संरचनाओं में 44 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से 318 ग्राम पंचायत भवन, 34 करोड़ 6 लाख रुपये की लागत से 262 सामुदायिक भवन तथा 27 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से 1004 सामुदायिक स्वच्छता परिसर शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि यह सभी संरचनाएं चुनाव अप्रभावित 33 जिलों की हैं। उन जिलों के निर्माण कार्य इस कार्यक्रम में शामिल नहीं किये गये हैं जहां उप निर्वाचन हैं।

पंचायत प्रधानों से किया संवाद

श्री चौहान ने लोकार्पण के पश्चात कुछ जिलों में पंचायत प्रधानों से चर्चा की। इनमें टीकमगढ़ जिले के पलेरा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बेला की प्रधान श्रीमती विजयलक्ष्मी राजे, भोपाल जिले की बैरसिया जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत इजगिरी के प्रधान श्री प्रेमदयाल मीणा, खरगोन जिले की वरुण ग्राम पंचायत के प्रधान श्री हीरालाल पिछाले शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों से ग्रामवासियों को कोरोनाकाल में मिले मुफ्त राशन, संबल योजना में हुए पंजीयन और अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री द्वारा रिक्त पदों की पूर्ति के अभियान की समीक्षा

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रोफेशनल एक्जामिनेशन बोर्ड और विभाग स्तर पर रिक्त पदों की भर्ती के लिए की जा रही कार्यवाही की जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने रिक्त पदों की पूर्ति के लिए संचालित अभियान की समीक्षा की। बैठक में जेल, स्वास्थ्य, कृषि और पुलिस विभाग में रिक्त पदों की पूर्ति के संबंध में की जा रही कार्यवाही की जानकारी दी गई।

बैठक में बताया गया कि गृह विभाग में आरक्षकों के 6 हजार 800 पदों, स्वास्थ्य विभाग में 2 हजार 249 पदों और कृषि और किसान कल्याण विभाग में 800 पदों के लिए रिक्रूटमेंट टेस्ट की तैयारी हो गई है। उपचंत्री के ग्रुप 3 रिक्रूटमेंट टेस्ट 52 पदों के लिए हो रहे हैं। इसी तरह ग्रुप-2 एवं सब ग्रुप-4 के रिक्रूटमेंट टेस्ट हो रहे हैं, जिनसे 240 पदों की पूर्ति हो सकेगी। जेल प्रहरी के 282 पदों के लिए रिक्रूटमेंट टेस्ट हो रहे हैं।

मध्यप्रदेश में धान उपार्जन कार्य की तैयारियां पूरी

भोपाल, मध्यप्रदेश में करीब 40 लाख मीट्रिक टन धान का उपार्जन संभावित है। उपार्जन कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात प्रदेश में धान, ज्वार और बाजरा के उपार्जन कार्यों की तैयारियों की समीक्षा करते हुये कही।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में किसानों से किए जाने वाले उपार्जन कार्य के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने खाद्य, सहकारिता और कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि खरीद से संबंधित कार्य व्यवस्थित रूप से संपन्न हो। आवश्यक अमले को दायित्व देकर इन कार्यों को बखूबी पूर्ण करने के निर्देश दिए जाएं।

प्रधानमंत्री ने स्वामित्व योजना में प्रॉपर्टी कार्ड वितरण का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वामित्व योजना एक बड़ा कदम है। प्रत्येक परिवार को प्रॉपर्टी कार्ड उपलब्ध करवाने का लक्ष्य पूरा करने के लिए ठोस पहल हुई है। अपने मकान का मालिक बनने से स्वाभिमान जागृत होता है। नये विश्वास की जिन्दगी शुरू होती है। संपत्ति के क्रय-विक्रय का कार्य आसान होता है और बैंक ऋण प्राप्ति में मदद भी मिलती है। ये बातें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश सहित देश के 6 राज्यों के 763 गांव के लोगों के लिए निर्मित संपत्ति कार्ड वितरण की शुरुआत करते हुये कहीं।

प्रधानमंत्री ने मध्यप्रदेश के हितग्राहियों में से चयनित डिण्डोरी जिले के एक हितग्राही श्री दशरथ सिंह मरावी से बातचीत भी की। श्री मोदी ने श्री दशरथ सिंह से पूछा कि ग्राम में ड्रोन आने से कोई झगड़ा तो नहीं हुआ और कागज मिलने में कोई दिक्कत तो नहीं आई। श्री दशरथ मरावी ने श्री मोदी को उत्तर दिया कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं आई। यह अच्छा कार्य हो गया है। प्रधानमंत्री ने हितग्राहियों से कहा कि अब आपकी संपत्ति पर कोई भी गलत नजर नहीं रख पाएगा। प्रधानमंत्री ने अन्य राज्यों के हितग्राहियों से भी बातचीत की।

श्री मोदी ने कहा कि ड्रोन के माध्यम से मैपिंग सर्वे और लैण्ड रिकॉर्ड संधारण के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किया जाएगा। स्वामित्व योजना लोगों को न सिर्फ प्रॉपर्टी कार्ड उपलब्ध करवाएगी, बल्कि विकास कार्यों का संचालन भी आसान हो जाएगा। पंचायतों के कार्य भी तकनीक के माध्यम से पारदर्शी तरीके से पूरे हो रहे हैं। निर्मित कार्यों के लिए जियो टैगिंग को अनिवार्य किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी जब ग्रामीणों से बात हुई तो ज्ञात हुआ कि स्वामित्व योजना के लिए ग्राम में ड्रोन के उपयोग से ऊंचाई से ली गई ग्राम की तस्वीर देखकर ग्रामवासी बहुत प्रसन्न होते हैं। उनमें गांव के प्रति प्रेम बढ़ जाता है। स्वामित्व योजना संपत्ति का रिकॉर्ड बन जाने से आत्मविश्वास को बढ़ाने और विवादों को समाप्त करने में भी बहुत उपयोगी है।

स्वामित्व योजना

- पंचायती राज मंत्रालय ने 24 अप्रैल 2020 को योजना प्रारंभ की।
- योजना देश में 4 वर्ष में चरणबद्ध रूप में क्रियान्वित होगी।
- देश के 6.62 लाख ग्राम कवर होंगे।
- पायलेट फेस में मध्यप्रदेश सहित उत्तरप्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखंड, पंजाब और राजस्थान शामिल हैं।

मतदान के दिन 28 विधानसभा क्षेत्रों में रहेगा अवकाश

भोपाल, विधानसभा उप निर्वाचन 2020 के दृष्टिगत राज्य शासन द्वारा 3 नवम्बर, 2020 मतदान के दिन उप चुनाव वाले क्षेत्रों में सार्वजनिक और सामान्य अवकाश घोषित किया गया है।

विधानसभा उप निर्वाचन में 19 जिलों के 28 विधानसभा क्षेत्र, जिनमें मुरैना जिले के विधानसभा क्षेत्र जौरा, सुमावली, मुरैना, दिमनी, अम्बाह, भिण्ड जिले के विधानसभा क्षेत्र मेहगांव, गोहद, ग्वालियर जिले के विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर, ग्वालियर पूर्व और डबरा, दतिया जिले के विधानसभा क्षेत्र भांडेर, शिवपुरी जिले के विधानसभा क्षेत्र करेरा, पोहरी, गुना जिले के विधानसभा क्षेत्र बमोरी, अशोकनगर जिले के विधानसभा क्षेत्र अशोकनगर, मुंगावली, सागर जिले के विधानसभा क्षेत्र सुरखी, अनूपपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर, रायसेन जिले के विधानसभा क्षेत्र सांची, आगर-मालवा जिले के विधानसभा क्षेत्र आगर, देवास जिले के विधानसभा क्षेत्र हाटपिपल्या, धार जिले के विधानसभा क्षेत्र बदनावर, इंदौर जिले के विधानसभा क्षेत्र सांवेर, मंदसौर जिले के विधानसभा क्षेत्र सुवासरा, छतरपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र मलहरा, बुरहानपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र नेपानगर, खण्डवा जिले के विधानसभा क्षेत्र मांधाता और राजगढ़ जिले के विधानसभा क्षेत्र ब्यावरा में सार्वजनिक और सामान्य अवकाश रहेगा।

स्वीप गतिविधियों से किया जा रहा मतदाताओं को प्रेरित

भोपाल, विधानसभा उप निर्वाचन 2020 के अंतर्गत प्रदेश के 19 जिलों के 28 विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न स्वीप (सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम) गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित किया जा रहा है। उप चुनाव वाले विधानसभा क्षेत्रों में कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए मतदाता जागरूकता के लिये विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मोहित बुंदस ने बताया कि मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता रथों, लघु फिल्मों, दीवार लेखन, होर्डिंग्स, पोस्टर, बैनर आदि के द्वारा प्रचार कराया जा रहा है। आटो-रिक्शा के पीछे फ्लैक्स लगाकर भी मतदाताओं को मतदान करने के लिये जागरूकता संदेश दिया जा रहा है। मतदाताओं को कोरोना संक्रमण से बचकर किस प्रकार मतदान करना है। इस पर विशेष जोर दिया जा रहा। उप चुनाव वाले क्षेत्रों में स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा नुक्कड़ नाटक, लोकगीत, रंगोली और मेंहदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। कलापथक दलों द्वारा मतदान का महत्व समझाया जा रहा है। मतदाता जागरूकता अभियान में एनसीसी, एनएसएस सहित विभिन्न संस्थाओं का सहयोग लिया जा रहा है।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मुरैना जिले के अम्बाह विधानसभा क्षेत्र में ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदाताओं को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष मतदान के लिये जागरूक किया जा रहा है। इन प्रतियोगिताओं में मतदाता जागरूकता पोस्टर, मतदाता जागरूकता नारा लेखन आदि कार्यक्रम शामिल हैं।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मोहित बुंदस ने बताया कि देवास जिले के हाटपिपल्या विधानसभा क्षेत्र में स्वीप अभियान के तहत मतदाता जागरूकता के लिये स्वास्थ्य संस्थाओं में रंगोली, बैनर, वाहन रैली, शपथ आदि के माध्यम से मतदाता जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। आशा, आंगनबाड़ी एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान करने के लिये प्रेरित कर रहे हैं। मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिये जन शिक्षा केंद्र नेवरी में मतदान की शपथ दिलाई गई।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

10 अक्टूबर

दिसम्बर से 24 घंटे उपलब्ध होगी आरटीजीएस सुविधा

● भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आरटीजीएस) सुविधा में बड़ा बदलाव किया है। दिसम्बर महीने से आरटीजीएस सुविधा 24 घंटे उपलब्ध होगी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि आरटीजीएस फंड ट्रांसफर करने की एक तेज प्रक्रिया है। इस सिस्टम के माध्यम से एक बैंक खाते से दूसरे खाते में पैसे ट्रांसफर किये जाते हैं। अब तक यह सुविधा बैंक के कार्य दिवसों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक ही उपलब्ध है। आरटीजीएस के माध्यम से न्यूनतम 2 लाख रुपये या इससे अधिक राशि ट्रांसफर की जा सकती है। आरबीआई ने दिसम्बर 2019 में नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (एनईएफटी) सुविधा को 24 घंटे उपलब्ध कराया था, यह प्रणाली सुचारु चल रही है।

● नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ड्यूटी फ्री शॉप से यात्री अब घर बैठे ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं। इसके लिये एयरपोर्ट ने क्लिक एंड कलेक्ट सर्विस शुरू की है। इस सर्विस के माध्यम से हवाई यात्री ड्यूटी फ्री शॉप में प्रोडक्ट को ऑनलाइन बुक कर सकेंगे तथा जिस दिन यात्रा करेंगे, उसी दिन उन्हें शॉप से कलेक्ट कर सकेंगे। ड्यूटी फ्री शॉप का कहना है कि कोरोना महामारी के दौर में इंटरनेशनल यात्रियों के लिये ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिये सामान की खरीददारी आसान और सुरक्षित रहेगी।

● किर्गिस्तान के राष्ट्रपति सूरोनबे जीनबेकोव ने देश में आपातकाल लगाने की घोषणा की है। जीनबेकोव ने यह निर्णय सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण लिया है। यह आपातकाल 21 अक्टूबर तक रहेगा। राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि राजधानी बिश्केक में बड़े स्तर पर होने वाली रैलियों और विरोध प्रदर्शनों में हिंसा के कारण नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये आपातकाल लगाया जा रहा है। राष्ट्रपति के इस निर्णय के खिलाफ लोग सड़कों पर उतरने लगे हैं।

11 अक्टूबर

परमाणु हथियारों को फ्रीज बनाये रखने पर सहमत हो सकते हैं अमेरिका और रूस

● अमेरिका और रूस अपने परमाणु हथियारों के भंडार को फ्रीज बनाये रखने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो सकते हैं। दोनों देश बातचीत के जरिये अपने परमाणु हथियार नियंत्रण समझौते को बचाये रखने की कोशिश कर रहे हैं। इस समझौते पर अंतिम निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले हो सकता है। समझौते के एक पक्षकार ने कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि हथियारों को फ्रीज रखने का समझौता सफल होगा या नई स्टार्ट संधि में तब्दील होगा।

● थाइलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक ट्रेन दुर्घटना घटी। बैंकॉक में एक बस ट्रेन की चपेट में आ गई। इस हादसे में लगभग 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुये हैं। बैंकॉक के प्रशासनिक अधिकारी प्राथुएंग युकास्सेम ने बताया कि हादसा चाचे आंगासओ क्षेत्र में रेलवे फाटक पर हुआ। फाटक को पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार बस ट्रेन की चपेट में आ गई।

12 अक्टूबर

रेल नेटवर्क को हाईस्पीड में अपग्रेड करने की विस्तृत योजना तैयार

● केंद्र सरकार ने रेल नेटवर्क को हाईस्पीड नेटवर्क में अपग्रेड करने के लिये एक विस्तृत योजना तैयार की है। इस हाईस्पीड नेटवर्क पर 130 किलोमीटर या इससे तेज रफ्तार वाली ट्रेनें चलेंगी। रेल मंत्रालय के प्रवक्ता डी.जे. नारायण ने बताया कि स्वर्णिम चतुर्भुज और डायगोनल्स के ट्रैक को 130 से 160 किलोमीटर प्रतिघंटा रफ्तार वाली ट्रेनों को चलाने के लिये अपग्रेड किया जा रहा है। इन ट्रैक्स पर केवल एसी कोच वाली ट्रेनें चलेंगी। इसके लिये ट्रेनों के स्लीपर कोचों को एसी कोच में बदला जायेगा। इसके लिये एसी कोच का प्रोटोटाइप कपूरथला कोच फैक्ट्री पर बनाया गया है। इस वर्ष ऐसे 100 तथा अगले वर्ष 200 कोच बनाने की योजना है। रेलवे ने कहा कि सभी मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें जिनकी गति 110 किलोमीटर प्रतिघंटा से कम है, उन ट्रेनों का संचालन स्लीपर कोच के साथ होता रहेगा।

● भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) मानव मिशन में अहम प्रणालियों में कई बैकअप रखेगा। इसरो ने कहा कि मानव अंतरिक्ष उड़ान रॉकेट में सुरक्षा के लिहाज से अहम प्रणालियों के कई बैकअप होंगे। इसरो के अधीन संगठन विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर के निदेशक एस. सोमनाथ ने बताया कि मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन या गगनयान के लिये जियोसिंक्रोनिस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) का इस्तेमाल किया जायेगा। इसमें अहम प्रणालियों के लिये चार बैकअप बनाये जायेंगे।

● अमेरिका में डेल्टा तूफान के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। डेल्टा तूफान का सर्वाधिक असर लुसियाना, टैक्सास, फ्लोरिडा और मिसिसिपी राज्य पर पड़ा है। तूफान के कारण सैकड़ों घर ध्वस्त हो गये हैं। इन राज्यों में लाखों घरों तथा व्यावसायिक संस्थानों की बिजली गुल हो गई। अमेरिका के नेशनल हरिकेन सेंटर ने बताया कि देश के कई राज्यों में कुछ तूफान संभावित हैं। तूफानी बारिश से नदियों में बाढ़ आ सकती है।

13 अक्टूबर

दुनियाभर में बढ़ी प्राकृतिक आपदायें – संयुक्त राष्ट्र

● संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में दुनियाभर में प्राकृतिक आपदाओं में काफी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। इन प्राकृतिक आपदाओं से मानवीय तथा आर्थिक क्षति भी बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगले दशक में विश्व में लू और सूखा सबसे बड़े खतरे होंगे। लगातार तापमान में हो रही बढ़ोत्तरी से लू और सूखे जैसी आपदाएं आयेंगी। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 से 2019 के बीच विश्वभर में 7348 बड़ी आपदायें दर्ज की गईं, इनमें से चीन में 577 तथा अमेरिका में 467 आपदायें दर्ज कीं, जो कि विश्व में सर्वाधिक हैं। इनके बाद भारत (321), फिलीपींस (304) और इंडोनेशिया (278) आपदाएं दर्ज की गईं।

● चीन और जापान के बीच दक्षिण चीन सागर में अधिकार को लेकर तनातनी बढ़ गई है। चीन के दो जहाज सेनकाकु आईलैंड के पास जापान की समुद्री सीमा में घुस गये, इसके बाद जापान के तटरक्षक बल ने इन जहाजों को तुरंत वापस लौटने की चेतावनी दी। एक रिपोर्ट के अनुसार चीन के गश्ती दल के तीन जहाज जापान की मछली पकड़ने वाली नाव का पीछा कर रहे थे, इनमें से दो जहाज जापान के समुद्री इलाके में आ गए थे। यह पहला मौका नहीं है, जब चीनी जहाजों ने जापानी सीमा में घुसपैठ की हो। इस वर्ष अब तक 18 बार चीन के गश्ती जहाज जापान की समुद्री सीमा में घुसपैठ कर चुके हैं।

● देश की पांच हजार दूरदराज तथा नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायतों में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड कनेक्शन लगाये जायेंगे। ये कनेक्शन भारत नेट प्रोजेक्ट के तहत मार्च 2021 तक लगाए जायेंगे। केंद्र सरकार ने इस कार्य के लिये हचेज कम्युनिकेशन इंडिया का चयन किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड के गांवों में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड लगाने के लिये जीसैट-19 और जीसैट-11 की मदद ली जायेगी।

14 अक्टूबर

ईपीएफओ ने लॉन्च की वॉट्सएप हेल्पलाइन सर्विस

● कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने शिकायतों के निपटारे के लिये एक वॉट्सएप हेल्पलाइन सर्विस लॉन्च की है। यह जानकारी केंद्रीय श्रम मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार ईपीएफओ की वॉट्सएप हेल्पलाइन सर्विस के जरिये शिकायतों का समाधान दूसरे प्लेटफॉर्म से अलग होगा। ईपीएफओ ने अपने अंशधारकों को कोरोना महामारी के दौरान आसानी से सेवायें प्रदान करने के लिये यह सर्विस शुरू की है। सभी क्षेत्रीय कार्यालयों के वॉट्सएप हेल्पलाइन नंबर ईपीएफओ की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। उल्लेखनीय है कि ईपीएफओ की वॉट्सएप के अलावा अन्य प्लेटफॉर्म पर शिकायत और समाधान सुविधा उपलब्ध है।

● देशभर के पुलिस बल इस वर्ष दिसम्बर माह से राष्ट्रीय स्वचलित फिंगर प्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस) का लाभ उठा सकेंगे। यह प्रणाली वेब आधारित होगी। इस प्रणाली में देश के 80 लाख से अधिक अपराधियों की उंगली के निशान उपलब्ध होंगे, जिससे अपराधियों को पहचानने में मदद मिलेगी। इस प्रणाली के जरिये रियल टाइम में अपराधियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने में मदद मिलेगी। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के अनुसार इस प्रणाली को दिसम्बर 2020 में लॉन्च किया जा सकता है।

● इस वर्ष जेईई एडवांस परीक्षा के लिये जिन विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन कोरोना महामारी के कारण वे परीक्षा नहीं दे पाये, उन्हें अगले साल जेईई एडवांस परीक्षा में बैठने का मौका मिलेगा। यह जानकारी ज्वाइंट एडमिशन बोर्ड (जेईबी) ने दी। बोर्ड द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन सभी उम्मीदवारों को जेईई एडवांस 2021 में बैठने की अनुमति मिलेगी, जिन्होंने जेईई एडवांस 2020 में रजिस्ट्रेशन कराया था, लेकिन परीक्षा नहीं दे सके। उल्लेखनीय है कि देश में इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिये जेईई परीक्षा का आयोजन किया जाता है।

15 अक्टूबर

स्कूली शिक्षा में सुधार के लिये स्टार्स परियोजना को मिली मंजूरी

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सम्पन्न केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में विश्व बैंक की सहायता से 5718 करोड़ रुपये की स्ट्रेंथनिंग टीचिंग-लर्निंग एंड रिजल्ट्स फॉर स्टेट्स (स्टार्स) परियोजना को मंजूरी प्रदान की है। इस परियोजना में 6 राज्य-हिमालय प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, ओडिशा और केरल को शामिल किया गया है। इस परियोजना के तहत इन राज्यों को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के विभिन्न उपायों के लिये सहायता प्रदान की जायेगी। इस परियोजना का लक्ष्य विद्यार्थियों को रटने की जगह ज्ञान आधारित शिक्षा से जोड़ना है।

● भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) नया आधार पीवीसी (पोलीविनाइल क्लोराइड) कार्ड जारी करने जा रहा है। यह कार्ड वर्तमान आधार कार्ड से अधिक सुरक्षित है। यूआईडीएआई का दावा है कि इस कार्ड पर दिये गये क्यूआर कोड को स्कैन कर ऑफलाइन तरीके से भी पहचान का सत्यापन किया जा सकता है। हालांकि यह सत्यापन एम आधार एप और यूआईडीएआई की अधिकृत वेबसाइट से ही हो सकेगा। पीवीसी वाला आधार कार्ड एटीएम या क्रेडिट कार्ड जैसा होगा, जिसे वॉलेट में आसानी से रखा जा सकेगा। इस कार्ड की प्रिंटिंग और लेमिनेशन क्वालिटी काफी बेहतर है।

16 अक्टूबर

सभी बीमा कंपनियां शुरू करेंगी सरल जीवन बीमा पॉलिसी

● भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने देश की सभी बीमा कंपनियों को एक जनवरी 2021 से सरल जीवन बीमा पॉलिसी शुरू करने को कहा है। यह एक स्टैंडर्ड टर्म लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी होगी। इरडा ने कहा कि सरल जीवन बीमा पॉलिसी एक ऐसी बीमा योजना है, जिसे 18 से 65 वर्ष की आयु का कोई भी व्यक्ति ले सकेगा। यह पॉलिसी 4 से 40 वर्ष की अवधि की होगी। इस बीमा योजना के तहत व्यक्ति 5 लाख से लेकर 25 लाख रुपये तक का बीमा करवा सकता है। इरडा ने कहा कि इस तरह की पॉलिसी से ग्राहकों को बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। इरडा ने सभी बीमा कंपनियों को 31 दिसम्बर 2020 तक सरल जीवन बीमा पॉलिसी बनाने के निर्देश भी दिये हैं।

● फ्रांस में कोरोना महामारी का दूसरे दौर का संक्रमण बढ़ने लगा है। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिये फ्रांस में कर्फ्यू लगा दिया गया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैकों ने राजधानी पेरिस और लियोन जैसे शहरों में कोरोना के नये मामलों में उछाल आने के बाद चार सप्ताह के लिये कर्फ्यू लगा दिया है। यह कर्फ्यू रात्रिकालीन रहेगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैकों ने कहा कि हम एक पर्याप्त उपाय के तौर पर कर्फ्यू का ऐलान कर रहे हैं। कोरोना संक्रमण वापस बढ़ रहा है, यह चिंताजनक है, लेकिन स्थिति अभी नियंत्रण में है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

PATEL GROUP OF INSTITUTIONS, INDORE
ISO 9001-2008 & "A" GRADE CERTIFIED
Requirement of Faculities under DAVV College Code - 28 For the post of -
PRINCIPAL | PROFESSOR | ASSOCIATE PROFESSOR | ASSISTANT PROFESSOR in Hindi, English, Communication, Commerce, Management, B.Com (Computer, Tax, Insurance, Plain), B.Sc (Maths, Biology, Seed Technology, Physics, Chemistry, Botany, Zoology), BBA & MBA (Marketing, Finance HR, IT and Operations) in Patel Group of Institution, Patel College of Management & Patel College of Science & Technology
Also we have Requirement for Faculty & Lab Technicians in Civil, Mech., EC, CS, IT Departments
Accounts- Accounts Offer & Account Executive | Transport- Bus In charge, Driver, Cleaner | Administration- Training & Placement Officer, Computer Operator, Librarian, Receptionist | Other- Security Guard, Supervisor, Plumber, Sweeper, Gardner, Peon.
Salary and Qualifications as per Aicte & UGC norms
Send your resume within 7 days with all testimonials in this mail id- director.indore@patelcollege.com, hrindore@patelcollege.com | Contact - 0731-2437100, 09826307711, 08225046721
R-44544/2020

RECRUITMENT
▪ Approved by AICTE, New Delhi ▪ Recognised by DTE, M.P.
▪ Approved by High. Edu., Bhopal ▪ Affiliated to DAVV, Indore
Applications are invited for following faculty position :
- MBA (FT)/ MBA-Hospital Administration (HA)
- BBA, BCA, B.Sc. (CS), B.Com. (Comp. App.)
(Economics/ Hindi/ English/ Physics/ Maths/ Commerce/ Management/ Statistics)
Director/ Professor/ Associate Prof./ Assistant Prof.
Qualification as per AICTE/UGC latest norms Under College Code-28 for DAVV
Madhya
Interested candidates can send their CV at the address below or email us at E-mail : hr@sait.ac.in within 7 days after the publication with all testimonials and 2 colour photographs.
Sri Aurobindo Institute of Technology
Sri Aurobindo Institute of Management & Science
SAIMS Campus, Indore-Ujjain State Highway, Indore-453555 (M.P.) Chairman
R-44543/2020

वर्ष 37, अंक 42 19.10.2020 से 25.10.2020
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
● सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
● कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
● प्रभारी अधिकारी - नरेन्द्र कुमार वनवट (प्रसार एवं विज्ञापन)
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● आकल्पन - हेमंत वायंगणकर, आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो, सुशील लांडगे
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर सम्पादक, रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011, फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : mpmdtp@yahoo.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

ग्रामों में स्वच्छ पेयजल के लिये समयबद्ध कार्यक्रम

ग्रामों के निवासियों के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर में स्वच्छ जल पहुंचाने की पहल की है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल जी ने जहां प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से हर गांव को पक्की सड़क से जोड़ने का अनूठा कार्य किया, वहीं वर्तमान प्रधानमंत्री श्री मोदी गांव-गांव तक हैंडपंप के स्थान पर नल से जल प्रदाय का महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित अवधि में करवाने के लिये संकल्पबद्ध हैं। इसके लिये प्रधानमंत्री श्री मोदी बधाई और धन्यवाद के पात्र हैं। उपरोक्त बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल स्थित मिन्टो हॉल स्टूडियो से प्रदेश के उन अट्ठारह जिलों की 107 ग्रामीण पेयजल योजनाओं का वर्चुअल भूमिपूजन करते हुये कहीं, जहां उपचुनाव नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामों में परिवहन, विद्युत, पेयजल आदि व्यवस्थाओं से अर्थव्यवस्था भी मजबूत हो रही है। वोकल फॉर लोकल की दिशा में इससे सहयोग मिल रहा है। वर्तमान में कोविड जैसी चुनौतियों से लड़ने में सक्षम होना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर माताएं और बहनें ही घर के लिये पेयजल के प्रबंध का कार्य करती हैं इसलिये उन्हें इन पेयजल योजनाओं के क्रियान्वित होने से विशेष राहत मिलेगी। आगामी 6 महीनों में योजनाओं का क्रियान्वयन पूरा होगा। मुख्यमंत्री ने पेयजल योजनाओं के सफल संचालन और संधारण के लिये ग्रामवासियों से अंशदान देने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक समय ग्रामों में लोग बैलगाड़ी और अन्य साधनों से दो-तीन किलोमीटर दूरी से पीने का पानी लेकर आते थे। नदियों के किनारे बसे ग्रामों के निवासी भी मटकों और अन्य जल पात्रों में पानी जमा करके रखते थे। मिट्टी नीचे बैठ जाने के बाद पानी को छानकर उपयोग में लाया जाता था। इस सबके बाद भी कई जलजनित रोग फैलते थे। पश्चिम मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल जिलों में फ्लोराइड युक्त पानी की समस्या का सामना करना होता है। अब नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीण आबादी को स्वस्थ बनाये रखने में भी सहयोग मिलेगा। ग्रामीण लोगों का संसाधनों पर पहला हक होता है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में पूर्व वर्षों में जल निगम के गठन और समूह पेयजल योजनाओं के माध्यम से इन्टेकवैल का निर्माण कर पानी को ट्रीट कर प्रदाय करने की व्यवस्था को प्रभावी बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने इन जिलों में विद्यालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों तक भी योजना के तहत स्वच्छ पेयजल प्रदाय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कार्यक्रम में जानकारी दी गई है कि आने वाले 3 वर्ष में प्रधानमंत्री के संकल्प के अनुसार ग्रामों में हर घर में स्वच्छ पेयजल प्रदाय का लक्ष्य पूरा होगा। इस दिशा में मध्यप्रदेश सरकार समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार क्रियान्वयन कर रही है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपना उद्यम प्रारंभ करने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने जिन 18 जिलों में 107 पेयजल योजनाओं का भूमिपूजन किया, उनमें बैतूल जिले की 12, सीहोर जिले की 13, विदिशा जिले की 2, झाबुआ जिले की 1, खरगोन जिले की 8, बड़वानी जिले की 5, उज्जैन जिले की 6, शाजापुर जिले की 2, सतना जिले की 4, छिंदवाड़ा जिले की 12, बालाघाट जिले की 17 तथा सिवनी जिले की 7 पेयजल योजनाएं शामिल हैं। ये योजनाएं कुल 117 करोड़ रुपये लागत की हैं। मुख्यमंत्री ने ग्राम जल एवं स्वच्छता समितियों में महिलाओं की भागीदारी की जानकारी सुनिश्चित करने को कहा। समिति सदस्यों में 40 से 50 प्रतिशत महिलाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने राशि वितरण और किसानों को सम्मानित निधी के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में हर नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। यह एक समयबद्ध कार्यक्रम है। निश्चित समय में इस योजना के पूरा होने से प्रदेश की ग्रामीण आवादी को साफ पेयजल उपलब्ध होगा।

ब्रह्मांड को जानें

पृथ्वी

गतांक से आगे- जलमंडल-3- महाद्वीपों के विपरीत, महासागर एक-दूसरे में इतने स्वाभाविक रूप से विलीन हो जाते हैं कि उनके बीच की सीमा का निर्धारण करना कठिन हो जाता है फिर भी भूगोलवेत्ताओं ने महासागरीय क्षेत्र को चार महासागरों प्रशान्त महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर और आर्कटिक महासागर में विभाजित किया है। परिभाषा के अनुसार इन महासागरों में सागर, उपसागर, खाड़ियां तथा उनसे संलग्न महासागरीय प्रवेश द्वार शामिल हैं। महासागरों में सबसे बड़ा और सबसे पुराना प्रशान्त महासागर है। पृथ्वी के क्षेत्रफल के 30 प्रतिशत से अधिक भाग पर यह फैला है। इसमें द्वीपों का सर्वाधिक सगुटीकरण है, जो मोटे तौर पर तीन समूहों में है- माइक्रोनेशिया, मेलानेशिया और पालीनेशिया।

अटलांटिक महासागर दूसरा सबसे बड़ा महासागर पृथ्वी के क्षेत्रफल के 20.9 प्रतिशत भाग को घेरे है। हिन्द महासागर, तीसरा सबसे बड़ा सागर-भारत में कन्या कुमारी से दक्षिणी ध्रुव अंटार्कटिका तक फैला है। यह पृथ्वी में कुल धरातलीय क्षेत्रफल के 14.4 प्रतिशत भाग में है। आर्कटिक उत्तरी ध्रुव के चारों ओर फैला है। यह शीतकाल में पूरी तरह वर्फ से जमा और वर्ष के शेष भाग में अपने ही हिम से ढंका रहता है फिर भी इसका पृथक अस्तित्व है। एक करोड़ चालीस लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक इसका क्षेत्रफल इसे महासागर कहने के लिये बाध्य करता है।

- **देवेश तिवारी**
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

विश्व खाद्य दिवस - 16 अक्टूबर

हर भूखे को भोजन प्रदान करना ही सच्चा धर्म

"मैं ऐसे धर्म या ईश्वर को नहीं मानता जो विधवाओं के आंसू न पोंछ सके, या किसी अनाथ को एक टुकड़ा रोटी भी न दे सके।"

स्वामी विवेकानंद का यह कथन इसलिए सही है, क्योंकि पीड़ित मानवता की सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची सेवा है। अगर कोई व्यक्ति भूखा है, तो उसे भोजन कराना हर मजहब में नेक काम माना जाता है। मगर पूरे विश्व में इसकी समानता नहीं दिखाई देती है। कहीं किसी के पास आवश्यकता से ज्यादा है तो किसी के पास पेट भरने के लिए भी नहीं होता है। कोई ज्यादा खाकर बीमार है, तो कोई कुपोषण का शिकार है। हर जगह अति है। इसे समान करने की जरूरत है न सिर्फ एक देश के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए। किसी ने कहा भी है कि, भोजन को उगाने के लिए सिर्फ धन नहीं, बल्कि प्यार की भी जरूरत होती है। इसलिए जो भी हमारे आसपास अन्न है हमें उसका सही ढंग से संरक्षण करने तथा वह बर्बाद न हो इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि, मनुष्य जितना सादा भोजन करता है, उसके विचार उतने ही सुंदर होते हैं। गांधी के विचारों से प्रेरित होने वाले अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से एक बार जब पूछा गया कि, वह किस महान शख्सियत के साथ भोजन करना पसंद करेंगे, तो उन्होंने कहा था कि वह महात्मा गांधी के साथ भोजन करना पसंद करेंगे। उन्होंने कहा था कि, वह उनकी क्षमता का आकलन करना चाहेंगे कि किस तरह सरल भोजन के दम पर वे अपने दुश्मनों का डटकर मुकाबला कर रहे थे।

सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

विश्व खाद्य दिवस को मनाने की शुरुआत

खाने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर वर्ष 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का आधार सन् 1945 का वह वर्ष था, जब द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद संयुक्त राष्ट्र के गठन के बाद इस पर विचार किया गया कि कैसे संपूर्ण विश्व में मानव का संतुलित और सर्वांगीण विकास हो। विश्व में लोगों को संतुलित भोजन मिले और वे कुपोषण के दायरे से बाहर होकर स्वस्थ जीवन जीयें और अपना व समाज का विकास करें। लोगों को संतुलित भोजन मिल सके, इसके लिए आवश्यक है कि विश्व में खाद्यान्न का उत्पादन भी पर्याप्त मात्रा में हो। लगातार विश्व की जनसंख्या में हो रही वृद्धि और खाद्य पदार्थों के सीमित भंडार को देखते हुए खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता महसूस की गई। इसे ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्टूबर, 1945 को रोम में 'खाद्य एवं कृषि संगठन' Food and Agriculture Organization (FAO) की स्थापना की। पूरे विश्व में आर्थिक तंगी के कारण भुखमरी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने एवं इसे खत्म करने के लिए वर्ष 1980 से 16 अक्टूबर को 'विश्व खाद्य दिवस' मनाना शुरू किया गया। इस वर्ष इसे मनाते हुए 40 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

विश्व खाद्य दिवस को मनाने का उद्देश्य

'विश्व खाद्य दिवस' को मनाने का मुख्य उद्देश्य दुनिया से भुखमरी को खत्म करना है। आज भी विश्व में करोड़ों लोग भुखमरी से ग्रस्त हैं। वर्तमान समय में यह बहुत आवश्यक हो गया है कि विश्व से भुखमरी को खत्म करने के लिए आधुनिक तरीके से खेती की जाए। 'विश्व खाद्य दिवस' का उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र की तमाम संस्थाओं द्वारा विकासशील देशों में गरीबी एवं भुखमरी से निपटने के लिए तमाम प्रयास भी शुरू किए गए हैं। खासतौर पर अफ्रीकी महाद्वीप के कई देश भयंकर भुखमरी से ग्रस्त हैं, रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया, सेनेगल, सोमालिया इनमें शामिल हैं। इसके साथ ही एशिया समेत हर महाद्वीप में ही यह स्थिति है कि कुछ लोगों के पास यदि आहार ज्यादा है तो कुछ के पास पेट भरने के लिए भी नहीं है। कहीं मिट्टी की रोटी बनाकर खाने की खबर आती है, तो कभी कई दिनों से भूखे रहने के कारण दम तोड़ने के समाचार पढ़ने को मिलते हैं। ऐसे में आहार के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है, ताकि जिनके पास अधिक है वह उसका संरक्षण करके जरूरतमंदों को सहयोग करें।

इस वर्ष की थीम

हर वर्ष यह दिवस किसी न किसी विशेष थीम पर मनाया जाता है। वर्ष 2020 में इसकी थीम है Grow, Nourish, Sustain, Together - Our Action are Our Future यानी एक साथ मिलकर आगे बढ़ें, पोषण हासिल करें और विकसित हों। पूरे विश्व के अधिकतर देश इसे मिलकर अपने-अपने स्तर पर सेलिब्रेट करते हैं। इस पर स्कूल, कॉलेजों और अन्य संगठनों में रचनात्मक कार्यक्रम, सेमिनार, भाषण आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। #WorldFoodDay के माध्यम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्वीटर, यूट्यूब आदि पर कैंपेन चलाया जा रहा है। जिस पर विभिन्न तरह के वीडियो और आकर्षक कंटेंट से लोगों को खाने के प्रति जागरूक करने और जो भूखे हैं उनके लिए मिलकर सहयोग करने की अपील की जा रही है। खास बात यह है कि विश्व खाद्य दिवस 2020 इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष 'खाद्य एवं कृषि संगठन' Food and Agriculture Organization (FAO) अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे कर रहा है, लेकिन सदी की सबसे बड़ी महामारियों में से एक कोरोना वायरस के दौर में यहां भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी है। इसलिए अधिकांश कार्यक्रम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ही आयोजित किए जाएंगे।

कोरोना और भुखमरी

फरवरी-मार्च के महीने से जब से कोरोना ने दस्तक दी है तब से आर्थिक समस्याओं का लगातार लोगों को सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक तंगी, भुखमरी की वजह से कई बार बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक ने अपनी ज़िंदगी को खत्म करने तक का फैसला कर लिया, तो दूसरी तरफ इन विपरीत परिस्थितियों में जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का काम भी कई संस्थाओं, व्यक्तियों ने अपने-अपने स्तर पर किया। देशव्यापी लॉकडाउन के बाद बड़ी संख्या में जब लोग पैदल अपने-अपने घरों को जा रहे थे, ऐसे में उन्हें अपने सामर्थ्य के अनुरूप नेकदिल लोगों ने सहयोग किया। हालांकि हम ऐसा करने में पूरी तरफ सफल रहे यह नहीं कह सकते, लेकिन फिर भी मानवता अवश्य नज़र आई।

भारत में खाद्य विविधता

आज भले ही ज्यादातर घरों में हम एक सा भोजन करते हैं या आज के बच्चे और युवा पीढ़ी भी फास्ट फूड की ओर आकर्षित है, जबकि हमारे देश में खाने की जो विविधता मौजूद है वह शायद संपूर्ण विश्व में कहीं नहीं है। इसलिए अब विदेशी भोजन के बजाय स्थानीय भोजन को महत्व देने की बात कही जा रही है। हिंदुस्तानी आहार में मौजूद मसाले हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी, लौंग, अदरक, लहसुन आदि का प्रयोग इम्युनिटी बढ़ाने और बीमारियों से दूर रहने के लिए किया जाता है। इस तरह यह भोजन न केवल पेट भरता है, बल्कि व्यक्ति को स्वस्थ रखने में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमारे देश के हर राज्य का अपना कुछ विशेष आहार है, जो न केवल उसे विदेश में, बल्कि अपने ही देश में भी विशेष पहचान देता है। गुजरात के आहार में प्रयोग खमण ढोकला हो या दक्षिण भारत का डोसा, इडली, राजस्थान की दाल, बाटी, चूरमा, पंजाब की लस्सी, मुंबई का बड़ा पाव, उत्तर भारत का लोकप्रिय आलू का पराठा, बंगाल का मछली भात, उड़ीसा में जन्मा और बंगाल में लोकप्रिय हुआ रसगुल्ला, उत्तरप्रदेश की पूड़ी बेड़ई यह चंद वे नाम हैं, जो प्रसिद्ध हैं। इनके अलावा भी ऐसे ही हजारों व्यंजन हैं, जिनके बारे में हमने सुना हो तो शायद चखा भी न हो। इस तरह हिंदुस्तान के खाने के अलग-अलग रंग ऐसे हैं, जो पूरी दुनिया को आकर्षित करते हैं। इसलिए हमें अपनी नई पीढ़ी को भी फास्ट फूड में मिलाए जाने वाले हानिकारक केमिकल वाले आहार के बजाय अपनी मिट्टी, अपने क्षेत्र में बनने वाले स्थानीय आहार की ओर मोड़ने की आवश्यकता है, जो न केवल ताजे होते हैं, बल्कि सेहतमंद भी रखते हैं।

शांति का नोबेल पुरस्कार यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम को

यूएन वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के अनुसार वर्ष 2019 में उसने दुनिया के 88 देशों में करीब 100 मिलियन लोगों की मदद की है और उन्हें भरपेट भोजन देने के लिए कार्य कर रहा है। 9 अक्टूबर 2020 को शांति का 2020 का नोबेल पुरस्कार इस संस्था को देने की घोषणा की गई है। नोबेल कमेटी ने यह पुरस्कार देते हुए कहा कि, 'भूख को युद्ध और संघर्ष के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने से रोकने के लिए की जा रहीं कोशिशों में वर्ल्ड फूड प्रोग्राम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।' इस वर्ष इस पुरस्कार के लिए लगभग 211 व्यक्तियों और 107 संगठनों को नामित किया गया था।

(फोटो गूगल से साभार)

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Government of Madhya Pradesh)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan
Bhopal M.P. – 462 011

No. 15865/22/D-12/NIT-Maint./2020 Bhopal, Dated : 12.10.2020

NOTICE INVITING TENDER No. 144/MTN/2020

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below :

1. Table No. 1 : Name of Work : REPAIR/ MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 5 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Alirajpur	1	3245000.00
2.	Chhindwara	2	29356000.00
3.	Jabalpur	3	30733000.00
4.	Katni	2	5110000.00
5.	Narsinghpur	2	28042000.00
6.	Ratlam	1	4481000.00
7.	Rewa	1	7368000.00
8.	Shajapur	1	2515000.00
9.	Sehore	2	10588000.00
10.	Sidhi	3	16481000.00
11.	Ujjain	2	17886000.00
12.	Umaria	1	22150000.00

2. Table No. 2 : Name of Work : REPAIR/ MAINTENANCE OF THE RURAL ROADS FOR FIVE YEARS CONSTRUCTED UNDER PRADHAN MANTRI GRAM SADAK YOJNA. (POST 10 YEAR)

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Alirajpur	1	7444000.00
2.	Barwani	1	7305000.00
3.	Bhopal	1	3238000.00
4.	Chhindwara	1	1759000.00
5.	Jabalpur	2	9355000.00
6.	Katni	1	9053000.00
7.	Satna	1	8947000.00
8.	Sehore	1	5066000.00
9.	Sidhi	3	14955000.00
10.	Singrauli	2	7180200.00
11.	Ujjain	2	7744000.00
12.	Vidisha	1	14668000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **15.10.2020 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/98677/44536/2020 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & E-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department Governement of Madhya Pradesh)
5th Floor, Block-II,Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.– 462011
No.16198/22/D-12/MPRRDA/2020Bhopal, Dtd. : 16.10.2020

NOTICE INVITING TENDER No. 912 (PMGSY-III, Batch-I Year 2020-21)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in.** as detailed below :

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Damoh	1	88080000.00
2.	Jabalpur	2	116390000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities. The bidders are required to submit (a) original Demand Draft towards the cost of bid document and (b) original bid security in approved form and (c) original affidavit regarding correctness of information furnished with bid document as per provisions of Clause 4.4 B (a) (ii) of ITB with GM PIU concerned or **MPRRDA Head Office, Paryavas Bhawan, Bhopal,** either by registered post or by hand, failing which the bid shall be declared non-responsive.
2. Bid document may be purchase online from **20.10.2020 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **07.11.2020 (17:00 hrs.).**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. M/98708/44539/2020 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & e-G)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department Governement of Madhya Pradesh)
5th Floor, Block-II,Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.– 462011
No.16205/22/D-12/MPRRDA/2020Bhopal, Dtd. : 16.10.2020

NOTICE INVITING TENDER No. 913 (PMGSY-III-Bridges) PMGSY-III (Batch-I) Year 2020-21

Online Tenders for Construction of Bridges with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :

- **PMGSY-III (Batch-I) Year 2020-21**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Panna	1	21164000.00
2.	Indore	1	9208966.00

1. **Vailability of Bid Documents and mode of submission :** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in.** The bidder would be required to register in the website which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities. The bidders are required to submit (a) original Demand Draft towards the cost of bid document and (b) original bid security in approved form and (c) original affidavit regarding correctness of information furnished with bid document as per provisions of Clause 4.4 B (a) (ii) of ITB with GM PIU concerned or **MPRRDA Head Office, Paryavas Bhawan, Bhopal,** either by registered post or by hand, failing which the bid shall be declared non-responsive.
2. Bid document may be purchase online from **20.10.2020 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **07.11.2020 (17:00 hrs.).**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. M/98709/44540/2020 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & e-G)**

फसल खरीदी के लिये किसानों की सुविधानुसार की जाएं आवश्यक व्यवस्थाएं

भोपाल, मध्यप्रदेश में धान एवं अन्य फसलों की खरीदी के संबंध में की जा रही व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बैठक में कृषि एवं खाद्य विभाग को निर्देशित किया गया कि खरीदी के लिए किसानों की सुविधानुसार आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं। प्रदेश में किसानों द्वारा खरीफ की फसलों के विक्रय के लिए पंजीयन की कार्रवाई चल रही है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में धान खरीदी के संबंध में विस्तृत निर्देश जारी किए जा रहे हैं। धान उत्पादक जिलों में विशेष व्यवस्था की जाएगी। बैठक में धान की खरीदी, किसानों को राशि के भुगतान और उपार्जित धान के भंडारण के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश की मंडियों में धान, ज्वार तथा बाजरा की आवक पूर्व वर्ष से अधिक है, को देखते हुए जल्दी खरीदी प्रारंभ की जाए। पूर्व में निर्धारित की गई तिथियों के अनुसार धान उर्पाजन प्रारंभ होने की तिथि 25 नवम्बर और ज्वार एवं बाजरा की 15 नवंबर के स्थान पर और पहले से खरीदी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को खरीदी कार्य में दिक्कत न हो, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बताया गया कि ग्वालियर तथा चंबल संभाग में जहां पर पतली (फाइन) किस्म की धान 1509 बोई जाती है, उसको भी खरीदा जाए और किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ दिलवाया जाए।

श्री चौहान ने निर्देश दिए कि किसान सुगमता से समर्थन मूल्य पर उपज का विक्रय कर सकें इसके लिए खरीफ उपार्जन में 600 नये केंद्र खोले जाएं। इससे केंद्रों की संख्या 1500 हो जाएगी। वर्तमान में करीब 900 केंद्र हैं। राज्य में 9 अक्टूबर तक 5.96 लाख धान, 10 हजार ज्वार और 29 हजार 416 बाजरा के किसानों ने पंजीयन करवाये हैं। इसी तरह 54 हजार 926 कपास के कृषकों के पंजीयन हो चुके हैं। यह पूर्व वर्ष से अधिक हैं। पंजीयन की आखिरी तारीख 15 अक्टूबर है।

कार्यालय, अध्यक्ष काउंसलिंग समिति तकनीकी शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रवास, क्रमांक-टी 2, श्यामला हिल्स, भोपाल- 462002

लेटरल एण्ट्री के माध्यम से बी.ई./बी. फार्मेसी पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश हेतु

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी इंजीनियरिंग संस्थान)

काउंसलिंग कार्यक्रम : सत्र 2020-21

प्रथम चरण

अर्हकारी परीक्षा की मेरिट पर आधारित

गतिविधियां		दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन निरस्त	:	20.10.2020 से 28.10.2020
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)	:	29.10.2020 से 30.10.2020
इच्छित संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी	:	22.10.2020 से 01.11.2020 रात्रि 11.45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता	:	02.11.2020 सायं 5:00 बजे तक
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	:	05.11.2020 से 10.11.2020 सायं 5.00 बजे तक
संस्था स्तर की काउंसलिंग (CLC)		
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	:	11.11.2020 से 13.11.2020 दोपहर 3.00 बजे तक
इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये उपस्थित होना	:	11.11.2020 से 13.11.2020 सायं 5:00 बजे तक

प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी मार्गदर्शिका/काउंसलिंग प्रक्रिया, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।

(कोविड-19 के कारण, सहायता केन्द्रों पर किसी भी अभ्यर्थी को जाने की आवश्यकता नहीं)

संपर्क : 0755-6720205, 2660441 ई-मेल : dte.helpcenter@mp.gov.in

अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/98711/44541/2020

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-01, भोपाल
फोन नं. : 0755-4222322, ई-मेल : mpphc.bhopal@yahoo.com
Mobile No. : 9425601532
क्रमांक - म.प्र.पु.आ. एवं अ.वि.नि./639/पयं/भोपाल-1/तशा/2020
भोपाल, दिनांक : 13.10.2020

प्रेस विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम संभाग क्रमांक-01 भोपाल द्वारा (1) रक्षित केन्द्र नेहरू नगर भोपाल में फायरिंग रेंज निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक 13/2020-21 ऑनलाइन TENDER ID No. : 2020_MPPHC_110792_1 निविदा प्रपत्र दिनांक 20.10.2020 समय 5.00 बजे तक (2) बैरिक नं. 30, 8, 20, एवं 21, 25वीं वाहिनी भोपाल तथा ब्लॉक एच-4, एच-3, जी-4 एवं ब्लॉक-2 (गैस गोडाउन के सामने) की बाहरी सीवर लाइन 25वीं वाहिनी भोपाल का मरम्मत कार्य हेतु निविदा क्रमांक 14/2020-21 ऑनलाइन TENDER ID No. : 2020_MPPHC_111070_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 23.10.2020 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। जिसकी विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही किए जावेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

म.प्र. माध्यम/98683/44537/2020 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department Governement of Madhya Pradesh)
5th Floor, Block-II,Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.– 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No.16224/22/D-12/MPRRDA/2020Bhopal, Dtd. : 16.10.2020

NOTICE INVITING TENDER No. 914 UPG-MR

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Table No.1 - Up-gradation**

S. No.	Name of District	No. of Package	Total PAC (In Rs.)
1	Sehore	2	115598000.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **20.10.2020 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. M/98714/44542/2020 **CHIEF GENERAL MANAGER (T & e-G)**

अपने लक्ष्य को ही अपना जीवन बना लें और अपना सर्वस्व लक्ष्य प्राप्ति के लिये लगा दें – हेमिंग्वे अर्नेस्ट

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड - सिवनी (म.प्र.)
निविदा आमंत्रण सूचना (संक्षिप्त)

निम्नलिखित कार्य की निविदा प्रक्रिया ई-प्रोक्युरमेंट ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित हैं। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

कार्य का नाम :- जल जीवन मिशन के अंतर्गत सिवनी जिले के विकासखण्ड सिवनी के ग्राम केकड़वानी में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलू नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेव्हेलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।

निविदा सूचना क्र./दिनांक	ई-टेण्डरिंग पद्धति क्रमांक	कुल अनुमानित लागत (रु. लाख में)	कुल अमानती राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि	ऑनलाइन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	समय अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
17/नि.प्र./2020-21 दिनांक 14.10.2020	2020_PHED_111121_1	31.18	50,000/-	5,000/-	02.11.2020	02.11.2020	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :- जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड बरघाट के ग्राम अतरी में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना, 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 100 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलू नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेव्हेलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।

17/नि.प्र./2020-21 दिनांक 14.10.2020	2020_PHED_111122_1	57.36	57,360/-	10,000/-	02.11.2020	02.11.2020	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :- जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम खमरिया काछी में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना, 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलू नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेव्हेलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।

17/नि.प्र./2020-21 दिनांक 14.10.2020	2020_PHED_111123_1	62.88	62,880/-	10,000/-	02.11.2020	02.11.2020	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :- जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम परासिया में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना, 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलू नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेव्हेलपमेंट स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।

17/नि.प्र./2020-21 दिनांक 14.10.2020	2020_PHED_111124_1	70.74	70,740/-	10,000/-	02.11.2020	02.11.2020	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

कार्य का नाम :- जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिला सिवनी के विकासखण्ड लखनादौन के ग्राम उकारपार में नलकूप आधारित नलजल प्रदाय योजना के अंतर्गत सबमर्सिबल/सेन्ट्रीफ्यूगल पम्प की स्थापना, 20 कि.ली. जल क्षमता का आर.सी.सी. सम्पवेल निर्माण, 50 कि.ली. जल क्षमता एवं 12 मी. स्टेजिंग की आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने एवं जोड़ने का कार्य, घरेलू नल कनेक्शन, पम्प हाउस का निर्माण, टंकी की साइट डेव्हेलपमेंट, स्रोत पर विद्युत संयोजन, सामग्री एवं मजदूरी एवं 90 दिवस ट्रायल रन सहित कार्य।

17/नि.प्र./2020-21 दिनांक 14.10.2020	2020_PHED_111125_1	54.19	54,190/-	10,000/-	02.11.2020	02.11.2020	270 दिवस (वर्षाकाल सहित), 90 दिवस ट्रायल रन सहित	म.प्र. लोक निर्माण विभाग, भोपाल में केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत "स" सिविल एवं उससे ऊपर की श्रेणी तथा अन्य राज्य अथवा केन्द्र के विभागों में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

जी-14923/44535/2020 कार्यपालन यंत्री

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय श्याम सुन्दर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा
जिला जबलपुर (म.प्र.)

Accredited "B++" Grade, (2.88/4.00) CGPA by NAAC
Website : www.mphighereducation.nic.in/pgcsihora
E-Mail : hegssacsihjab@mp.gov.in, gssacollegesihora@gmail.com
Phone/Fax : 07624-232000

सिहोरा, दिनांक : 13.10.2020

स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत अतिथि विद्वानों से अध्यापन कार्य हेतु आवेदन आमंत्रण "सत्र 2020-21" के लिए

महाविद्यालय के निम्नलिखित पाठ्यक्रमों/विषयों में अतिथि विद्वानों के द्वारा अध्यापन व्यवस्था हेतु योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	पाठ्यक्रम/विषय	अनुमानित संख्या	न्यूनतम अर्हताएं
1.	कम्प्यूटर विज्ञान	02	AICTE अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पूर्णकालिक 2 वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम M.Sc. computer science/M.C.A.
2.	कम्प्यूटर जागरूकता (आधार पाठ्यक्रम)	01	AICTE अथवा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पूर्णकालिक 2 वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम M.Sc. computer science/M.C.A.

नोट :- 1. लेटरल एण्ट्री या पत्राचार पाठ्यक्रम मान्य नहीं होंगे।
2. स्नातकोत्तर स्तर पर न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है।
3. पृथक-पृथक विषय हेतु पृथक-पृथक आवेदन पत्र प्रस्तुत करना होगा।
4. आरक्षित वर्गों को नियमानुसार छूट होगी।

अतिथि विद्वानों (स्ववित्तीय योजना) के आमंत्रण हेतु मेरिट/वरीयता निर्धारण की प्रक्रिया उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन भोपाल एवं यू.जी.सी. मापदण्डों के दिशा निर्देशों के अनुरूप होगी। अतिथि विद्वानों को मानदेय प्रतिकालखण्ड/प्रतिदिवस जनभागीदारी समिति द्वारा निर्धारित एवं अधिकतम 10,000/- रु. प्रतिमाह देय होगा। अनुपस्थित होने पर माह में उपलब्ध कार्य दिवस की गणना के अनुसार राशि मानदेय के काट ली जावेगी।

इच्छुक योग्य उम्मीदवार अपने आवेदन संलग्न निर्धारित प्रारूप में **दिनांक 24.10.2020 तक** कार्यालयीन समय पर स्वयं अथवा रजिस्टर्ड डाक अथवा महाविद्यालय के ई-मेल **hegssacsihijab@mp.gov.in** पर महाविद्यालय में भेज सकते हैं।

आवेदन में उल्लेखित जानकारी, सत्यापन/प्रमाणीकरण के समय असत्य पाये जाने पर आवेदन निरस्त कर दिया जावेगा।

सचिव/प्राचार्य
जनभागीदारी समिति शा. श्याम सुन्दर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा, जबलपुर (म.प्र.)

अतिथि विद्वान हेतु आवेदन "सत्र 2020-21 कि लिए"

महाविद्यालय - शास. श्यामसुन्दर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सिहोरा (जबलपुर)

पासपोर्ट साइज फोटो

आवेदक का नाम - .....
पिता का नाम - .....
जन्मतिथि - .....
विषय - .....
जाति - ..... (आरक्षित वर्ग प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न करें)
मोबाइल नम्बर - ..... ई-मेल आई.डी. .....

पता - .....

योग्यता :-

क्र.	स्तर	वर्ष	प्राप्तांक	संलग्न क्रमांक (छायाप्रति संलग्न करें)
1.	हाईस्कूल			
2.	हायरसेकेण्डरी			
3.	स्नातक			
4.	स्नातकोत्तर			
5.	एम.फिल.			
6.	पी.एचडी.			
7.	नेट/स्लेट			

अनुभव :-

क्र.	वर्ष	कालखण्ड	संलग्न प्रमाण पत्र का क्रमांक
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			

घोषणा पत्र

मैं.....आत्मज.....घोषणा करता हूं कि मेरे द्वारा दी गयी उपरोक्त जानकारी सत्य है। असत्य पाए जाने पर मेरा आवेदन निरस्त कर दिया जावे।

आवेदक के हस्ताक्षर .....
आवेदक का नाम .....

जी-14929/44532/2020

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003
Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/543/पयं/भोपाल-03/तशा/2020
भोपाल, दिनांक : 14.10.2020

निविदा आमंत्रण सूचना

राज्य योजना अंतर्गत अर्द्धशहरी पुलिस थाना सिविल लाइन जिला हरदा निर्माण कार्य हेतु निविदा क्रमांक-07/2020-21(टेण्डर क्रमांक-111127) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 24.10.2020 सायं 5.00 बजे तक** खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/98685/44538/2020 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग, परियोजना क्रियान्वयन इकाई, कला मंदिर रोड, स्वागत भवन, रीवा (म.प्र.)

एनआईटी नं. :- 26/2020/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/एपीडी/पी.आई.यू./4134 रीवा, दिनांक 08.10.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

1. स.क. एवं कार्य का नाम :- त्योंथर, जिला रीवा के कोर्ट कैम्पस में मेडिएशन सेंटर (ए.डी.आर.) भवन का निर्माण (द्वितीय आमंत्रण)।

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी. रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110790_1	रीवा	39.83	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित

2. स.क. एवं कार्य का नाम :- 111 स्कीम के तहत आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत ग्राम-भीर, ब्लॉक-नईगढ़ी, जिला-रीवा में कोर्टयार्ड पैटर्न जी प्लस वन हायर सेकेण्डरी स्कूल भवन का निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)।

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी. रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110794_1	रीवा	73.73	73730/-	10000/-	12 माह वर्षाकाल सहित

3. स.क. एवं कार्य का नाम :- 430 स्कीम के तहत आर.एम.एस.ए. के अंतर्गत ग्राम-बघाई, ब्लॉक-सिरमौर, जिला-रीवा में हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)।

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी. रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110797_1	रीवा	86.70	86700/-	10000/-	09 माह वर्षाकाल सहित

4. स.क. एवं कार्य का नाम :- श्यामशाह मेडिकल कॉलेज रीवा के अंतर्गत मानसिक रोग विभाग में नशामुक्त वार्ड का एस.जी.एम.एच. के प्रथम तल पर निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)।

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी. रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110802_1	रीवा	26.65	50000/-	5000/-	06 माह वर्षाकाल सहित

5. स.क. एवं कार्य का नाम :- लोक निर्माण विभाग पी.आई.यू. परिक्षेत्र, रीवा के अंतर्गत कार्यालयों में टेक्नीकल असिस्टेंट/कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर आउटसोर्स के माध्यम से तैनात करना। (प्रथम आमंत्रण)।

पोर्टल टेंडर आई.डी.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पी.ए.सी. रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110806_1	रीवा	52.00	52000/-	10000/-	24 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.10.2020 समय 9.00 AM से दिनांक 24.10.2020 समय 6.00 PM तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-14849/44528/2020 **लोक निर्माण विभाग, पी.आई.यू., रीवा**

संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल

1, शिवाजी नगर (रेडक्रॉस अस्पताल के पीछे), भोपाल (म.प्र.) 462016
(दूरभाष : 0755-2770598, 2770597)

आवेदन आमंत्रित हैं
शा. संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में
अतिथि विद्वानों की व्यवस्था हेतु

शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए विभिन्न शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों में अध्यापन के लिए अतिथि विद्वानों की व्यवस्था हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं।

2/ अतिथि विद्वानों की व्यवस्था संबंधी प्रक्रिया मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्डों एवं नियमों के तहत की जावेगी।

3/ रिक्तियों के विषय/विधा, पद संख्या आदि का विवरण एवं आवेदन-पत्र का प्रारूप तथा उक्त नियम एवं मापदण्ड संचालनालय की वेबसाइट **www.culturemp.in** पर पद उपलब्ध हैं।

4/ उक्त कार्यालय में आवेदन-पत्र (निर्धारित प्रारूप एवं शैक्षणिक योग्यताओं तथा अनुभव आदि के सत्यापित प्रमाण-पत्र सहित) प्राप्त होने की **अंतिम तिथि 29 अक्टूबर, 2020 (सायं 5.30 बजे तक) होगी।**

संचालक
जी-14901/44530/2020 **संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश भोपाल**

कार्यालय संभागीय परियोजना यंत्री, लोक निर्माण विभाग
परियोजना क्रियान्वयन इकाई, सिंगरौली (म.प्र.)

email :- piusingrauli@gmail.com, ph.no. 07805-297421

एनआईटी नं. 26/2020/केन्द्रीयकृत निविदा/एपीडी/पी.आई.यू./4134 रीवा, दिनांक 08.10.2020

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है।

1. स.क. एवं कार्य का नाम :- जिला सिंगरौली अंतर्गत शासकीय हाईस्कूल भवन कर्थुआ का निर्माण कार्य वाटर सप्लाई सेनेटरी फिटिंग और इलेक्ट्रिफिकेशन सहित कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)।

टेंडर पोर्टल नं.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) लाख में	अमानत राशि (ईएमडी) रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110007_1	सिंगरौली	62.02	62020/-	10000/-	8 माह

2. स.क. एवं कार्य का नाम :- जिला सिंगरौली अंतर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र वैकुन में वाउण्ड्रीवॉल एवं पहुंच मार्ग निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)।

टेंडर पोर्टल नं.	जिला	ठेके की अनु. राशि (पीएसी) लाख में	अमानत राशि (ईएमडी) रु. में	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2020_PWPIU_110066_1	सिंगरौली	367.36	367360/-	15000/-	12 माह

1. निविदा से संबंधित बिड डाक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन **दिनांक 10.10.2020 समय 9.00 से दिनांक 24.10.2020 समय 18.00 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

संभागीय परियोजना यंत्री
जी-14851/44529/2020 **लोक निर्माण विभाग, (पी.आई.यू.) सिंगरौली (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग
खण्ड शहडोल, पाण्डवनगर शहडोल (म.प्र.)

Website : www.mpphe.gov.in, Email :- eephedshd@mp.nic.in
Phone No. 07652-240307, Fax No. 07652-240307

निविदा विज्ञप्ति सूचना

निम्नलिखित कार्यों की निविदा ई-टेंडरिंग पद्धति से **Website http://mptenders.gov.in** निविदा प्रारूप एपेंन्डिक्स 2.1 पर आमंत्रित की जाती है। जिसमें ऑनलाइन निविदा प्रपत्र क्रय की **अंतिम तिथि 28.10.2020 सायं 5.30 बजे तक** नियत है। निविदाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

कार्य का नाम :- शहडोल जिले के विकासखण्ड सोहागपुर के 05 ग्रामों में नलजल योजना का रेट्रोफिटिंग का कार्य।

निविदा क्र.	ऑनलाइन निविदा पद्धति क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की राशि (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा आमंत्रण संख्या
67.	11087	369.75	369754/-	15000/-	06 माह	द्वितीय
कार्य का नाम :- शहडोल जिले के विकासखण्ड बुढ़ार के 07 ग्रामों में नलजल योजना का रेट्रोफिटिंग का कार्य।						
68.	11088	449.82	449824/-	15000/-	06 माह	द्वितीय
कार्य का नाम :- शहडोल जिले के ग्राम ठेंगरहा नलजल योजना विकासखण्ड जयसिंहनगर की रेट्रोफिटिंग का कार्य।						
69.	11089	16.58	33164/-	2000/-	02 माह	द्वितीय
कार्य का नाम :- अधीक्षण यंत्री शहडोल मंडल, शहडोल हेतु निरीक्षण वाहन की आवश्यकता।						
70.	11096	2.28	4560/-	2000/-	12 माह	तृतीय

1. यह संक्षिप्त निविदा है विस्तृत निविदा एवं अन्य जानकारी **Website http://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है।
2. सभी शर्तें विस्तृत निविदा की लागू होंगी।

कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
जी-14931/44531/2020 **शहडोल (म.प्र.)**

कार्यालय प्राचार्य
महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय

पॉलीटेक्निक चौराहा, भोपाल मध्यप्रदेश पिनकोड - 462002
टेलीफोन नंबर 0755-2660717, Email : hegmlbgpgcbho@mp.gov.in

क्रमांक 7906/एम.एल.बी./स्था./2020 **भोपाल, दिनांक 14.10.2020**

महाविद्यालय में संचालित स्ववित्तीय पाठ्यक्रम हेतु (सत्र 2020-21 के लिये) अतिथि विद्वान एवं प्रयोगशाला तकनीशियन को आमंत्रित करने के लिये सभी आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रतियों के साथ निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। निर्धारित प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाइट **www.mpcolleges.nic.in/mlbbpl** से डाउनलोड किया जा सकता है।

क्र.	पद	संख्या	विषय	पाठ्यक्रम	योग्यता
1.	अतिथि विद्वान	01	बायोटेक्नोलॉजी	स्नातक स्तर	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित
2.	प्रयोगशाला तकनीशियन	01	बायोटेक्नोलॉजी	स्नातक स्तर	संबंधित विज्ञान विषय के साथ स्नातक एवं प्रयोगशाला अनुभवी को प्राथमिकता।
3.	प्रयोगशाला तकनीशियन	01	माइक्रोबायोलॉजी	स्नातक एवं स्नातकोत्तर	संबंधित विज्ञान विषय के साथ स्नातक एवं प्रयोगशाला अनुभवी को प्राथमिकता।

1. सभी आवेदन प्राचार्य एवं सदस्य सचिव, जनभागीदारी समिति, शास. महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल के नाम संबोधित किये जायें।
2. आवेदन देने की **अंतिम तिथि 24.10.2020 को सायं 4.00 बजे तक है**, आवेदन जमा करते समय आवेदन की पावती प्राप्त करना संबंधित का उत्तरदायित्व होगा।
3. आवेदनकर्ता प्रत्येक विषय के लिये पृथक-पृथक आवेदन प्रस्तुत करें।
4. आवेदन-पत्र अपूर्ण होने या उसके साथ आवश्यक दस्तावेजों की फोटो प्रति संलग्न न होने की स्थिति में आवेदन-पत्र स्वयंमेव ही निरस्त माना जायेगा, जिसकी कोई सूचना पृथक से अभ्यर्थी को दिया जाना संभव नहीं होगा।
5. अतिथि विद्वानों की चयन प्रक्रिया उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा प्रसारित आदेशानुसार होगी एवं मानदेय व्यवस्था जनभागीदारी समिति द्वारा पारित दर से की जायेगी।
6. विज्ञापित पदों में कमी या वृद्धि का अधिकार जनभागीदारी समिति के पास होगा।
7. समस्त न्यायालयीन प्रकरणों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।
8. अतिथि विद्वान किसी भी हैसियत से महाविद्यालयीन स्थापना के अंतर्गत नहीं माने जायेंगे और वे लोकसेवक की विधि विहित परिभाषा के अंतर्गत लोकसेवक नहीं माने जायेंगे।

प्राचार्य एवं सचिव, शास. महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर
जी-14928/44533/2020 **(स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, पन्ना (म.प्र.)

दूरभाष क्र. 07732-252084, ई-मेल - eephedpan@nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना 38/2020-21, दिनांक 13.10.2020

निम्नलिखित कार्य की निविदाएं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **https://www.mptenders.gov.in** पर पन्ना जिले के विभिन्न विकासखंडों के निम्नांकित ग्रामों की जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नलजल योजनाओं में पाइप लाइन, मोटर पंप स्थापना, आर.सी.सी. उच्च स्तरीय टंकी निर्माण, सम्पवेल निर्माण, घरेलू नल कनेक्शन एवं विद्युत संयोजन आदि कार्य हेतु नवीन पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नानुसार निविदाएं आमंत्रित हैं। जिनके फार्म ऑनलाइन क्रय करने एवं निविदा दर डालने की **अंतिम तिथि 05.11.2020 शाम 5.30 तक निर्धारित है** तथा निविदा **खोलने की तिथि 07.11.2020 प्रातः 11.00 बजे** निर्धारित है। निविदा से संबंधित समस्त संशोधन उक्त वेबसाइट पर ही उपलब्ध होंगे, जिन्हें पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जावेगा।

स. क्र.	टेण्डर आई.डी. क्र.	विकासखंड	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि (वर्षाकाल सहित)
1.	2020_PHED_111050_1	गुनौर	भटिया	71.30	71300/-	10000/-	छः माह
2.	2020_PHED_111055_1	पन्ना	दिया	76.20	76200/-	10000/-	छः माह
3.	2020_PHED_111059_1	पन्ना	जरधोबा	72.30	72300/-	10000/-	छः माह
4.	2020_PHED_111069_1	गुनौर	ककरहटा	67.12	76120/-	10000/-	छः माह
5.	2020_PHED_111091_1	गुनौर	मानिकपुर कला	43.34	50000/-	5000/-	छः माह
6.	2020_PHED_111100_1	पन्ना	रानीगंज पुरवा	47.42	50000/-	5000/-	छः माह
7.	2020_PHED_111105_1	शाहनगर	जामुनडांड	49.73	50000/-	5000/-	तीन माह

कार्यपालन यंत्री
जी-14926/44534/2020 **लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, पन्ना**

नोबेल प्राइज

स्वीडन के महान वैज्ञानिक और बिजनेसमैन की आखिरी इच्छा की देन है दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार

हर वर्ष की तरह इस बार भी दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित कहे जाने वाले पुरस्कार यानी नोबेल पुरस्कार (Nobel Prize) की घोषणा की जा चुकी है। यह पुरस्कार विभिन्न क्षेत्रों में अतिविशिष्ट और मानवतावादी कार्य करने वाले व्यक्तियों या संस्थाओं को दिए जाते हैं। यह पुरस्कार दुनिया की कई महान और प्रसिद्ध हस्तियों को भी प्रदान किये गये हैं।

अल्फ्रेड नोबेल के नाम पर दिया जाता है यह पुरस्कार

दुनिया का यह सबसे प्रतिष्ठित सम्मान स्वीडन के महान आविष्कारक और बिजनेसमैन अल्फ्रेड नोबेल के नाम पर दिया जाता है। इनका पूरा नाम अल्फ्रेड बर्नहार्ड नोबेल (Alfred Bernhard Nobel) था। अल्फ्रेड का जन्म 21 अक्टूबर 1833 को स्टॉकहोम के ऐसे परिवार में हुआ था जहां लोग इंजीनियर और बिजनेसमैन थे। 1842 में अल्फ्रेड अपनी मां और भाईयों के साथ सेंट पीटर्सबर्ग आ गये थे, जहां उनके पिता इमैन्युअल नोबेल ने उस फैक्ट्री की शुरुआत की थी जिसमें आर्मी के लिये लैंडमाइन्स बनते थे। इससे इमैन्युअल को अच्छा खासा मुनाफा हो रहा था।

शिक्षा के लिये अल्फ्रेड स्कूल नहीं गये बल्कि अच्छे शिक्षिकों से उन्हें प्राइवेट ट्यूशन दिलाया गया, बचपन से तेज दिमाग वाले अल्फ्रेड ने कुछ ही समय में स्वीडिश भाषा के अलावा 4 विदेशी भाषाओं में महारथ हासिल कर ली थी। जहां तक विषयों के प्रति अल्फ्रेड के रुझान की बात है तो प्रारंभिक दौर से उनका झुकाव नेचुरल साइंस विशेष तौर पर केमिस्ट्री (रसायन विज्ञान) की तरफ था।

डायनामाइट की खोज करने वाले अल्फ्रेड नोबेल ने कराये थे 355 पेटेंट

क्रिमिया का युद्ध वर्ष 1856 में समाप्त हुआ था, इस लड़ाई के खत्म होने का परिणाम नोबेल परिवार को भुगतना पड़ा, क्योंकि इसके बाद उनकी कंपनी बैंकक्रप्ट हो गई थी। इस परिस्थिति में अल्फ्रेड के माता-पिता और छोटा भाई इमिल वापस स्वीडन लौट गए। वहीं अल्फ्रेड और उनके दो अन्य भाई को उनके अभिभावक पीटर्सबर्ग में इसलिए छोड़ गए कि वे पुनः बिजनेस को पटरी पर ला सकें। यही वह दौर था जब अल्फ्रेड का ध्यान इटैलियन वैज्ञानिक द्वारा खोजी गई नाइट्रोग्लिसरीन (Nitroglycerine) नामक अत्यंत विस्फोटक तरल पर गया। अल्फ्रेड ने देखा कि यदि नाइट्रोग्लिसरीन को सुरक्षित तरीके से संभालने का रास्ता निकल जाए तो औद्योगिक दोहन से इस विस्फोटक से काफी पैसा बनाया जा सकता है। कई प्रयोग करने के बाद आखिरकार नाइट्रोग्लिसरीन और ब्लैक पाउडर का मिश्रण तैयार किया गया, जिसकी 'ब्लास्टिंग ऑयल' के नाम से मार्केटिंग की गई। इस पर अल्फ्रेड नोबेल ने पेटेंट भी प्राप्त किया था, इस प्रयोग के बाद से ही डायनामाइट की खोज (1866) का रास्ता निकला था। वर्ष 1867 में अल्फ्रेड नोबेल ने नाइट्रोग्लिसरीन आधारित विस्फोटक डायनामाइट का पेटेंट कराया, जिसके कारण अल्फ्रेड को रॉयल स्वीडिश एकेडमी द्वारा सम्मानित भी किया गया था। इसी डायनामाइट का प्रयोग कंस्ट्रक्शन कार्यों जैसे टनल ड्रिलिंग और पहाड़ों, पुलों या इमारतों में ब्लास्टिंग के लिये किया जाने लगा।

अल्फ्रेड नोबेल द्वारा खोजी गई डायनामाइट की मांग बहुत अधिक थी, इससे उन्होंने काफी पैसा बनाया और अपना व्यापार बढ़ाया। इसकी वजह से अल्फ्रेड ने 90 अलग-अलग जगहों पर फैक्ट्रियों की स्थापना की थी। वो रहते तो पेरिस में थे, लेकिन 20 से ज्यादा देशों में स्थित फैक्ट्रियों की विजिट के लिये आए दिन ट्रैवल करते रहते थे। इस वजह से एक बार उन्हें 'यूरोप का सबसे अमीर घुमक्कड़' तक कहा गया था। बिजनेसमैन होने के साथ-साथ साइंटिस्ट (वैज्ञानिक) और इंवेंटर (आविष्कारक) के तौर पर अपनी पहचान बनाने अल्फ्रेड नोबेल ने सिंथेटिक रबर, लेदर और आर्टिफीशियल सिल्क के निर्माण में भी प्रयोग किये थे। वर्ष 1896 में जब उनकी मौत हुई तक उनके पास 355 पेटेंट थे।

इसलिये शुरू हुआ नोबेल पुरस्कार, "मौत के सौदागर..." वाली खबर से लगा था सदमा

वर्ष 1888 में एक अखबार में गलती से अल्फ्रेड नोबेल की मौत की खबर छप गई, उस खबर को अल्फ्रेड ने भी पढ़ा। अखबार ने अपनी खबर में लिखा था, 'मौत के सौदागर की मृत्यु, समाचार पत्र ने डायनामाइट के आविष्कार की आलोचना की और उसे हजारों लोगों की मौत का जिम्मेदार ठहराया। इस समाचार को पढ़कर अल्फ्रेड को गहरा सदमा लगा था। तब उन्होंने सोचा कि क्या उनकी मौत के बाद दुनिया उन्हें इसी नाम से पुकारेगी? इसके बाद 27 नवंबर 1895 को उन्होंने एक वसीयत लिखी, जिसमें उन्होंने अपनी संपत्ति का सबसे बड़ा हिस्सा एक ट्रस्ट बनाने के लिए अलग कर दिया था। उनकी इच्छा थी कि इस रकम पर मिलने वाले ब्याज से हर साल उन लोगों को सम्मानित किया जाए जिनका काम मानव जाति के लिए सबसे कल्याणकारी पाया जाए।

नोबेल पुरस्कार की शुरुआत

अल्फ्रेड नोबेल अपनी मौत के बाद दुनिया के लिए अथाह संपत्ति छोड़ गए थे, उनकी इच्छा थी कि उनकी बची हुई संपत्ति (लगभग 31.5 मिलियन स्वीडिश क्रोनर) का सदुपयोग किया जाए और इसके माध्यम से प्रतिवर्ष मानवता का कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाए। अल्फ्रेड की वसीयत और आखिरी इच्छा के अनुसार ही दुनिया के प्रतिष्ठित पुरस्कारों की स्थापना हुई। उनकी वसीयत में जिन संस्थाओं का जिक्र था वो क्षेत्र फिजिक्स, केमिस्ट्री, मेडिसिन या फिजियोलॉजी, लिटरेचर और पीस थे। अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के अनुसार इस पुरस्कार के लिये उन्हें चुना जाए जिन्होंने देशों के बीच रिश्ते सुधारने का काम किया हो या ऐसे काम किये हों जिससे स्थायी सेना का उन्मूलन हुआ हो अथवा कमी आई हो। इसके साथ ही जिससे शांति स्थापित हुई और शांति का प्रसार हुआ हो। नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का चयन नोबेल कमेटी द्वारा किया जाता है। नोबेल पुरस्कार की स्थापना अल्फ्रेड नोबेल की वसीयत के आधार पर 27 नवंबर 1895 को की गई थी। वर्ष 1901 में फिजिक्स, केमिस्ट्री, फिजियोलॉजी या मेडिसिन और लिटरेचर के नोबेल पुरस्कार स्वीडन के स्टॉकहोम में प्रदान किये गये थे, जबकि शांति का नोबेल नॉर्वे के क्रिस्टीनिया (वर्तमान में ओस्लो) में प्रदान किया गया था।

नोबेल फाउंडेशन और नॉर्वेजियन कमेटी

नोबेल फाउंडेशन ही स्वीडिश उद्योगपति और डायनामाइट के आविष्कारक अल्फ्रेड नोबेल की संपत्ति को संभालता है। वर्ष 1900 में नोबेल फाउंडेशन की स्थापना स्वीडन में की गई थी। अल्फ्रेड नोबेल की इच्छा के मुताबिक नॉर्वे की संसद स्टॉर्टिंग द्वारा नियुक्त पांच लोगों की कमेटी (नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी) शांति पुरस्कार देती है। वर्तमान में नोबेल फाउंडेशन के चेयरमैन प्रोफेसर कार्ल हेनरिक हेल्डिन (Carl-Henrik Heldin) हैं। नोबेल पुरस्कार पाने वाले हर व्यक्ति को करीब साढ़े चार करोड़ रुपये की राशि

मिलती है। साथ ही गोल्ड मेडल और प्रशस्ति पत्र भी दिया जाता है। पदक के एक ओर नोबेल पुरस्कारों के जनक अल्फ्रेड नोबेल की छवि, उनके जन्म तथा मृत्यु की तारीख लिखी होती है, वहीं दूसरी ओर यूनानी देवी का चित्र, रॉयल एकेडमी ऑफ साइंस स्टॉकहोम तथा पुरस्कार पाने वाले व्यक्ति की जानकारी होती है। इस साल नोबेल पुरस्कार जीतने वालों को पिछले साल के मुकाबले ज्यादा रकम मिलेगी। हाल के सालों में हर क्षेत्र में पुरस्कार के साथ नब्बे लाख स्वीडिश क्रोनर की राशि दी जाती रही है, लेकिन इस बार एक करोड़ क्रोनर दिए जाएंगे।

पुरस्कारों की श्रेणियां

नोबेल पुरस्कार छह श्रेणियों में दिए जाते हैं। प्रारंभिक तौर पर रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार शुरू हुए थे, लेकिन वर्ष 1968 में इसमें अर्थशास्त्र के नोबेल को भी जोड़ दिया गया। इस प्रकार नोबेल पुरस्कार कुल छह श्रेणियों में दिये जाते हैं।

कब होती है नोबेल पुरस्कारों की घोषणा?

नोबेल विजेताओं के नामों की घोषणा आम तौर पर अक्टूबर में होती है और पुरस्कार अल्फ्रेड नोबेल की बरसी पर 10 दिसंबर को स्टॉकहोम और ओस्लो में दिए जाते हैं। निर्धारित तिथि को ही नामों की घोषणा की जाती है और एक दिन में एक ही क्षेत्र के नामों की घोषणा की जाती है। नोबेल पुरस्कार देने का क्रम भी पूर्व निर्धारित रहता है सबसे पहले फिजियोलॉजी या मेडिसिन के क्षेत्र में उसके बाद फिजिक्स, केमिस्ट्री, लिटरेचर, पीस और अंत में इकोनॉमिक साइंसेज में नोबल पुरस्कार की घोषणा की जाती है। इस साल कोरोना वायरस की वजह से फैली वैश्विक महामारी को देखते हुए पुरस्कार वितरण समारोह बहुत छोटा रहेगा।

इस साल (2020) के पुरस्कार विजेता

- मेडिसिन या फिजियोलॉजी के क्षेत्र में हार्वे जे. अल्टर, माइकल ह्यूटन और चार्ल्स एम. राइस (Harvey J. Alter, Michael Houghton and Charles M. Rice) को प्रदान किया गया है।
- फिजिक्स के क्षेत्र में रोजर पेनरोज, रीनहार्ड गेंजेल और एंड्रिया गेज (Roger Penrose, Reinhard Genzel and Andrea Ghez) को प्रदान किया गया है।
- केमिस्ट्री के क्षेत्र में इमानुएले शारपेंटियर और जेनिफर ए. डुडना (Emmanuelle Charpentier and Jennifer A. Doudna) को प्रदान किया गया है।
- लिटरेचर के क्षेत्र में लुइस ग्लक (Louise Gluck) को प्रदान किया गया है।
- शांति (पीस) के क्षेत्र में वर्ल्ड फूड प्रोग्राम यानी डब्ल्यूएफपी (WFP : World Food Programme) को प्रदान किया गया है।
- इकोनॉमिक साइंसेज के क्षेत्र में पॉल आर. मिलग्रॉम और रॉबर्ट बी. विल्सन (Paul R. Milgrom and Robert B. Wilson) को प्रदान किया गया है।

वर्ष 1901 से 2020 तक नोबेल

नोबेल पुरस्कार जब से प्रारंभ हुये हैं, तब से लेकर 2020 तक 603 बार 962 लोगों या संस्थाओं को यह पुरस्कार प्रदान किये गये हैं। कई बार एक नोबेल पुरस्कार एक से ज्यादा लोगों को दिया गया है, ऐसे में इस संख्या को देखें तो 2020 तक 930 व्यक्तिगत तथा 25 संस्थाओं को यह पुरस्कार प्रदान किये गये हैं। वर्ष 2020 तक नोबेल पुरस्कार के इतिहास में 57 बार यह सम्मान महिलाओं को प्रदान किये गये हैं।

- फिजिक्स के क्षेत्र में अब तक 114 नोबेल प्राइज 216 विजेताओं को दिए गए हैं।
- केमिस्ट्री के क्षेत्र में अब तक 112 नोबेल प्राइज 186 विजेताओं को दिए गए हैं।
- मेडिसिन या फिजियोलॉजी के क्षेत्र में अब तक 111 नोबेल प्राइज 222 विजेताओं को दिए गए हैं।
- लिटरेचर के क्षेत्र में अब तक 113 नोबेल प्राइज 117 विजेताओं को दिए गए हैं।
- शांति (पीस) के क्षेत्र में अब तक 101 नोबेल प्राइज 135 विजेताओं को दिए गए हैं।
- इकोनॉमिक साइंसेज के क्षेत्र में अब तक 52 नोबेल प्राइज 86 विजेताओं को दिए गए हैं।

इन वर्षों में नहीं दिए गए नोबेल

नोबेल फाउंडेशन के अनुसार यदि इस पुरस्कार के लिये कोई भी अतिविशिष्ट कार्य नहीं पाया जाता है तो उस पुरस्कार को अगले वर्ष के लिये रिज़र्व (आरक्षित) कर दिया जाता है। यदि तब भी कोई कार्य उपयुक्त नहीं मिलता तो पुरस्कार की राशि फाउंडेशन के रिस्ट्रेक्टेड फंड में चली जाएगी। इसलिये कई मौके ऐसे भी देखने को मिले हैं, जब इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को प्रदान नहीं किया गया। नोबेल के अबतक के इतिहास में ऐसे 49 मौके हैं। इनमें से ज्यादातर प्रथम विश्व युद्ध (1914-1918) और द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) का समय रहा है।

भौतिकी : 1916, 1931, 1934, 1940, 1941, 1942

रसायन : 1916, 1917, 1919, 1924, 1933, 1940, 1941, 1942

मेडिसिन : 1915, 1916, 1917, 1918, 1921, 1925, 1940, 1941, 1942

साहित्य : 1914, 1918, 1935, 1940, 1941, 1942, 1943

शांति : 1914, 1915, 1916, 1918, 1923, 1924, 1928, 1932, 1939, 1940, 1941, 1942, 1943, 1948, 1955, 1956, 1966, 1967, 1972

सबसे बुजुर्ग और सबसे कम उम्र में नोबेल पुरस्कार विजेता

नोबेल पुरस्कार के इतिहास में सबसे अधिक उम्र में इस सम्मान को अर्जित करने वालों की सूची में जॉन वी. गुडएनफ (John B. Goodenough) का नाम सबसे ऊपर है। वर्ष 1922 में जन्मे जॉन ने वर्ष 2019 में 97 वर्ष की आयु में केमिस्ट्री का नोबेल अपने नाम किया था। इस सूची के अन्य नाम इस प्रकार हैं :

- अर्थर अस्किन (Arthur Ashkin) ने वर्ष 2018 में 96 वर्ष की आयु में फिजिक्स में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- लियोनिड हरविक्ज (Leonid Hurwicz) ने वर्ष 2007 में 90 वर्ष की आयु में इकोनॉमिक साइंसेज में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- 89 वर्ष की उम्र में लॉयड शेपली (Lloyd Shapley) ने वर्ष 2012 में अर्थशास्त्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया था।
- डोरिस लेसिंग (Doris Lessing) ने वर्ष 2007 में 88 वर्ष की आयु में साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- जोसेफ रॉटब्लैट (Joseph Rotblat) ने वर्ष 1995 में 87 वर्ष की आयु में शांति में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- पेटॅन रॉस (Peyton Rous) ने वर्ष 1966 में 87 वर्ष की आयु में फिजियोलॉजी/मेडिसिन में नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।

सबसे कम उम्र में इस सम्मान को हासिल करने वालों की सूची में मलाला युसुफजई (Malala Yousafzai) का नाम शीर्ष पर है। वर्ष 1997 में जन्मी मलाला ने वर्ष 2014 में महज 17 वर्ष की आयु में शांति का नोबेल अपने नाम किया था। इस सूची के अन्य नाम इस प्रकार हैं :

- विलियम लॉरेंस ब्रैग (William Lawrence Bragg) ने वर्ष 1915 में 25 वर्ष की आयु में फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- फ्रेडरिक बैनटिंग (Frederick Banting) ने वर्ष 1923 में 32 वर्ष की आयु में फिजियोलॉजी/मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- फ्रेडरिक जूलियट (Frederic Joliot) ने वर्ष 1935 में 35 वर्ष की आयु में केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- रुडयार्ड किपलिंग (Rudyard Kipling) ने वर्ष 1907 में 41 वर्ष की आयु में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।
- इस्थर डुफ्लो (Esther Duflo) ने वर्ष 2019 में 46 वर्ष की आयु में इकोनॉमिक साइंसेज का नोबेल पुरस्कार प्राप्त किया।

नोबेल पुरस्कार से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- वर्ष 1901 में पहला नोबेल पुरस्कार संयुक्त रूप से जीन हेनरी डुनैंट और फ्रेडरिक पैसी को प्रदान किया गया।
- वर्ष 1991 में नोबेल संस्थान द्वारा रिसर्च फेलो प्रोग्राम की स्थापना की गई।
- वर्ष 2005 में नोबेल पीस सेंटर को प्रारंभ किया गया।
- रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा फिजिक्स, इकोनॉमिक और केमिस्ट्री के नोबेल पुरस्कार विजेताओं का चयन किया जाता है। वहीं कैरोलिंस्का इंस्टीट्यूट चिकित्सा के क्षेत्र में विजेताओं के नाम की घोषणा करता है। स्वीडिश एकेडमी साहित्य के क्षेत्र में तथा नॉर्वे पार्लियामेंट शांति के क्षेत्र में नोबल पुरस्कारों की घोषणा करती है।

- रश्मि रंजन

(लेखिका समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

कॅरियर की राहें

दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी में रोज़गार और स्वरोज़गार के मौके

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

कोविड-19 की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार के द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास के जो अभूतपूर्व कदम उठाये गए हैं, उनसे अब देशभर में दूध उत्पादन एवं दूध प्रसंस्करण उद्योग के तेजी से बढ़ने और इस सेक्टर में कॅरियर के मौके लगातार बढ़ने की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। साथ ही दूध उत्पादों के निर्यात की भी अच्छी संभावनाएं निर्मित हुई हैं।

आत्मनिर्भर भारत अभियान से बढ़ेगी दूध उत्पादकता एवं डेयरी क्षमता

कोविड-19 की चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने आत्मनिर्भर भारत

अभियान घोषित किया है, उसमें किसानों की आय दोगुना करने, पशुपालन उद्योग तथा दूध उत्पादन के प्रोत्साहन पर भी सरकार का फोकस है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के लिए जिस एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा को लॉन्च किया है, उससे पशुपालन के बुनियादी विकास को भारी प्रोत्साहन मिलेगा। इससे भारत में दूध उत्पादन और दूध उत्पादकता बढ़ने तथा डेयरी क्षमता के तेजी से बढ़ने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं।

दूध उत्पादन बढ़ने से बढ़ गए रोज़गार के मौके

यदि हम वर्ष 2020 के बजट पूर्व सर्वे को देखें तो पाते हैं कि देश में गत

पांच वर्षों में पशुधन क्षेत्र 7.9 प्रतिशत तक बढ़ा है। दुनिया में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बना है। देश में दूध का उत्पादन वर्ष 2018-19 में 187.7 मिलियन टन था, जो वर्ष 2017-18 की तुलना में 6.5 प्रतिशत बढ़ा था। प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 394 ग्राम तक पहुंच गयी है। सर्वे के मुताबिक करीब 15.60 मिलियन श्रमिक पशुपालन से जुड़े हैं। इस सर्वे में 2025 तक दूध प्रसंस्करण क्षमता को भी दोगुना करने की बात कही गयी है। यानी देश की दूध प्रसंस्करण क्षमता 53.5 मिलियन टन से बढ़ाकर कुल 108 मिलियन टन करने का लक्ष्य है। स्थिति यह है कि जैसे-जैसे दूध उत्पादन एवं दूध प्रसंस्करण की क्षमता बढ़ती गई है, वैसे-वैसे इस क्षेत्र में कॅरियर के मौके भी बढ़ते गए हैं।

दूध उत्पादन बढ़ने से बढ़ेगी पूरक आय एवं ग्रामीण खुशहाली

किसानों की खुशहाली के लिए खेती के साथ-साथ दूध उत्पादन को पूरक आय का एक महत्वपूर्ण विकल्प बनाया जाना चाहिए। भारतीय परिवेश में दूध उत्पादन और दूध उत्पादकता बढ़ाने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। भारत जैसे देश के लिए जहां 70 फीसदी कृषक पारंपरिक रूप से पशुपालन से जुड़े हुए हैं, वहां दूध क्रांति के नये अध्याय जोडक़र किसानों को मुस्कराहट और दूध उत्पादन के क्षेत्र में रोज़गार का नया अध्याय लिखा जा सकेगा।

डेयरी टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों की बढ़ रही है मांग

डेयरी उद्योग एक बड़ी कार्यशील युवा आबादी के लिए रोज़गार के बेहतर विकल्प के साथ-साथ दूध उत्पादों के बड़े पैमाने पर निर्यात उद्योग की नई भूमिका निभाते हुए भी दिखाई दे रहा है। भारत की कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था में डेयरी उद्योग गतिशील भूमिका निभाने वाले प्रमुख उद्योगों में से एक माना जाता है। डेयरी

टेक्नोलॉजी के अंतर्गत दूध उत्पादन, पशुओं की देखभाल, दूध प्राप्ति और दूध के विभिन्न डेयरी उत्पादों के रूप में परिवर्तन की प्रक्रिया शामिल है। दूध की पौष्टिकता एवं महत्ता को ध्यान में रखकर इसके उत्पादन की गति को तेज करने, आधुनिक एवं परिमार्जित स्वरूप प्रदान करने के लिए डेयरी उद्योग के समक्ष कुछ चुनौतियां भी हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के उद्देश्यों से पारंपरिक तरीकों के स्थान पर अत्याधुनिक उपकरण एवं तकनीक अपनाई जा रही है ताकि दूध की उत्पादकता एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो सके। इतना ही नहीं दूध की खरीद, उत्पादन, रख-रखाव, गुणवत्ता नियंत्रण, शीतल भंडारण, पैकेजिंग, प्रसंस्करण, मार्केटिंग एवं प्रबंधन हेतु डेयरी टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों की सेवाएं ली जा रही हैं, जिसकी वजह से डेयरी टेक्नोलॉजी के डिग्रीधारकों की मांग बहुत बढ़ गई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान और कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड से देश में दूध उत्पादन बढ़ेगा और दूध प्रसंस्करण उद्योग भी बढ़ेगा। इससे देश में जहां एक ओर दूध उत्पादन की पूरक आय से किसानों की आर्थिक खुशहाली बढ़ेगी। वहीं दूसरी ओर डेयरी उद्योग एक बड़ी कार्यशील युवा आबादी के लिए रोज़गार के बेहतर विकल्प के साथ-साथ दूध उत्पादों के निर्यात की अधिक संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

श्वेत क्रांति ने बढ़ाये दूध उत्पादन के विविध क्षेत्रों में कॅरियर के मौके

आजादी के बाद देश में दूध उत्पादन बढ़ाने के विभिन्न प्रयास हुए हैं। खासतौर

से वर्ष 1965 में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की स्थापना हुई, जो देश में डेयरी विकास के क्षेत्र में विश्व का बहुत बड़ा कार्यक्रम माना जाता है। देश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए वर्ष 1970 में ऑपरेशन फ्लड परियोजना आरंभ हुई। इसके तीन उद्देश्य थे। पहला, ग्रामीण आय में सुधार करना। दूसरा, दूध उत्पादन में वृद्धि और तीसरा, ग्राहकों व उत्पादकों के लिए उपयुक्त मूल्य की व्यवस्था करना। इससे हुए लाभ से कई राज्यों में डेयरी विकास परियोजना आरंभ की गई तथा रोज़गार के लाखों अवसर निर्मित हुए। तत्पश्चात दूसरी ऑपरेशन फ्लड परियोजना और तृतीय चरण की ऑपरेशन फ्लड परियोजना से बड़े स्तर पर डेयरी विकास हुआ। ऑपरेशन फ्लड की सफलता ने भारत को विश्व का सर्वाधिक दूध उत्पादकता वाला देश बना दिया। श्वेत क्रांति में दूध प्रसंस्करण और वितरण के बुनियादी ढांचे के विकास की अहम भूमिका रही है। इसके तहत बड़ी संख्या में स्वचलित दूध संग्रहण केंद्र स्थापित किये गए। साथ ही ग्रामीण स्तर पर दूध ठंडा करने के संयंत्र, प्रसंस्करण और पैकेजिंग की स्थापना की गई है। दूध उत्पादन से संबंधित इन विभिन्न क्षेत्रों में कॅरियर के मौके बढ़े हैं।

स्वरोज़गार एवं उद्यमिता से दूध उत्पादन एवं प्रसंस्करण में बढ़ेंगे मौके

निःसंदेह दूध में उद्योग-कारोबार के मद्देनजर कुछ ऐसी विशिष्टताएं हैं, जिसके आधार पर इसे स्थाई आमदनी का पूरक साधन बनाया जा सकता है। स्पष्ट रूप से दूध उत्पादन अन्य कृषि कार्यों की तुलना में आसान है। दूध की खरीद, परिवहन और भंडारण प्रक्रिया आसान है। दूध हर मौसम में हर रोज उत्पादित होता है और खरीदा जाता है। दूध उद्यमिता में प्रवेश संबंधी बाधाएं बहुत कम हैं।

इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन और डेयरी को अहम बनाकर रोज़गार के नये मौके निर्मित किये जा रहे हैं। यद्यपि भारत दुनिया में दूध का सबसे बड़ा उत्पादक है, लेकिन दूध प्रसंस्करण के तकनीकी ज्ञान व दक्षता की कमी के कारण हम दूध का प्रसंस्करण बहुत कम कर पाते हैं। अतएव भविष्य में दूध को उद्यमिता की राह पर आगे बढ़ाने हेतु हमें दूध प्रसंस्करण की नई तकनीक पर जोर देना होगा। विभिन्न प्रशिक्षण और सूचना साहित्य के वितरण द्वारा पशुपालन व दूध उपयोग की उन्नत तकनीकों व नस्लों को पशुपालकों के बीच लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है, जिससे पशुपालन व डेयरी उद्योग से बेहतर उत्पादन और अधिक लाभ कमाया जा सके। गाय-भैंस की नस्ल सुधार से दूध उत्पादन में भारी वृद्धि की जानी होगी। दूध उत्पादन में उद्यमिता एवं स्वरोज़गार को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के लाभ छोटे किसानों तक पहुंचाए जाने से इस क्षेत्र में कॅरियर के मौके और बढ़ेंगे।

दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रम

कुछ समय पहले तक डेयरी टेक्नोलॉजी पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन के पाठ्यक्रम का हिस्सा था, लेकिन अब इसमें विविधता आ चुकी है और ऐसे कई संस्था स्थापित हो चुकी हैं, जो डेयरी टेक्नोलॉजी के अंतर्गत डिप्लोमा,

स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम संचालित कर रही हैं। डेयरी से संबंधित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत डेयरी टेक्नोलॉजी, डेयरी इंजीनियरिंग, डेयरी केमेस्ट्री, डेयरी माइक्रोबायोलॉजी, डेयरी इकोनॉमिक्स, स्टैटिस्टिक्स एंड मैनेजमेंट, डेयरी कैटल ब्रीडिंग एंड प्रोडक्शन, डेयरी कैटल फिजियोलॉजी, डेयरी एक्सटेंशन, डेयरी कैटल न्यूट्रिशन आदि विषयों में शिक्षा एवं प्रशिक्षण दिया जाता है। डेयरी टेक्नोलॉजी में मुख्य रूप से बी.टेक., बी.एससी., एम.टेक., एम.एस.सी. स्तर के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं। जबकि कुछ संस्थानों में डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पीएच.डी. करने की भी सुविधा उपलब्ध है। डेयरी टेक्नोलॉजी के किसी उपयुक्त पाठ्यक्रम को पूरा करके अच्छे रोज़गार की संभावनाओं को मुट्ठियों में लिया जा सकता है।

दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कॅरियर संबंधी जरूरी स्किल्स

दूध उत्पादन तथा डेयरी टेक्नोलॉजी में कॅरियर बनाने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास वैज्ञानिक मनोवृत्ति, कठिन परिश्रम, प्रतिबद्धता की प्रवृत्ति का होना आवश्यक है। पर्याप्त सुविधाओं से दूर क्षेत्रों में भी रहने की उनकी मानसिकता भी होनी चाहिए।

दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी में कॅरियर के मौके

दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी का क्षेत्र एक चुनौतीपूर्ण कॅरियर प्रदान

करता है, जो प्रशिक्षित प्रोफेशनल को भरपूर संभावनाएं प्रदान करता है। इस सेक्टर में स्वरोज़गार और उद्यमिता की अच्छी संभावनाएं हैं। डेयरी टेक्नोलॉजिस्ट के लिए निजी और सार्वजनिक दोनों ही क्षेत्रों में रोज़गार के अच्छे अवसर विद्यमान हैं। डेयरी टेक्नोलॉजी का पाठ्यक्रम करने वालों को डेयरी फर्म, डेयरी को-ऑपरेटिव, दूध उत्पादन प्रक्रिया आदि में रोज़गार मिल जाता है। कई डेयरी टेक्नोलॉजिस्ट अपने स्वतंत्र व्यवसाय जैसे लघु स्तरीय मिल्क प्लांट, क्रीम-आइसक्रीम प्लांट आदि को स्थापित कर सकते हैं और कई कंसल्टेंट के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इस क्षेत्र में शिक्षण, शोध और विकास की भी व्यापक संभावनाएं हैं। चॉकलेट, आइसक्रीम आदि बनाने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां डेयरी टेक्नोलॉजी के विशेषज्ञों को उच्च वेतनमान पर नियुक्ति करती हैं। डेयरी टेक्नोलॉजी से संबंधित पाठ्यक्रम करने के बाद नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड, विभिन्न राज्यों के डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड, कृषि विश्वविद्यालयों के शिक्षण एवं अनुसंधान संगठन, फूड एवं कन्फेक्शनरी इंडस्ट्री तथा राज्यों के डेयरी सहकारी परिसंघों आदि में नियोजित हुआ जा सकता है।

दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी से संबंधित पाठ्यक्रमों में कैसे लें प्रवेश

दूध उत्पादन एवं डेयरी उद्योग से संबंधित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 12वीं कक्षा में पीसीएम, पीसीबी या कृषि विषय होना लाभप्रद होता है। दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी के पाठ्यक्रम देश के विभिन्न डेयरी इंस्टिट्यूशंस में उपलब्ध हैं। इस सेक्टर से संबंधित विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय नियमानुसार प्रवेश परीक्षा आयोजित करते हैं। देश के कुछ डेयरी टेक्नोलॉजी संस्थानों में 12वीं की मेरिट के आधार पर भी प्रवेश दिया जाता है।

जो स्टूडेंट्स दूध उत्पादन एवं डेयरी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में आने की रुचि, योग्यता एवं क्षमता रखते हैं, उनके द्वारा अपनी उपयुक्तता के अनुरूप देश के किसी प्रमुख गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थान का चयन किया जाना चाहिए।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी
(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में प्रतिष्ठित हैं।)

देश के सबसे कामयाब दिव्यांग तैराक हैं मध्यप्रदेश के सतेन्द्र लोहिया

'मैंने अपनी दिक्कतों को अपनी ताकत बना लिया है। मैं या मेरे जैसे अनगिनत दिव्यांगों को सहानुभूति की नहीं, सहयोग और सम्मान की जरूरत है। मुझे मेरे प्रेरकों ने सहयोग दिया और विश्वास जताया तो मैंने मेहनत, लगन, हौंसले और समर्पण से ये साबित किया है कि दिव्यांग भी इस दुनिया में सब कुछ कर सकते हैं।'

ये कहना है भिण्ड जिले के गाता गांव का नाम राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की नजर में लाने वाले अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक तैराक सतेन्द्र सिंह लोहिया का। दोनों पैरों से विकलांग होने पर भी सतेन्द्र ने अपने जज्बे से तैराकी के प्रति खुद को ऐसा समर्पित किया कि उन्हें भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द ने तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक सम्मान-2020 से सम्मानित किया है। यह सम्मान पाने वाले वह देश के पहले दिव्यांग खिलाड़ी बन गए हैं।

सतेन्द्र लोहिया ने अपनी कामयाबी से ग्वालियर चंबल और मध्यप्रदेश का नाम पूरे देश में रोशन किया है। शारीरिक व्याधियों के बावजूद उनकी आसमान सी ऊंची उपलब्धि पर हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सतेन्द्र लोहिया बेहतरीन तैराक हैं। उन्होंने अब तक कई पुरस्कार जीते हैं। उनकी जीवन यात्रा कई लोगों को प्रेरित कर सकती है। कुछ समय पहले ही वे कैटलीन चैनल को तैरकर पार कर गए थे। देश के राष्ट्रपति से सर्वोच्च साहसिक सम्मान एवं प्रधानमंत्री से प्रशंसा तक का यह सफर सतेन्द्र लोहिया ने निरंतर जीवटता और संघर्ष के साथ पूरा किया है।

2019 में कैटलीन चैनल के बर्फीले पानी को पार करने वाले सतेन्द्र के लिए कामयाबी इतनी आसान नहीं थी। वे चंबल के गाता गांव में पैदा हुए। दैवीय विपत्ति बचपन से ही आ गई। जीवन के शुरुआती क्षणों में इस विपदा ने सतेन्द्र के सामने संघर्ष भरा जीवन दिया मगर उनके अंदर की सकारात्मकता उन्हें जीवन जीने का मकसद देती रही। उन्होंने पैरों की कमी के बावजूद खुद को कमतर नहीं माना। वे सामान्य बालकों से कहीं ज्यादा चपलता के साथ भिण्ड की बेसली नदी में तैरते तो पूरा गांव आश्चर्य में पड़ जाता। लोग उन्हें बेसली का लाल पुकारने लगे। सतेन्द्र को यह प्रोत्साहन उनकी मंजिल की तरफ बढ़ाने वाला रहा। वे खुद को साबित करने के लिए निरंतर राह खोजते हुए ग्वालियर के लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय में पैरालंपिक तैराकी के

अंतर्राष्ट्रीय कोच डॉ. व्ही.के. डवास तक पहुंचे। डॉ. डवास ने सतेन्द्र के जज्बे, हिम्मत और अनुशासन से प्रभावित होने के बाद उनमें भविष्य की संभावनाएं देखीं और उन्हें दिव्यांग तैराकों के साथ तैराकी के अंतर्राष्ट्रीय मानकों अनुसार नियमित ट्रेनिंग दी। सतेन्द्र निरंतरता भरी तैराकी व समर्पण के साथ अच्छे तैराक बने। उनकी तैराकी की उपलब्धियों ने उन्हें 2014 में मध्यप्रदेश का सर्वोच्च खेल पुरस्कार विक्रम अवॉर्ड दिलाया। सतेन्द्र कहते हैं कि मैं प्रतिबद्धता से तैरता रहा, क्योंकि समंदर में तिरंगा लहराना मेरा सपना था। सतेन्द्र ने आगे डॉ. डबास के मार्गदर्शन एवं अपने वर्तमान कोच रोहने मोरे के निर्देशन में 10 से 12 डिग्री सेल्सियस वाले इंग्लिश चैनल में उतरने के लिए लगातार अभ्यास किया। उन्होंने बर्फीले पानी में निरंतर तैरकर शारीरिक क्षमताएं बढ़ाईं। सतेन्द्र सिंह लोहिया ने 2018 में मेहनत और समर्पण से इंग्लिश चैनल पार करके देश भर में सुर्खियां बंटोरीं। 18 अगस्त 2019 में उनकी तैराकी ने इतिहास रच दिया। उन्होंने भारत के 4 अन्य दिव्यांग तैराकों के साथ बर्फीली लहरों वाले और खतरनाक शार्क मछलियों से भरपूर कैटलीना चैनल को पार करके पैरालंपिक तैराकी में इतिहास रच दिया। कैटलीना के बर्फीले समंदर को पार करके वे एशिया के पहले और इकलौते दिव्यांग तैराक बने। सतेन्द्र सिंह की इन उपलब्धियों के कारण उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने उन्हें विश्व दिव्यांग दिवस पर सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ी के नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया था। इससे पहले के सफर में भी वे देश दुनिया के कई अवॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में उन्होंने ओलिंपिक स्वीमिंग एनएसडब्ल्यू स्टेट चैम्पियनशिप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। मई 2017 में वे ओपन वाटर सी स्वीमिंग फीट ऑफ 33 किलोमीटर को पार करने में कामयाब रहे थे। मध्यप्रदेश के इंदौर में वर्तमान में वाणिज्यकर विभाग में सेवाएं दे रहे सतेन्द्र सिंह लोहिया के लिए ये सारी सफलताएं महज एक पड़ाव हैं। वे अंतर्राष्ट्रीय तैराक माइकल फेल्प्स को अपना नायक मानते हैं और उन्हीं की तरह भारत का नाम दुनिया भर में रोशन करना चाहते हैं।

- विवेक पाठक
(लेखक, पत्रकार हैं)

कोरोना संक्रमण के बीच ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैंपस के प्रशिक्षणार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

दुनिया भर में कोरोना संक्रमण ने नौकरी, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित कई क्षेत्रों की स्थिति को झकझोर कर रख दिया है। वहीं मध्यप्रदेश शासन के अंतर्गत चल रहे "मध्यप्रदेश स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट" के द्वारा संचालित ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैम्पस (GSP-CC) का योगदान प्रशिक्षणार्थियों के लिए अद्वितीय एवं अविस्मर्णीय रहा।

23 मार्च 2020 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा सम्पूर्ण भारत में जब पूर्णरूप से लॉकडाउन किया गया। उस वक्त GSP-CC के उच्च अधिकारियों द्वारा संस्थान में ऑनलाइन क्लासेस संचालित करने का निर्णय लिया गया एवं 5 अप्रैल से ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैम्पस में संचालित कोर्स एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसीजन इंजीनियरिंग के प्रशिक्षणार्थियों को ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से थ्योरी कक्षायें शुरू कर थ्योरी कोर्स को पूर्ण करवाया गया। लॉकडाउन में यहां के तीन होनहार छात्रों संतोष ठाकुर, सत्यप्रकाश दत्त एवं यासिर आरिफ ने यह साबित कर दिया कि यदि सही दिशा मिले तो साधारण से असाधारण बनने में देर नहीं लगती।

संतोष ने शुरू की खुद की फैक्ट्री

24 वर्षीय संतोष ठाकुर एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग के प्रशिक्षणार्थी

हैं, इन्होंने आईटीआई करने के पश्चात ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैंपस में एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर लॉकडाउन के दौरान ही खुद की प्लास्टिक मोल्डिंग की फैक्ट्री इंदौर में शुरू कर दी और 40000 रुपये के लगभग प्रति माह कमा रहे हैं।

एक दिन में सत्यप्रकाश तैयार कर रहे हैं 300 से ज्यादा पार्ट्स

सत्यप्रकाश दत्त GSP-CC के प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थी हैं, इनका प्लेसमेंट लॉकडाउन के दौरान झलानी इंजीनियर्स मण्डीदीप में हुआ, ये झलानी इंजीनियर्स में स्वतंत्र रूप से सीएनसी टर्निंग मशीन

पर मैन्युफैक्चर का कार्य कर रहे हैं, 300 से ज्यादा पार्ट्स एक दिन में प्रोडक्शन आयशर मोटर्स के लिए कर रहे हैं, इनके अनुसार GSP-CC के सभी मॉड्यूल (Module) इनकी कार्यशैली को बढ़ाने में बड़े मददगार रहे, प्रिसिजन इंजीनियरिंग के सभी मॉड्यूल प्रैक्टिकल आधारित हैं, GSP-CC में इन्होंने मशीनों में इतना प्रैक्टिकल वर्क किया था कि उन्हें झलानी इंजीनियर्स में काम करने में कोई दिक्कत नहीं हुई।

ऑटो कैड के जानकार यासिर ने लॉकडाउन में ज्वॉइन की इंडस्ट्री

यासिर आरिफ GSP-CC के प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थी हैं, इनको ऑटो कैड का बहुत ही अच्छा ज्ञान है। इनका लॉकडाउन के दौरान गोविंदपुरा स्थित प्रख्यात प्रिसिजन इंजीनियरिंग इंडस्ट्री में प्लेसमेंट हो गया, इस इंडस्ट्री में ये बहुत सारे कार्य (Multiple Rolcs) सम्भाल रहे हैं, जैसे डिजाइनिंग, प्रोग्राम्स, क्वालिटी इंस्पेक्शन इत्यादि। यासिर

आरिफ का लॉकडाउन के दौरान 35000/- प्रति माह की सैलरी पर प्लेसमेंट हुआ है।

इसके अलावा ग्लोबल स्किल्स पार्क - सिटी कैम्पस में लॉकडाउन के दौरान ही 48 प्रशिक्षणार्थियों के प्लेसमेंट हुए, जिनमें से 39 प्रशिक्षणार्थी **जय भारत मारुति लिमिटेड** (JBM) में चयनित हुए एवं 8 प्रशिक्षणार्थी **कॉपर स्ट्रिप्स प्राईवेट लिमिटेड** में चयनित हुये।

ग्लोबल स्किल्स पार्क - सिटी कैंपस

ग्लोबल स्किल्स पार्क मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मध्यप्रदेश स्किल्स डेवलपमेंट परियोजना के अंतर्गत संचालित फिनिसिंग इंस्टीट्यूट है, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों को एक वर्ष का कोर्स एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग करवाया जाता जिसका विवरण इस प्रकार है :-

कोर्स का नाम : एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग

अवधि : एक वर्ष (1922 घंटे)

स्थान : ग्लोबल स्किल पार्क-सिटी कैंपस (GSP-CC), आईटीआई गोविंदपुरा कैंपस, भोपाल

कोर्स विवरण - प्रिसिजन इंजीनियरिंग बहु-विषयक अध्ययन और उच्च सटीकता के साथ इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कौशल विकास, डिजाइन के अनुसार उत्पादन एवं मानक के अनुरूप गुणवत्ता तथा उत्पादों का परीक्षण करने का अभ्यास है। यह एक अभ्यास उन्मुख कार्यशाला आधारित कोर्स है, जिसमें अत्याधुनिक सीएनसी मशीनों, लेटेस्ट सॉफ्टवेयर और मेट्रोलॉजी उपकरणों में प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रिसिजन इंजीनियरिंग के एक वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत छः (6) तकनीकी मॉड्यूल शामिल हैं, जो इस प्रकार हैं :

- मॉड्यूल 1 - इंजीनियरिंग ड्राइंग और 3D CAD
- मॉड्यूल 2 - प्रिसिजन मशीनिंग (टर्निंग, मिलिंग, सरफेस ग्राइंडिंग)
- मॉड्यूल 3 - मेट्रोलॉजी और कोआर्डिनेट मेजरिंग मशीन (CMM)
- मॉड्यूल 4 - CNC टर्निंग और CAM
- मॉड्यूल 5 - CNC मिलिंग और CAM
- मॉड्यूल 6 - एडवांस CNC मशीनिंग और EDM वायरकट

इसके अतिरिक्त व्यक्तित्व विकास व कौशल विकास और ऑन द जॉब ट्रेनिंग के मॉड्यूल भी इस पाठ्यक्रम में शामिल हैं।

एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग कोर्स में प्रेक्टिकल और थ्योरी का अनुपात 70:30 है, अर्थात प्रशिक्षणार्थी को 70 प्रतिशत मशीनों में प्रैक्टिकल वर्क करना होगा एवं 30 प्रतिशत थ्योरी क्लास होगी साथ ही प्रेक्टिकल क्लास में 2 प्रशिक्षणार्थियों के बीच में 1 CNC मशीन पर वर्क कराया जाता है और कन्वेंशनल मशीन पर 1 मशीन पर एक ही प्रशिक्षणार्थी प्रैक्टिस करेगा।

जीएसपी-सीसी की मुख्य विशेषताएं

- प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम डिज़ाइन और अन्तर्राष्ट्रीय सर्टिफिकेट के लिए ITEES सिंगापुर के साथ संबद्धता
- इस कोर्स को 6 मॉड्यूल में बांटा गया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर की मशीनों एवं उपकरणों से सुसज्जित कार्यशालाएं इस प्रकार हैं :-

1. एडवांस CAD और CAM लैब
2. कन्वेंशनल मिलिंग, टर्निंग और ग्राइंडिंग मशीन DRO के साथ।
3. मेट्रोलाजी उपकरण : जिसमें प्रोफाइल प्रोजेक्टर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपिक प्रोजेक्टर, राउंडनेस टेस्टर, को-ऑर्डिनेट मेजरमेंट मशीन (CMM) और सभी मेजरिंग इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं।
4. CNC टर्निंग, CNC मिलिंग मशीन, टर्न-मिल सेंटर और एडवांस CAM लैब।
5. मल्टी एक्सिस मशीन (5-एक्सिस CNC और 4-एक्सिस CNC) (DMG मोरी, जर्मनी)
6. CNC, EDM वायर कट (सबमर्ज्ड और फ्लश्ड) एवं स्मार्ट EDM ड्रिल मशीन

- प्रशिक्षणार्थियों के लिए 5 हफ्ते का इंटर्नशिप (इंडस्ट्री अटैचमेंट)
- पर्सनालिटी डेवलपमेंट के लिये सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्लेसमेंट के अवसर।

रोज़गार के अवसर

- कोर्स कम्प्लीट करने के पश्चात प्रशिक्षणार्थी CNC प्रोग्रामिंग तथा CAD/CAM में टेक्निकल एक्सपर्ट होंगे।
- प्रशिक्षणार्थी 3D प्रोफाइल प्रोग्राम, फानुक/सीमेंस/मित्सुबिशी कंट्रोलर पर विशेषज्ञता प्राप्त करेंगे।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, बायोमेडिकल, हेवी इंजीनियरिंग, कैपिटल गुड्स, डिफेंस, टूलरूम, मेन्युफैक्चरिंग उद्योगों में कार्य करने के अवसर प्राप्त करेंगे।

प्रवेश हेतु पात्रता

- आईटीआई (टर्नर/फिटर/मशीनिस्ट/मैकेनिक मशीनिस्ट टूल मेंटीनेंस/मशीनिस्ट ग्राइंडिंग)
- डिप्लोमा या B.E./B. Tech (मेकेनिकल/इंडस्ट्रियल/प्रोडक्शन)

एडवांस सर्टिफिकेट इन प्रिसिजन इंजीनियरिंग में प्रवेश आईटीआई, डिप्लोमा या B.E./B.Tech में प्राप्तांक आधार पर मेरिट अनुसार दिया जावेगा।

कोर्स में प्रवेश हेतु 120 सीटों के लिए ऑनलाइन फॉर्म अक्टूबर माह के द्वितीय सप्ताह से भरे जायेंगे, जिसकी सम्पूर्ण जानकारी समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से एवं संस्था की वेबसाइट www.globalskillspark.gov.in अथवा www.globalskillspark.org या फिर संस्था के फोन नंबर 0755-2925649 पर उपलब्ध होगी।

लॉकडाउन के पश्चात तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार 21 सितम्बर से ग्लोबल स्किल्स पार्क सिटी कैंपस गोविन्दपुरा में प्रशिक्षण गतिविधियों का पुनः प्रारंभ किया जा चुका है एवं DGT एडवाइजरी द्वारा जारी SoP का पूर्ण रूप से पालन किया जा रहा है, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रॉपर सेनेटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क और आरोग्य सेतु एप शामिल हैं। 21 सितम्बर से शुरू होने वाले प्रशिक्षण में प्रथम बैच एवं द्वितीय बैच दोनों के प्रशिक्षणार्थियों की प्रशिक्षण गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं, क्योंकि लॉकडाउन के दौरान ही ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से थ्योरी पोर्शन कम्प्लीट करवा दिया गया था, शेष प्रैक्टिकल क्लासेस प्रथम बैच एवं द्वितीय बैच दोनों की 21 सितम्बर से शुरू हो गई हैं, जिसके पश्चात प्रथम बैच के प्रशिक्षणार्थी जनवरी 2021 में अपना एक वर्षीय सर्टिफिकेशन कोर्स पूर्ण कर लेंगे एवं साथ ही तृतीय बैच के एडमिशन प्रक्रिया पूर्ण कर जनवरी 2021 से प्रशिक्षण प्रारम्भ कर दिया जावेगा।

उत्तर कोरिया

75वीं वर्षगांठ पर किया शक्ति प्रदर्शन

उत्तर कोरिया में सत्ताधारी पार्टी की 75वीं वर्षगांठ पर

भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुछ अत्याधुनिक हथियारों का पहली बार प्रदर्शन किया गया। इन्हें देखकर दुनिया के बाकी देशों ने उत्तर कोरिया की शक्ति का अंदाजा लगाया। इस मौके पर तानाशाह किम जोंग उन ने जनता को संबोधित किया और कहा कि वह देश को आगे ले जाने के लिये काम करते रहेंगे।

विकाश युमनाम

दुनिया के 60 युवा फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल

युवा फुटबॉल खिलाड़ी विकाश युमनाम गार्जियन की

अगली पीढ़ी की सूची में शामिल होने वाले पहले और इकलौते भारतीय हैं। 2020 की इस सूची में दुनिया के 60 युवा प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी शामिल हैं। 17 वर्षीय मणिपुर के डिफेंडर युमनाम इंडियन एरोज के लिये खेल चुके हैं।

अमेरिका में

कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले दो लाख अमेरिकन की याद में खाली रखी कुर्सियां

व्हाइट हाउस के पास इलिप्स लॉन में कोरोना संक्रमण से

जान गंवाने वाले दो लाख से ज्यादा अमेरिकन की याद में 20 हजार खाली कुर्सियां रखी गईं। हर एक कुर्सी 10 लोगों की याद में रखी गई थी। इस आयोजन में मृतकों के परिजन शामिल हुये थे। कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल होने वाले थे, परन्तु कोरोना पॉजिटिव होने के बाद वे इवेंट में शामिल नहीं हो सके। ज्ञात रहे कि अमेरिका में 74 लाख से ज्यादा कोरोना केस सामने आ चुके हैं।

रोमियो कॉक्स

दादी से मिलने 2800 किलोमीटर चल कर इंग्लैंड पहुंचा

10 वर्षीय रोमियो कॉक्स अपनी दादी से मिलने 2800

किलोमीटर चल कर इंग्लैंड पहुंचा। वो लॉकडाउन में 20 जून को इटली से निकल पड़ा था। तीन महीने से ज्यादा की यात्रा में उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वह स्विट्जरलैंड और फ्रांस होता हुआ इंग्लैंड पहुंचा। रोमियो के पिता ब्रिटेन से हैं, लेकिन किसी कार्यवश इटली गये थे रोमियो भी साथ में था, तभी लॉकडाउन लग गया था।

कनाडा में

पकड़ी गई 1600 किलो वजनी और 17 फीट लंबी शार्क

कनाडा में वैज्ञानिकों ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में 17 फीट 2 इंच लंबी और 1606 किलो वजनी ग्रेड

व्हाइट शार्क को पकड़ा है। वैज्ञानिकों ने शार्क की लंबाई और वजन मापने के बाद उस पर टैग लगाकर समुद्र में छोड़ दिया। टैग की मदद से इस शार्क की गतिविधियों को वैज्ञानिक ट्रैक करेंगे। इस शांत स्वभाव की शार्क को नुकुमी नाम दिया गया है। इसकी उम्र वैज्ञानिकों के अनुसार 50 साल के आसपास है।

दिनेश कुमार खारा

भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन बने

सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक के सबसे सीनियर एमडी

दिनेश कुमार खारा को बैंक का चेयरमैन नियुक्त किया है। उनका तीन साल का कार्यकाल रहेगा। वे रजनीश कुमार का स्थान लेंगे। गौरतलब है कि बैंक के बोर्ड ब्यूरो ने खारा के नाम की सिफारिश एसबीआई के अगले चेयरमैन के लिये की थी।

शेखर कपूर

एफटीआईआई सोसायटी के अध्यक्ष बने

फिल्म निर्देशक शेखर कपूर को फिल्म एंड टेलीविजन

इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) सोसायटी का अध्यक्ष और एफटीआईआई गवर्निंग काउंसिल का चेयरमैन बनाया गया है। शेखर कपूर की मासूम, बैंडिट क्वीन और मिस्टर इंडिया जैसी कई सफल फिल्में रही हैं।

अमेजन ने

पेमेंट की नई तकनीक शुरू की

अमेजन ने पेमेंट की नई तकनीक शुरू की है। इसमें लोग

अपनी हथेलियां दिखाकर स्टोर से खरीददारी का पेमेंट कर सकेंगे। अमेजन वन नामक यह टेक्नोलॉजी व्यक्ति के हाथ की स्कैनिंग से उसका खास सिग्नेचर तैयार करेगी। इसके बाद पेमेंट के लिये क्रेडिट या डेबिट कार्ड की जरूरत नहीं होगी।

यमुना मेनन

बेंगलुरु के नेशनल लॉ स्कूल में 48 में से 18 गोल्ड जीते

नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी

(एनएलएसआईयू) के वर्चुअल दीक्षांत समारोह में केरल की 24 वर्षीय यमुना मेनन को 48 में से 18 गोल्ड मेडल मिले। यूनिवर्सिटी के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। यमुना एर्नाकुलम के गरीब परिवार से हैं। यमुना बीएएलएलबी (ऑनर्स) की छात्रा हैं। उन्होंने क्लैट-2015 में 28वीं रैंक लाकर यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था।

ब्रिटेन

मंदिर से लूटी प्रतिमा को इराक को लौटाएगा

ब्रिटेन 4000 साल पुरानी लूटी गई मूर्ति इराक

को वापस करेगा। ब्रिटिश म्यूजियम के अधिकारियों ने कहा कि एक ऑनलाइन सेल्स प्लेटफॉर्म ने पिछले साल मई में इसे बिक्री के लिये रखा था। तब लंदन पुलिस ने म्यूजियम एक्सपर्ट को बुलाकर इसे जांचा था। यह प्राचीन सुमेरियन मंदिर का हिस्सा है। इस मंदिर में 19-20वीं सदी और खाड़ी युद्ध के दौरान 1990 में भी लूटपाट हुई थी।

बार्बी ने

मानसी जोशी को समर्पित डॉल लॉन्च की

मशहूर डॉल कंपनी बार्बी ने भारतीय पैरा बैडमिंटन

प्लेयर मानसी जोशी को समर्पित बार्बी डॉल लॉन्च की है। बार्बी इससे पहले दीपा करमाकर के लिये भी बार्बी डॉल बना चुकी है। अपने जैसी डॉल बनाने पर मानसी ने बार्बी प्रबंधन को धन्यवाद करते हुये एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा कि धन्यवाद बार्बी, यह अविश्वसनीय है कि मेरे पास मेरे जैसी दिखने वाली बार्बी डॉल है।

अल्फ्रेड 'अल' ब्लाश्के

स्काई डायविंग कर 103 वर्षीय शख्स ने बनाया रिकॉर्ड

अमेरिका के अल्फ्रेड 'अल' ब्लाश्के ने 103 वर्ष 181

दिन की आयु में 14,000 फीट की ऊंचाई से छलांग लगाकर 'ओल्डेस्ट टैंडम पैराशूट' जंप (पुरुष) का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया है। दरअसल ब्लाश्के ने अपने जुड़वा पोते की ग्रेजुएशन सेरेमनी पर यह करके तोहफा दिया। इससे पहले उन्होंने अपने 100वें जन्मदिन पर स्काई डाइव की थी।

जे. वेंकटरामू

भारतीय डाक पेमेंट बैंक के सीईओ बने

जे. वेंकटरामू को भारतीय डाक भुगतान बैंक का एमडी

और सीईओ नियुक्त किया गया है। कार्मिक मंत्रालय के आदेश में यह जानकारी दी गई है। वह फिलहाल इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक में मुख्य डिजिटल अधिकारी हैं। वेंकटरामू को 3 साल के लिये आईपीपीबी में इन पदों पर नियुक्ति दी गई है।

एम. राजेश्वर राव

रिज़र्व बैंक के डिप्टी गवर्नर नियुक्त

सरकार ने आरबीआई के वरिष्ठतम कार्यकारी निदेशक

एम. राजेश्वर राव को केंद्रीय बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी की है, इसमें कहा गया है कि नियुक्ति मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने एम. राजेश्वर राव को रिज़र्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। राव की नियुक्ति एन.एस. विश्वनाथन के पद छोड़ने के बाद खाली हुये पद पर की गई है।

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर

तीन घंटे में पहुंचे 3 अंतरिक्ष यात्री

पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर

तीन अंतरिक्ष यात्री सिर्फ 3 घंटे में ही पहुंच गये। इनमें नासा की केट रुबिन्स, रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस के सर्जे कुद-स्वर्चकोव और सर्जे रीझिकोव शामिल हैं। उन्होंने कज़ाकिस्तान के बायकोनुर प्रक्षेपण केन्द्र से उड़ान भरी थी। तीनों यात्री आईएसएस पर 6 माह गुजारेंगे।

हरीश कोटेचा

भारतवंशी समाजसेवी को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार

भारतवंशी अमेरिकी नागरिक और समाजसेवी हरीश कोटेचा

को वाशिंगटन में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भारतीय मूल के समाजसेवी हरीश को वंचित वर्च्यों और युवाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिये सैंड्रा नीस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया गया है। हरीश गरीब वर्च्यों के लिये पढ़ाई लिखाई में मदद के साथ उनके पुनर्वास की व्यवस्था भी करते हैं।

याहू ग्रुप्स

15 दिसम्बर से बंद हो जायेगा

पिछले कई वर्षों से उपयोग में लगातार गिरावट का

सामना कर रहे याहू ने 15 दिसम्बर से याहू ग्रुप्स को बंद करने का फैसला किया है। 2017 में याहू को खरीदने वाली वेरिजोन ने इसकी घोषणा की है। याहू वेब पर अपने समय का सबसे बड़ा मैसेज बोर्ड सिस्टम रहा है जो अब अपना सफर इस साल के अंत में खत्म करने जा रहा है।

स्मृति शेष

नागालैंड के पर्यावरण मंत्री का निधन

नागालैंड के पर्यावरण मंत्री सीएम चांग का 78 साल

की उम्र में निधन हो गया। चांग पर्यावरण मंत्री के साथ-साथ वन और जलवायु परिवर्तन और कानून मंत्री का पदभार भी संभाल रहे थे। राजनीति में आने से पहले वो आईएएस अधिकारी भी रह चुके थे।

अफगानिस्तान के बल्लेबाज नजीब का अल्पायु में निधन

अफगानिस्तान के क्रिकेटर और टॉप ऑर्डर

बल्लेबाज नजीब ताराकाई की 29 साल की उम्र में मृत्यु हो गई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि उनका निधन रोड एक्सीडेंट से हुआ है। नजीब ने 12 टी-20 और एक वन-डे इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने टी-20 में 258 रन बनाये जबकि एकमात्र वन-डे में पांच रन बनाये थे।

गिटारिस्ट एडी वैन हेलन का निधन

फेमस गिटारिस्ट एडी वैन हेलन का 65 वर्ष की आयु

में कैंसर की बीमारी से निधन हो गया। एडी का नाम 100 महान गिटारिस्टों की सूची में शामिल था। उन्होंने 1970 में अपने भाई के साथ रॉक ग्रुप की शुरुआत की थी। इसके बाद से उन्हें काफी लोकप्रियता हासिल हुई।

केरल उच्च न्यायालय की पहली महिला चीफ जस्टिस उषा का निधन

केरल उच्च न्यायालय की पहली महिला चीफ

जस्टिस (सेवानिवृत्त) 81 वर्षीय के. उषा का हृदयाघात से निधन हो गया। उन्होंने वर्ष 1961 में अधिवक्ता के रूप में वकालत आरंभ की थी, 1979 में उच्च न्यायालय में सरकारी प्लीडर नियुक्त की गईं। 1991 से 2000 के बीच वह न्यायाधीश रहीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मसूद का निधन

पूर्व केंद्रीय मंत्री काजी रशीद मसूद का 73 वर्ष की

उम्र में कोरोना से निधन हो गया। वे लोकसभा और राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। 1989 में जनता दल से सांसद बने मसूद केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री भी रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गुगल से साभार)

मंजिल हासिल करना हो तो स्वयं को अनुशासन में रखें – महात्मा गांधी

MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (सीपना एवं संचालन) अधिनियम 2007 के अंतर्गत म.प्र. विधानसभा के एक्ट नं. 4 ऑफ 2018 द्वारा स्थापित

फेकल्टी ऑफ लॉ

प्रवेश सूचना

''12वीं परीक्षा पास ऐसे छात्र/छात्राऐं जो सक्षम वकील बनना चाहते हैं विशेष ध्यान देवें''

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	एल.एल.बी	तीन वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	स्नातक
2.	बी.ए.एल.एल.बी (ऑनर्स)	पाँच वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12th पास
3.	एल.एल.एम	दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	एल.एल.बी

- उपरोक्त सभी कोर्स के SC/ST/OBC के पात्र छात्र/छात्राओं हेतु म.प्र. शासन द्वारा शिक्षण शुल्क की राशि की आंशिक/पूर्ण पूर्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की जाती है।

न्यूनतम फीस — बेस्ट फेकल्टी

- न्यूनतम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 20 वर्षों से संकल्पित मानसरोवर समूह म.प्र.

सम्पर्क

सिटी ऑफिस:– मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी. पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

मो. 7611186333, 8989080809

R-44545/2020

Shreeram

MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

फैकल्टी ऑफ पैरामेडिकल साइन्सेस

प्रवेश सूचना

(सत्र 2019–20 से प्रारंभ होने वाले प्रस्तावित पाठ्यक्रम हेतु)

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	बीपीटी (बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी)	4½ वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप) 50% SC/SC/OBC 45%
	बी.एम.एल.टी. (बैचलर इन मेडिकल लेब टेक्निशियन)	03 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	
	बी.एक्स.आर.आर.टी (बैचलर ऑफ एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन)	03 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	
	बैचलरर इन ऑप्टोमेट्री	03 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	
	बी. योगा (बैचलर ऑफ योगा)	03 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12th पास किसी भी संकाय में
2.	डी.एम.एल.टी (डिप्लोमा इन लेब टेक्निशियन)		
	डिप्लोमा इन नैचरोपेथी डिप्लोमा इन डेण्टल मैकेनिक्स डिप्लोमा इन डेण्टल हाइजीन डिप्लोमा इन एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन	02 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डिप्लोमा इन योगा	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	
	डी फार्मा इन आयुर्वेद	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	
	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योगा	01 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	स्नातक
3.	डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्रिक रिफ्रेक्शन	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्रिस्ट कान्टेक्ट लेन्स	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	डिप्लोमा इन सेनेट्री इन्सपेक्टर	01 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
4.	सर्टिफिकेट इन स्पीच थैरेपी	01 वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	सर्टिफिकेट इन ऑडियोलॉजिस्ट	01 वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	सर्टिफिकेट इन ऑपरेशन थियेटर टेक्निशिन	01 वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	सर्टिफिकेट इन मेडिकल ट्रेसिंग	01 वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)
	सर्टिफिकेट इन पंचकर्मा टेक्निशियन	01 वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम	12th पास (बायो ग्रुप)

- उपरोक्त सभी कोर्स के SC/ST/OBC के पात्र छात्र/छात्राओं हेतु म.प्र. शासन द्वारा शिक्षाग शुल्क की राशि की आंशिक/पूर्ण पूर्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की जाती है।

न्यूनतम फीस • न्यूनतम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 20 वर्षों से संकल्पित मानसरोवर समूह म.प्र. बेस्ट फेकल्टी

सम्पर्क: सिटी ऑफिस:– मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी. पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

मो. 9111666100

R-44546/2020

Shreeram

MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2007 के अंतर्गत म.प्र. विधान सभा के एक्ट नं. 4 ऑफ 2018 द्वारा स्थापित

फेकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर

प्रवेश सूचना

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	डिप्लोमा इन (एग्रीकल्चर)	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	दसवीं (10वीं) पास 50% अंकों के साथ SC/ST/OBC 45% अंकों के साथ
2.	बी.एस.सी. (एग्रीकल्चर)	04 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	बारहवीं पास 10+2 बायो समूह/गणित समूह/एग्रीकल्चर
3.	एम.एस.सी. (एग्रीकल्चर)	02 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	बी.एस.सी. एग्रीकल्चर
4.	पी.एच.डी.	–	एम.एस.सी. एग्रीकल्चर

- न्यूनतम फीस, बेस्ट फेकल्टी एवं सुविधाएँ।

नोट:– SC/ST/ के पात्र/छात्राओं को शासन के नियमानुसार फीस की 100 प्रतिशत राशि की प्रतिपूर्ति छात्र वृत्ति से म.प्र. शासन द्वारा एवं OBC वर्ग के पात्र छात्र/छात्राओं को शासन के नियमानुसार रू– 14,000/– प्रतिवर्ष की प्रतिपूर्ति म.प्र. शासन द्वारा।

सम्पर्क: सिटी ऑफिस:– मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी. पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

सम्पर्क: मो. 7611186333, 8989080809

R-44547/2020

Shreeram

MANSAROVAR GLOBAL UNIVERSITY

मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय

मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2007 के अंतर्गत म.प्र. विधान सभा के एक्ट नं. 4 ऑफ 2018 द्वारा स्थापित

फेकल्टी ऑफ फार्मेसी

प्रवेश सूचना

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि	पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पात्रता
1.	डिप्लोमा इन फार्मेसी	02 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम	12वीं पास (पी.सी.एम./ पी.सी.बी.)
2.	बी. फार्मा	04 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम	12वीं पास (पी.सी.एम./ पी.सी.बी.)
3.	पी.एच.डी.	–	एम. फार्मा 55%

- उपरोक्त सभी कोर्स के SC/ST/OBC के पात्र/छात्राओं हेतु म.प्र. शासन द्वारा शिक्षण शुल्क की राशि की आंशिक/पूर्ण पूर्ति एवं छात्रवृत्ति भुगतान की जाती है।

न्यूनतम फीस • न्यूनतम फीस में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 20 वर्षों से संकल्पित मानसरोवार समूह म.प्र. बेस्ट फेकल्टी बेस्ट प्लेसमेंट

सम्पर्क: सिटी ऑफिस:– मानसरोवर कैम्पस, बीमा कुंज के सामने, एच.पी. पेट्रोल पम्प के पास, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

सम्पर्क: मो. 7611186333, 8989080809

R-44548/2020

Shreeram

SANSKAR COLLEGE

Affiliated to DAVV & Recognized by Govt of M.P.

Running M. Com, M.S.W., B.J.M.C.,BBA, BCA, B.Com, B.A. (Hons), B.Sc. (CS).

PRINCIPAL : VACANCIES

PROFESSOR : Commerce / Computer / Management

ASST. PROFESSOR : Commerce, Computer, Management, Physics, Maths, English, Hindi, Social work, Mass Commu.

and Clerk, Librarian, Sports Officer, Lab Asst., Accountant, Peons.

Qualification and pay scale as per state Govt. and UGC Norms.

Apply within 15 days to the Director

Office : 500 / 1 Dhar Road, Opp. Ramkrishna Bagh, Indore 452002 (M.P.) Ph.: 0731 - 4029775, 7400740067

E.Mail : principalofsanskar@gmail.com

Mehta

R-44549/2020

रबी सीजन में खाद–बीज की कमी नहीं आने देंगे

भोपाल, किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि किसानों को रबी की फसलों के लिये खाद-बीज की कमी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने बताया कि रबी के लिये अब तक 2.49 लाख मीट्रिक टन यूरिया भारत सरकार से प्राप्त हो चुका है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से 0.33 लाख मीट्रिक टन और अन्य माध्यमों से 0.57 लाख मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया जा चुका है।

श्री पटेल ने बताया कि किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के भी पर्याप्त प्रबंध किये गये हैं। सभी जिलों को बेहतर वितरण प्रबंधन के निर्देश दिये गये हैं।

मेयो कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड, भोपाल–462030
Tel. No. 9425010770, 9425605962

म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त, म.प्र. मेडिकल साईंस विश्वविद्यालय, जबलपुर से मान्यता प्राप्त, एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारंभ सत्र 2020-21

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	बैचलर इन फिजियोथेरेपी (बी.पी.टी.) 6 माह इंटर्नशिप	4 वर्ष

योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा।

संचालक

R-44550/2020

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

तेलंगाना राज्य का सामान्य भूगोल

1. **तेलंगाना राज्य का पुनर्गठन कब हुआ?**
(अ) 2 जून 2014
(ब) 25 दिसम्बर 2001
(स) 01 नवम्बर 2012
(द) 01 नवम्बर 2014

2. **तेलंगाना राज्य की सीमा किस राज्य से सबसे कम स्पर्श होती है?**
(अ) कर्नाटक (ब) आंध्रप्रदेश
(स) छत्तीसगढ़ (द) महाराष्ट्र

3. **प्रारंभ में तेलंगाना किस शासक की रियासत का हिस्सा था?**
(अ) अवध
(ब) जूनागढ़
(स) बंगाल
(द) हैदराबाद के निजाम

4. **सर्वप्रथम अलग तेलंगाना राज्य के लिए किसने मुहिम प्रारंभ की थी?**
(अ) वासुपन्थया
(ब) मर्री चेन्ना रेड्डी
(स) के. चंद्रशेखर राव
(द) इनमें से कोई नहीं

5. **हैदराबाद शहर किस नदी के किनारे बसा हुआ है?**
(अ) कावेरी नदी(ब) वैंगई नदी
(स) मूसी नदी (द) चित्तर नदी

6. **मूसी नदी किस नदी की सहायक है?**
(अ) कावेरी नदी
(ब) गोदावरी नदी
(स) कृष्णा नदी
(द) इनमें से कोई नहीं

7. **निम्न में से कौन-सा राष्ट्रीय उद्यान तेलंगाना में नहीं है?**
(अ) कासू ब्रम्हानन्द रेड्डी राष्ट्रीय उद्यान
(ब) महावीर हरिना वनस्थली राष्ट्रीय उद्यान
(स) मृगवाणी राष्ट्रीय उद्यान
(द) विशन राष्ट्रीय उद्यान

8. **तेलंगाना की राजभाषा निम्न में से कौन-सी हैं?**
(अ) तेलुगु, उर्दू
(ब) अंग्रेजी, फारसी
(स) हिन्दी, मराठी
(द) तमिल, तेलुगु

9. **तेलंगाना शब्द का अर्थ क्या है?**
(अ) तेलुगु भाषियों की भूमि
(ब) ईश्वर भूमि
(स) कृषि की भूमि
(द) लगान क्षेत्र

10. **वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार तेलंगाना का भारत में जनसंख्या के आधार पर कौन-सा स्थान है?**
(अ) 12वां (ब) 15वां
(स) 7वां (द) 5वां

11. **वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार तेलंगाना में लिंगानुपात है?**
(अ) 899 (ब) 988
(स) 1010 (द) 880

12. **तेलंगाना का प्रमुख जलप्रपात है?**
(अ) कुंतला जलप्रपात
(ब) झरनेश्वर जलप्रपात
(स) चचाई जलप्रपात
(द) इनमें से कोई नहीं

13. **तेलंगाना का सबसे ऊंचा शिखर है?**
(अ) डोली गुत्ता
(ब) पावागढ़
(स) पारसनाथ
(द) कलसुबाई

14. **श्रीशैलम बांध किस नदी पर बना हुआ है?**
(अ) गोदावरी नदी
(ब) कृष्णा नदी
(स) कावेरी नदी
(द) भीमा नदी

15. **कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट कहां स्थित है?**
(अ) सिकंदराबाद
(ब) श्रीशैलम
(स) विजयनगर
(द) नागपुर

16. **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी कहां स्थित है?**
(अ) सिकंदराबाद
(ब) हैदराबाद
(स) विशाखापट्टनम
(द) चेन्नई

17. **राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान कहां स्थित है?**
(अ) हैदराबाद (ब) चेन्नई
(स) नेल्लोर (द) जोरहट

18. **राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान कहां स्थित है?**
(अ) हैदराबाद (ब) सिकंदराबाद
(स) नलगोंडा (द) करीमनगर

19. **कौन-सा शहर तेलंगाना राज्य में स्थित नहीं है?**
(अ) निजामाबाद (ब) करीमनगर
(स) रामागुंडम (द) विजयवाड़ा

20. **कौन-सी जनजाति तेलंगाना राज्य में पाई जाती हैं?**
(अ) थोती जनजाति
(ब) बैगा जनजाति
(स) भोटिया जनजाति
(द) संथाल

21. **तेलंगाना राज्य की प्रमुख फसल है?**
(अ) कपास
(ब) चावल
(स) सोयाबीन
(द) इनमें से कोई नहीं

22. **निम्नलिखित में से किसका सही मेल 'बाघ आरक्षित क्षेत्र परियोजना' के साथ नहीं बैठता है?**
(अ) पेंच-गढ़वाल
(ब) नागार्जुन सागर-श्रीशैलम
(स) सरिस्का-अलवर
(द) वाल्मीकि-पश्चिमी चंपारण

23. **निम्न में से कौन-सी टविन सिटी नहीं है?**
(अ) हैदराबाद-सिकंदराबाद
(ब) दुर्गापुर-आसनसोल
(स) कलकत्ता-हावड़ा
(द) दिल्ली-नई दिल्ली

24. **राष्ट्रीय राज मार्ग वाराणसी से कन्याकुमारी तेलंगाना के किस शहर से होकर नहीं गुजरता है?**
(अ) निजामाबाद (ब) मेहबूब नगर
(स) अदिलाबाद (द) वारंगल

25. **भारत में प्राकृतिक यूरेनियम के भण्डार में तुम्माल्पल्ले खान में पाए जाते हैं, यह किस राज्य में स्थित है?**
(अ) तेलंगाना (ब) आंध्रप्रदेश
(स) केरल (द) ओडिशा

26. **दोमाकोंडा का किला कहां स्थित है?**
(अ) निजामाबाद (ब) हैदराबाद
(स) मेदक (द) वारंगल

27. **पाखल एवं रामप्पा झील किस शहर में स्थित है?**
(अ) हैदराबाद (ब) वारंगल
(स) कोयम्बटूर (द) निजामाबाद

28. **देवराकोंडा, भोगीर एवं राचकोंडा किला किस शहर में स्थित है?**
(अ) नलगोंडा (ब) वारंगल
(स) हैदराबाद (द) निजामाबाद

29. **गोलकुंडा फोर्ट किस राज्य में स्थित है?**
(अ) कर्नाटक (ब) तेलंगाना
(स) तमिलनाडु (द) महाराष्ट्र

30. **बांधों और उन नदियों के मेल को व्यवस्थित कीजिए जिन पर वे बनाए गए हैं?**

	बांध		नदी
1.	गांधी सागर	अ.	भागीरथी
2.	जयकवाड़ी	ब.	कृष्णा
3.	नागार्जुन	स.	गोदावरी
4.	टिहरी	द.	चम्बल

	1	2	3	4
(अ)	स	ब	द	अ
(ब)	ब	द	स	अ
(स)	द	स	अ	ब
(द)	द	स	ब	अ

31. **तेलंगाना का नलगोंडा जिला किस खनिज पदार्थ के लिए प्रसिद्ध है?**
(अ) चूना पत्थर (ब) लौह अयस्क
(स) कोयला (द) पेट्रोल

32. **किस राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2020 को 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है?**
(अ) तेलंगाना (ब) आंध्रप्रदेश
(स) केरल (द) ओडिशा

33. **तेलंगाना का कौन-सा नगर कागज उद्योग के लिए प्रसिद्ध है?**
(अ) सिरपुर (ब) वेलमपल्ले
(स) मेदक (द) वारंगल

34. **निम्न में से किस राजवंश ने तेलंगाना पर शासन किया?**
(अ) चेरा (ब) पाला
(स) काकतीय (द) सेना

35. **भद्रकाली झील किस जिले में स्थित है?**
(अ) नलगोंडा (ब) वारंगल
(स) हैदराबाद (द) निजामाबाद

36. **तेलंगाना राज्य का राजकीय खेल है?**
(अ) क्रिकेट (ब) कबड्डी
(स) मलखम्ब (द) हॉकी

37. **हैदराबाद को भारत में मिलाने के लिये किये गये सैन्य अभियान का नाम क्या था?**
(अ) ऑपरेशन थंडर
(ब) ऑपरेशन पोलो
(स) ऑपरेशन कृष्णा
(द) इनमें से कोई नहीं

38. **फुटबॉल का लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम कहां स्थित है?**
(अ) हैदराबाद (ब) वारंगल
(स) सलेम (द) नलगोंडा

39. **भौगोलिक दृष्टि से तेलंगाना किस प्राकृतिक प्रदेश का हिस्सा है?**
(अ) दक्कन का पठार
(ब) गंगा का मैदान
(स) पश्चिमी घाट
(द) कोरोमण्डल तट

40. **तेलंगाना में लोकसभा की कितनी सीट हैं?**
(अ) 25 (ब) 11
(स) 17 (द) 29

उत्तरमाला

1. अ, 2. स, 3. द, 4. अ, 5. स, 6. स, 7. द, 8. अ, 9. अ, 10. अ, 11. ब, 12. अ, 13. अ, 14. ब, 15. अ, 16. ब, 17. अ, 18. अ, 19. द, 20. अ, 21. ब, 22. अ, 23. द, 24. द, 25. ब, 26. अ, 27. ब, 28. अ, 29. ब, 30. द, 31. अ, 32. अ, 33. अ, 34. स, 35. ब, 36. ब, 37. ब, 38. अ, 39. अ, 40. स।

- डॉ. संदीप सारवान
(लेखक, शासकीय महाविद्यालय टोंकखुर्द, देवास में भूगोल विषय के सहायक प्राध्यापक हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न – खेल

1. **इनमें से किस खिलाड़ी ने अब तक फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप नहीं जीती है?**
(अ) लुकास डि ग्रासी
(ब) फर्नांडो अलोंसो
(स) जेनसन बटन
(द) निको रोसबर्ग

2. **वर्ष 2006 में हॉकी पुरुष वर्ल्डकप किस देश ने जीता है?**
(अ) स्पेन (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) जर्मनी (द) नीदरलैंड्स

3. **एक टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं?**
(अ) विजय हजारे
(ब) लाला अमरनाथ
(स) दिलीप वेंगसरकर
(द) सी.के. नायडू

4. **अमेरिका के ओलिंपिक चैम्पियन रेयान क्रोजर का संबंध किस खेल से है?**
(अ) फर्राटा दौड़ (ब) भाला फेंक
(स) चक्का फेंक (द) गोला फेंक

5. **नोवाक जोकोविच ने कितनी बार रोम मास्टर्स का खिताब जीता है?**
(अ) तीन बार (ब) पांच बार
(स) सात बार (द) आठ बार

6. **मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट की शुरुआत किस वर्ष से हुई थी?**
(अ) वर्ष 2009 (ब) वर्ष 2010
(स) वर्ष 2008 (द) वर्ष 2012

7. **इनमें से कौन-सी महिला खिलाड़ी जिम्नास्टिक से संबंधित नहीं है?**
(अ) सिमोन बाइल्स
(ब) मिकाइला शिफरिन
(स) गैबी डगलस
(द) एमी टिंकलर

8. **टी-20 क्रिकेट वर्ल्डकप में किस खिलाड़ी ने सर्वाधिक रन बनाए हैं?**
(अ) रोहित शर्मा
(ब) मार्टिन गुप्टिल
(स) महेला जयवर्धने
(द) गौतम गंभीर

9. **भारत ने वर्ष 1975 में किसकी कप्तानी में हॉकी वर्ल्डकप जीता था?**
(अ) लेस्ली फर्नांडीज
(ब) अजीत पाल सिंह
(स) अशोक कुमार
(द) असलम शेर खान

10. **इनमें से कौन-सा गेंदबाज आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल नहीं है?**
(अ) एलेन डोनाल्ड
(ब) वकार यूनिस
(स) एंडी रॉबर्ट्स
(द) डेरेन गॉफ

11. **रियो ओलिंपिक में बैडमिंटन में पुरुष एकल वर्ग का स्वर्ण पदक किसने जीता है?**
(अ) विक्टर एक्सेलसन
(ब) ली चोंग वेई
(स) चेन लॉन्ग
(द) इनमें से कोई नहीं

12. **इनमें से किस ओलिंपिक खेल का अमेरिका ने बहिष्कार किया था?**
(अ) बीजिंग 2008
(ब) मॉस्को 1980
(स) बार्सिलोना 1992
(द) इनमें से कोई नहीं

13. **क्रिकेट वर्ल्डकप 2019 के फाइनल में किस खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला था?**
(अ) बेन स्टोक्स
(ब) केन विलियम्सन
(स) डेविड वॉर्नर
(द) रोहित शर्मा

14. **खो-खो खेल में एक टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?**
(अ) 6 (ब) 8
(स) 9 (द) 11

15. **भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच किस देश के खिलाफ खेला था?**
(अ) इंग्लैंड (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) पाकिस्तान (द) न्यूजीलैंड

16. **इस वर्ष वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट किस खिलाड़ी ने जीता है?**
(अ) राफेल नडाल
(ब) नोवाक जोकोविच
(स) एलेक्जेंडर ज्वेरेव
(द) एंडी मरे

17. **कमल चावला किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?**
(अ) स्नूकर (ब) शतरंज
(स) गोल्फ (द) हॉकी

18. **स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट किस खेल से संबंधित है?**
(अ) कुश्ती (ब) बैडमिंटन
(स) टेनिस (द) मुक्केबाजी

19. **इनमें से कौन-सी टीम आईपीएल से संबंधित नहीं है?**
(अ) मुंबई इंडियंस
(ब) केरेला ब्लास्टर्स
(स) दिल्ली कैपिटल्स
(द) सनराइजर्स हैदराबाद

20. **एशियाई खेल 2018 में कौन-सा देश पदक तालिका में शीर्ष पर रहा था?**
(अ) चीन
(ब) जापान
(स) दक्षिण कोरिया
(द) इंडोनेशिया

21. **वर्ष 2006 के फीफा वर्ल्डकप में सबसे ज्यादा गोल किस खिलाड़ी ने किए थे?**
(अ) जिनेदिन जिदान
(ब) मिरोस्लाव क्लोस
(स) लुईस फिगो
(द) थियरे हैनरी

22. **इनमें से कौन-सा खिलाड़ी मुक्केबाजी से संबंधित नहीं है?**
(अ) विकास यादव
(ब) गौरव सोलंकी
(स) कविंदर विष्ट
(द) नीलाकांता शर्मा

23. **न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हैं?**
(अ) सोफी डिवाइन
(ब) सूजी बेट्स
(स) कैटी मार्टिन
(द) लेई केस्पेरेक

24. **फीफा फुटबॉल वर्ल्डकप का पहला संस्करण किस देश ने जीता है?**
(अ) ब्राजील (ब) अर्जेंटीना
(स) इटली (द) उरूग्वे

25. **इस वर्ष इटेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग की चैम्पियन बनी हैं?**
(अ) विक्टोरिया अजारेंका
(ब) सिमोना हालेप
(स) मार्टिना हिंगिस
(द) किकि बर्टेस

उत्तर

1. (अ), 2. (स), 3. (अ), 4. (द), 5. (ब), 6. (अ), 7. (ब), 8. (स), 9. (ब), 10. (द), 11. (स), 12. (ब), 13. (अ), 14. (स), 15. (अ), 16. (ब), 17. (अ), 18. (द), 19. (ब), 20. (अ), 21. (ब), 22. (द), 23. (अ), 24. (द), 25. (ब)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

तर्कशक्ति

प्र. (1-5) निम्नलिखित पहेली को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
आठ व्यक्ति एक आठ मंजिला इमारत पर रहते हैं। सबसे नीचे वाला फ्लोर नं. 1 है, इसी प्रकार सबसे ऊपर वाला फ्लोर नं. 8 है। D और G के बीच 4 से ज्यादा व्यक्ति रहते हैं। H एक विषम संख्या वाले फ्लोर पर रहता है। A और B के बीच केवल दो व्यक्ति रहते हैं। D, G के ऊपर किसी फ्लोर पर रहता है। B एक विषम संख्या वाले फ्लोर पर H से नीचे कहीं रहता है। C, E के तुरंत ऊपर वाले फ्लोर पर रहता है। G किसी सम (even) संख्या के फ्लोर पर नहीं रहता है। F, B के नीचे किसी फ्लोर पर रहता है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (1) 5th फ्लोर पर कौन रहता है?
(a) D (b) A
(c) F (d) C

प्र. (2) F के ऊपर कितने लोग रहते हैं?
(a) 2 (b) 6
(c) 3 (d) 1

प्र. (3) E और G के बीच कितने लोग हैं?
(a) 2 (b) 3
(c) 5 (d) 4

प्र. (4) E के तुरंत नीचे कौन रहता है?
(a) B (b) C
(c) G (d) H

प्र. (5) A किस फ्लोर पर रहता है?
(a) 3rd (b) 8th
(c) 6th (d) 4th

उत्तर - (1-5)
(1) → (d) C
(2) → (b) 6
(3) → (a) 2
(4) → (a) B
(5) → (c) 6th

व्याख्या - प्रश्नानुसार,

फ्लोर		व्यक्ति
8	→	D
7	→	H
6	→	A
5	→	C
4	→	E
3	→	B
2	→	F
1	→	G

प्र. (6-10) आठ व्यक्ति A, B, C, D, E, F, G और H एक वर्गाकार मेज पर बैठे हैं। जो व्यक्ति कोनों पर बैठे हैं, वे केन्द्र की ओर मुख किए हैं और जो भुजाओं पर बैठे हैं, वे केन्द्र की विपरीत दिशा में देख रहे हैं। चार व्यक्ति कोनों पर और चार भुजाओं पर बैठे हैं। G किसी कोने पर नहीं बैठा है। G, H के विपरीत नहीं बैठा है। C, B के बाएं तीसरे स्थान पर बैठा है। F और H के बीच दो व्यक्ति बैठे हैं। H, C के तत्काल बाएं बैठा है। D, A के बाएं दूसरा बैठा है। A, G के बाएं तीसरे स्थान पर बैठा है।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (6) E और F के बीच कौन है?
(a) H (b) D
(c) B (d) C

प्र. (7) B और A के बीच कितने लोग हैं, यदि B के दाएं से गिना जाए?
(a) 4 (b) 3
(c) 2 (d) 1

प्र. (8) D के तत्काल दाएं कौन है?
(a) E (b) A
(c) G (d) F

प्र. (9) विषम पद ज्ञात कीजिए?
(a) D (b) C
(c) E (d) G

प्र. (10) G के बाएं तीसरे स्थान पर कौन है?
(a) D (b) C
(c) A (d) F

उत्तर - (6-10)
(6) → (d) C
(7) → (b) 3
(8) → (d) F
(9) → (a) D
(10) → (c) A

व्याख्या - प्रश्नानुसार,

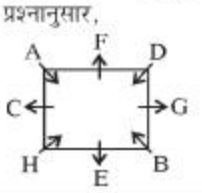

प्र. (11-15) पहेली को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए -
आठ व्यक्ति एक वृत्ताकार मेज पर बैठे हैं। कुछ लोग केन्द्र की ओर मुख किए हैं और कुछ केन्द्र की विपरीत दिशा में मुख किए हैं। F, L के बाएं तीसरे स्थान पर है। G, M के दाएं तीसरे स्थान पर है। M केन्द्र की ओर मुख किया है। E, G के बाएं दूसरे स्थान पर है। K और H एक दूसरे के तत्काल बाएं बैठे हैं। E और I के बीच दो व्यक्ति बैठे हैं। F और H समान दिशा में मुख किए हैं, लेकिन F और L विपरीत दिशाओं में मुख किए हैं। K, E के बाएं दूसरे स्थान पर है। K और I एक ही दिशा में मुख किए हैं। K और G विपरीत दिशाओं में मुख किए हैं।
प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

प्र. (11) K के तत्काल दाएं कौन है?
(a) G (b) H
(c) M (d) F

प्र. (12) I और K के बीच कितने व्यक्ति हैं, जब I के बाएं से गिना जाए?
(a) 3 (b) 1
(c) 4 (d) 2

प्र. (13) M के सामने कौन बैठा है?
(a) L (b) G
(c) E (d) F

प्र. (14) E का स्थान F के संदर्भ में कौन सा है?
(a) बाएं से दूसरा
(b) बाएं से तीसरा
(c) बाएं से पहला
(d) दाएं से चौथा

प्र. (15) केन्द्र की ओर कितने लोग देख रहे हैं?
(a) 3
(b) 4
(c) 1
(d) 5

उत्तर - (11-15)
(11) → (c) M
(12) → (d) 2
(13) → (a) L
(14) → (d) दाएं से चौथा
(15) → (b) 4

व्याख्या - प्रश्नानुसार,

प्र. (16-20) एक निश्चित कूटभाषा में,
"za la ka ga" को "Ram wants to go" के रूप में लिखा गया है।
"za fa sa na" को "Sita wants the Karan"
"na la da sa" को "Sita Ram looks Karan"
"wa sa za da" को "looks Karan wants delhi" के रूप में लिखा गया है। तो प्रश्नों के उत्तर इसी प्रकार दीजिए -

प्र. (16) "looks" का कूट क्या होगा?
(a) sa (b) da
(c) la (d) na

प्र. (17) "wa" किसका कूट है?
(a) To (b) Ram
(c) looks (d) delhi

प्र. (18) "Sita" का कूट क्या होगा?
(a) sa (b) na
(c) wa (d) za

प्र. (19) "wants" का कूट क्या होगा?
(a) za (b) ka
(c) la (d) ga

प्र. (20) "go" का कूट क्या होगा?
(a) za (b) ga
(c) ga/ka (d) ka

उत्तर - (16-20)
(16) → (b) da
(17) → (d) delhi
(18) → (b) na
(19) → (a) za
(20) → (c) ga/ka

व्याख्या - इस प्रकार हल करें

Ram wants to go → za la ka ga
Sita wants the Karan → za fa sa na
Sita Ram looks Karan → na la da sa
looks Karan wants delhi → wa sa za da

to/go	→	ka/go
Ram	→	la
wants	→	za
Sita	→	na
the	→	fa
Karan	→	sa
look	→	da
delhi	→	wa

प्र. (21-25) किसी निश्चित कूटभाषा में,
"rabbit is very carrot" को "jla jta jja jsa" लिखा जाता है,
"love drinks are rabbit" को "jja jpa jra jda" लिखा जाता है,
"pgeon is very love" को "jda jta jfa jla" लिखा जाता है, तो बताइए -

प्र. (21) "carrot" का कूट क्या होगा?
(a) jsa (b) jda
(c) jja (d) jla

प्र. (22) "rabbit love pigeon" का कूट क्या होगा?
(a) jsa jja jra
(b) jfa jja jda
(c) jda jra jta
(d) तय नहीं कर सकते

प्र. (23) "drinks" का कूट क्या होगा?
(a) jra (b) jpa
(c) jra/jpa (d) jda

प्र. (24) "pigeon" का कूट क्या होगा?
(a) jfa (b) jla
(c) jta (d) jda

प्र. (25) "jta" किसका कूट है?
(a) Is (b) love
(c) very (d) is/very

उत्तर - (21-25)
(21) → (a) jsa
(22) → (b) jfa jja jda
(23) → (c) jra/jpa
(24) → (a) jfa
(25) → (d) is/very

व्याख्या -

rabbit is very carrot → jla jta jja jsa
love drinks are rabbit → jja jpa jra jda
pigeon is very love → jda jta jfa jla

is/very	→	jta/jla
drinks/are	→	jpa/jra
Rabbit	→	jja
carrot	→	jsa
love	→	jda
pigeon	→	jfa

- ऋचा दुबे
(लेखिका, बैंकिंग परीक्षाओं की तैयारी विषयों पर लिखती हैं)

रिटर्न फाइलिंग, टैक्स कलेक्शन और कर चोरी रोकने में मध्यप्रदेश आगे

भोपाल, मध्यप्रदेश को कॉम्पन्सेशन सेस फंड से 792 करोड़ की राशि अविलम्ब जारी करने के लिये केंद्र सरकार को धन्यवाद देते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि रिटर्न फाइलिंग, टैक्स कलेक्शन एवं कर अपवंचन को रोकने के प्रयासों में मध्यप्रदेश की गणना देश के अग्रणी राज्यों में होने लगी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश इस दिशा में निरंतर सफलताएं हासिल करता रहेगा। जीएसटी काउंसिल की निरंतर जारी 42वीं बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने राज्यों के जीएसटी क्षतिपूर्ति पर चर्चा की।

श्री देवड़ा ने कहा कि विकल्प एक चुनने के कारण प्रदेश को 4056 करोड़ रुपये के स्थान पर 4542 करोड़ ऋण लेने की व्यवस्था की जा सकेगी। इसका सीधा सकारात्मक असर जनोपयोगी विकास कार्यों पर पड़ेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी राज्य इस दिशा में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर लाभ लेंगे और देश को वित्तीय रूप से मजबूत बनाने में अपना योगदान देंगे। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की दूरदृष्टि की प्रशंसा करते हुए आशा व्यक्त की कि भविष्य में भुगतान में विलम्ब होने की स्थिति नहीं रहेगी। कोविड-19 के कारण जो समस्याएं आई हैं उनका पूरा समाधान भविष्य में हो जायेगा और अर्थव्यवस्था फिर से मजबूत स्थिति में आ जायेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश द्वारा विकल्प एक लेने से अब राज्य को ब्याज तथा मूलधन के भुगतान के संबंध में कोई भुगतान नहीं करना होगा। यह राशि कॉम्पन्सेशन फंड से ही भुगतान किया जायेगा। मध्यप्रदेश जैसे राज्य के लिये यह सुविधाजनक है।

श्री देवड़ा ने मांग को प्रोत्साहित करने के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए विशेष पैकेज घोषित करने पर भारत सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इससे अर्थव्यवस्था में मांग को बढ़ाने के उपाय भविष्य में सार्थक परिणाम देंगे।

हरदा के अबगांवकला में बनेगा कृषि महाविद्यालय

हरदा, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री कमल पटेल ने हरदा जिले के अबगांवकला नर्सरी में कृषि महाविद्यालय बनाने के निर्देश दिये। उन्होंने इस हेतु राजस्व विभाग को जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हर योजना से जनता को जोड़ना है, इसके लिए सभी योजनाओं की जानकारी जनता को होनी चाहिये।

श्री पटेल ने कृषि विभाग के कार्यों के समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये कृषक उत्पाद समूह बनाये जायें, जिससे वेयरहाउस एवं कोल्ड स्टोरेज जैसी अधोसंरचना बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना के समुचित क्रियान्वयन के लिये अतिक्रमण हटाये जायें। श्री पटेल ने निर्देशित किया कि जिले में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने पिछले वर्ष तथा वर्तमान वर्ष में खाद की उपलब्धता की समीक्षा की। श्री पटेल ने विगत दो वर्षों से खराब हुई सोयाबीन की फसलों को ध्यान में रखते हुए निर्देशित किया कि दस साल से पुरानी वेरायटी के सोयाबीन को बंद किया जाए। साथ ही सोयाबीन की फसल का उचित विकल्प ढूंढ़ा जाए।

श्री पटेल ने विद्युत विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया नवरात्री के अवसर पर 24 घंटे विद्युत की उपलब्धता सुनिश्चित करें। खराब हुए ट्रांसफार्मर को त्वरित कार्यवाही कर बदला जाए। व्यवसायीक कृषि करने वाले किसानों को चौबीस घंटे बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

श्री पटेल ने जिला पंचायत सीईओ श्री रामकुमार शर्मा को निर्देशित किया कि मनरेगा कार्य के अंतर्गत नहरों की सफाई एवं मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना में रोज़गार प्रदान किया जाये। हर ग्राम पंचायत में सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाए एवं गांव की स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए कचरे का निष्पादन उचित तरीके से किया जाए। उन्होंने समीक्षा के दौरान सिंचाई विभाग को टेल क्षेत्र में पहले पानी देने एवं हरदा के साथ ऊपरी क्षेत्रों में भी ओसरावंदी के निर्देश दिये। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि आगामी नवरात्री पर्व पर महिला सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये जाएं। बैठक में श्री पटेल ने लोक निर्माण विभाग को सड़कों की मरम्मत करने हेतु त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

श्री पटेल ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर पात्र हितग्राहियों के सभी प्रकार के प्रमाण-पत्र बनाये जायें, ताकि उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाना पड़ें। श्री पटेल ने निर्देशित किया कि राजस्व विभाग, वन विभाग एवं आदिम जाति कल्याण विभाग के समन्वय से शिविर लगाकर लंबित वन भूमि के पट्टों का निराकरण करें।

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

सामान्य हिन्दी

1. 'उड़ान' शब्द में किस प्रत्यय का प्रयोग हुआ है?
(A) आन (B) ज्ञान
(C) न (D) अन
उत्तर :- (A) आन

2. 'दुष्कर' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?
(A) दुष्क (B) दुस्
(C) दु (D) दुष्
उत्तर :- (B) दुस्

3. क्रिया के मूल रूप को कहते हैं?
(A) धातु (B) मूल धातु
(C) मूल (D) व्युत्पत्ति
उत्तर :- (A) धातु

4. क्रिया से किसका पता चलता है?
(A) किसी काम के होने का
(B) किसी काम के करने का
(C) किसी काम के होने की प्रक्रिया में
(D) उपर्युक्त सभी स्थितियों का
उत्तर :- (D) उपर्युक्त सभी स्थितियों का

5. क्रिया विशेषण कौन-सा शब्द है?
(A) विकारी (B) अविकारी
(C) मूल (D) बोधक
उत्तर :- (B) अविकारी

6. जहां कार खड़ी है। वहां चले जाओ। रचना के आधार पर वाक्य भेद है?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) प्रश्न वाक्य
उत्तर :- (C) मिश्र वाक्य

7. महात्मा गांधी ने कहा कि तुम्हें अपना दीपक स्वयं बनना है। यह वाक्य है?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) अन्य वाक्य
उत्तर :- (C) मिश्र वाक्य

8. अध्यक्ष महोदय भाषण दे रहे हैं। यह वाक्य है?
(A) सरल वाक्य (B) संयुक्त वाक्य
(C) मिश्र वाक्य (D) अन्य वाक्य
उत्तर :- (A) सरल वाक्य

9. दादी के द्वारा कहानी सुनाई गई। वाक्य का वाच्य बताइए?
(A) कर्तृ वाच्य (B) कर्म वाच्य
(C) भाव वाच्य (D) अन्य वाच्य
उत्तर :- (B) कर्म वाच्य

10. पक्षी आकाश में उड़ते हैं। इस वाक्य का वाच्य है?
(A) कर्तृ वाच्य (B) कर्म वाच्य
(C) भाव वाच्य (D) अन्य वाच्य
उत्तर :- (A) कर्तृ वाच्य

11. 'आ' उपसर्ग किस शब्द में नहीं है?
(A) आयात (B) आहत
(C) आदर (D) आहार
उत्तर :- (C) आदर

12. 'दूर' उपसर्ग युक्त शब्द छांटिए?
(A) दुधिया (B) दुर्दशा
(C) दुधारू (D) दुपहरिया
उत्तर :- (B) दुर्दशा

13. भिक्षुक का सही विकल्प है?
(A) भिक्ष + उक
(B) भिक्षा + उक
(C) भिक्ष + क
(D) भिक्षा + अक
उत्तर :- (B) भिक्षा + उक

14. 'संकल्प' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?
(A) सत् + कल्प
(B) सम् + कल्प
(C) संक + अल्प
(D) स + कल्प
उत्तर :- (B) सम् + कल्प

15. 'अनीय' प्रत्यय किस शब्द में नहीं है?
(A) भवदीय (B) कथनीय
(C) पठनीय (D) दर्शनीय
उत्तर :- (A) भवदीय

16. निम्नलिखित में से किस शब्द में 'इया' प्रत्यय नहीं है?
(A) बिटिया (B) लुटिया
(C) चूड़ियां (D) डिबिया
उत्तर :- (C) चूड़ियां

17. भाव वाचक संज्ञा का सही विकल्प चुनकर लिखिए?
(A) चाँदी (B) दूध
(C) गंगा (D) शीतलता
उत्तर :- (D) शीतलता

18. सर्वनाम 'वह' के प्रकार का सही विकल्प है?
(A) निश्चय वाचक सर्वनाम
(B) अनिश्चय वाचक सर्वनाम
(C) पुरुष वाचक सर्वनाम
(D) निज वाचक सर्वनाम
उत्तर :- (C) पुरुष वाचक सर्वनाम

निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ के सही विकल्प हैं?

19. अपनी खिचड़ी अलग पकाना
(A) अपना अहंकार प्रकट करना
(B) दूसरों से नफरत करना
(C) खिचड़ी बनाकर खाना
(D) सबसे अलग रहना
उत्तर :- (D) सबसे अलग रहना

20. जले पर नमक छिड़कना?
(A) नमक बुरकना
(B) दुखी व्यक्ति को और दुखी करना
(C) पहले काटना फिर नमक छिड़कना
(D) मीठे की जगह नमक डालना
उत्तर :- (B) दुखी व्यक्ति को और दुखी करना

21. टका सा जवाब देना?
(A) लाजवाब कर देना
(B) मुंह तोड़ जवाब देना
(C) तुरंत मना कर देना
(D) टके की तरह जवाब देना
उत्तर :- (C) तुरंत मना कर देना

22. पानी-पानी हो जाना?
(A) आँखों में आंसू आना
(B) बुरी तरह भीग जाना
(C) बारिश आ जाना
(D) अत्यंत लज्जित होना
उत्तर :- (D) अत्यंत लज्जित होना

23. रसों में स्थायी भावों की संख्या कितनी मानी गई है?
(A) 8 (B) 9
(C) 10 (D) 11
उत्तर :- (B) 9

24. इनमें से कौन-सा स्थायी भाव नहीं है?
(A) शोक (B) हर्ष
(C) भय (D) विस्मय
उत्तर :- (B) हर्ष

25. किस रस को रसराज की संज्ञा दी गई है?
(A) करुण रस (B) श्रृंगार रस
(C) रौद्र रस (D) शांत रस
उत्तर :- (B) श्रृंगार रस

26. संचारी भावों की संख्या कितनी है?
(A) 10 (B) 9
(C) 33 (D) 25
उत्तर :- (C) 33

27. करुण रस का स्थायी भाव है?
(A) निर्वेद (B) रति
(C) क्रोध (D) शोक
उत्तर :- (D) शोक

निम्नलिखित प्रश्नों में प्रत्येक शब्द के पर्यायवाची रूप के चार विकल्प दिये गये हैं। इनमें केवल एक सही है। सही विकल्प का चयन कीजिए?

28. जीभ?
(A) रसना (B) वाणी
(C) ध्वनि (D) सरस्वती
उत्तर :- (A) रसना

29. कमल?
(A) पुष्प (B) कुसुम
(C) पुण्डरीक (D) प्रसून
उत्तर :- (C) पुण्डरीक

30. प्रतिहार?
(A) द्वारपाल (B) चौकीदार
(C) नौकर (D) सैनिक
उत्तर :- (A) द्वारपाल

31. कुबेर?
(A) धनिक (B) देवराज
(C) जनेश्वर (D) धन्ना सेठ
उत्तर :- (C) जनेश्वर

निम्न प्रश्नों में प्रत्येक शब्द के चार-चार विलोमार्थी दिये गये हैं। इनमें एक शब्द सही है। उसका चयन करें।

32. स्थूल?
(A) पारलौकिक (B) सूक्ष्म
(C) स्वल्प (D) अभौतिक
उत्तर :- (B) सूक्ष्म

33. शोषक?
(A) शोष्य (B) शोषणीय
(C) पालक (D) पोषक
उत्तर :- (D) पोषक

34. आवाहन?
(A) प्रेषण (B) नियकरण
(C) ग्रहण (D) विसर्जन
उत्तर :- (D) विसर्जन

35. अनिवार्य?
(A) आवश्यक (B) वैकल्पिक
(C) ऐच्छिक (D) पृष्ठांकित
उत्तर :- (B) वैकल्पिक

36. य, र, ल, व वर्ण हैं?
(A) अन्तस्थ (B) कोमल
(C) संयुक्त
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर :- (A) अन्तस्थ

37. हिन्दी में एक वर्ण की.....है?
(A) एक ध्वनि
(B) दो ध्वनि
(C) तीन ध्वनि
(D) इनमें से कोई नहीं
उत्तर :- (A) एक ध्वनि

38. छन्दोबद्ध रचना जानी जाती है?
(A) गद्य (B) पद्य
(C) रिपोर्ताज (D) ये सभी
उत्तर :- (B) पद्य

39. शब्द के अन्त में जुड़ने वाले शब्द को कहते हैं?
(A) शब्द (B) समास
(C) प्रत्यय (D) उपसर्ग
उत्तर :- (C) प्रत्यय

40. वर्णमाला के अनुसार अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ, अं, अः कहलाते हैं?
(A) स्वर वर्ण (B) व्यंजन वर्ण
(C) ध्वनि वर्ण (D) वर्ण
उत्तर :- (A) स्वर वर्ण

41. हिन्दी (भाषा) विषय के दृष्टिकोण से शुद्ध लेखन का घनिष्ठ संबंध है?
(A) अशुद्ध उच्चारण से
(B) उच्चारण की शुद्धता से
(C) व्याकरणिक नियम की अनभिज्ञता से
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर :- (B) उच्चारण की शुद्धता से

42. हिन्दी भाषा के मौखिक व्यवहार में, शब्दों के शुद्ध उच्चारण निर्भर करते हैं?
(A) बोलने के बल पर
(B) बोलने के सुर पर
(C) बोलने के अनुतान पर
(D) उपरोक्त सभी पर
उत्तर :- (A) बोलने के बल पर

43. हिन्दी में अनेक शब्द जो सीधे संस्कृत से आये हैं, उन्हें कहते हैं?
(A) देशज (B) तद्भव
(C) अर्ध तत्सम (D) तत्सम
उत्तर :- (D) तत्सम

44. टकसाली भाषा किसे कहते हैं?
(A) संस्कृतनिष्ठ भाषा
(B) गंवारू भाषा
(C) परिनिष्ठित भाषा
(D) कृत्रिम भाषा
उत्तर :- (C) परिनिष्ठित भाषा

45. प्राचीन देवनागरी लिपि का विकास हुआ है?
(A) सेमेटिक अरमइक लिपि से
(B) कुटिल लिपि से
(C) गुरूमुखी लिपि से
(D) नेपाली लिपि से
उत्तर :- (B) कुटिल लिपि से

46. जैन सूत्रों के अनुसार भारत में कितनी लिपियाँ प्रचलित थीं?
(A) 20 (B) 18
(C) 13 (D) 12
उत्तर :- (B) 18

47. हिन्दी की उत्पत्ति किस अपभ्रंश से मानी जाती है?
(A) मागधी (B) ब्राचड़
(C) खस (D) शौरसेनी
उत्तर :- (D) शौरसेनी

48. इनमें से कौन-सा नाम अपभ्रंश के लिए प्रयुक्त नहीं होता है?
(A) डिंगल (B) अवहट्ट
(C) अवहत्थ (D) देश भाषा
उत्तर :- (A) डिंगल

49. इनमें से कौन पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?
(A) खड़ी बोली (B) बुंदेली
(C) मगही (D) बांगरू
उत्तर :- (C) मगही

50. बघेली बोली का केन्द्र कहां माना जा सकता है?
(A) रायपुर (B) भोपाल
(C) रीवा (D) इन्दौर
उत्तर :- (C) रीवा

51. इन्दौर-उज्जैन की बोली को क्या नाम दिया गया है?
(A) मारवाड़ी (B) मालवी
(C) बघेली (D) छत्तीसगढ़ी
उत्तर :- (B) मालवी

52. देवनागरी लिपि में कुल कितने वर्ण हैं?
(A) 50 (B) 57
(C) 52 (D) 60
उत्तर :- (C) 52

- डॉ. राम मनोहर उपाध्याय

(लेखक, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के जनसंचार विभाग में अतिथि शिक्षक हैं)

राष्ट्रभाषा हिन्दी को बढ़ावा देने से ही देश का विकास संभव है

भोपाल, किसी भी देश की पहचान उस देश की राष्ट्रभाषा से होती है। विश्व के कई देश अपनी राष्ट्रभाषा के माध्यम से ही आगे बढ़ रहे हैं। इसी तरह हमें अपने देश के विकास के लिये राष्ट्रभाषा हिन्दी को बढ़ावा देना आवश्यक है। यह बात प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी में नव नियुक्त संचालक श्री अशोक कड़ैल के स्वागत कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल भी शामिल हुए।

डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के नये संचालक श्री कड़ैल को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा अपना जीवन शिक्षा और समाजहित में लगाया है। मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नई शिक्षा नीति राष्ट्रभाषा हिन्दी को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। विभिन्न पाठ्यक्रमों की पुस्तकें हिन्दी में भी अनुवाद कराई जा रही हैं। नई शिक्षा नीति में अन्य भारतीय भाषाओं का भी ध्यान रखा गया है।

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा कि राष्ट्र और संस्कृति के लिये कार्य करने वालों का जीवन सार्थक होता है। श्री कड़ैल संघर्षशील, परिश्रमी और योग्य अधिकारी हैं जो हमेशा अपने राष्ट्र और संस्कृति के लिये समर्पित रहते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रभाषा हिन्दी को सम्मान दिलाने के लिये हम सबको मिलकर प्रयास करना होगा। हिन्दी को मान सम्मान दिलाने की कोशिश होगी तो राष्ट्र का सम्मान बढ़ेगा। स्वाभिमान, चरित्र, पुरुषार्थ और देशभक्ति हिन्दी से ही संभव है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के कार्यों में हिन्दी का ही उपयोग किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ने खोले हैं ग्रामीण विकास के द्वार

हरदा, बेहतर नीति और सही नीयत से ही गांव, प्रदेश और देश का विकास होगा। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना ने गांव के विकास के द्वार खोल दिए हैं। ये बातें किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष हरदा में योजना के शुभारंभ अवसर पर संबोधित करते हुये कहीं।

राष्ट्रव्यापी योजना के शुभारंभ अवसर पर मध्यप्रदेश के हरदा और डिण्डोरी जिले में भी योजना का शुभारंभ हुआ। इस योजना में 6 राज्यों के चुनिंदा जिलों को पायलट प्रोजेक्ट के लिए चुना गया। इनमें हरदा, सीहोर और डिण्डोरी सम्मिलित हैं। हरदा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में श्री पटेल ने जिले के 12 हितग्राहियों अजब सिंह ग्राम जिजगांव कला, अशोक ग्राम नाहड़िया, नर्मदा प्रसाद राठौड़ ग्राम पिड़गांव, ताराचंद ग्राम पिड़गांव, आनंद भाटी ग्राम झाड़पा, भागीरथ ग्राम मझली, शिव कुमार ग्राम अवगांव खुर्द, राजेश ग्राम देवतालाव, लूणाराम ग्राम कालंवा, ओमप्रकाश ग्राम अव गांवकला, कमल ग्राम अतरसमा तथा नानकराम ग्राम नीमचाखुर्द को ड्रोन द्वारा किए गए सर्वेक्षण के आधार पर भू-अधिकार अभिलेख प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

श्री पटेल ने कहा कि इस योजना द्वारा गांव के विकास के द्वार खुल गए हैं। इस योजना से गांव की दिशा और दशा बदलेगी। श्री पटेल ने कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्र के हर संपत्ति धारक को संपत्ति का प्रमाण पत्र एवं भूमि स्वामित्व प्राप्त होगा जिससे वह बैंक से ऋण लेकर अपने लिए रोज़गार के नवीन अवसर सृजित कर सकेंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत हो सकेगी। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के ग्रामीण विकास के सपनों को प्रदेश और केंद्र की सरकार पूरा कर रही है। श्री वाजपेयी ने ग्रामीण विकास के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, किसान क्रेडिट कार्ड एवं फसल बीमा योजना जैसी महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया था।

उसी तर्ज पर स्वामित्व योजना द्वारा संपत्ति धारक को उनका अधिकार दस्तावेज के रूप में प्राप्त हुआ है, जिससे ग्रामीण आबादी को मालिकाना हक मिला है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं महात्मा गांधी जी का सपना था कि गांव के विकास से ही देश का विकास संभव होगा और असली भारत गांवों में बसता है।

खेल चर्चा

आईसीसी ने शुरू की चेयरमैन चुनने की प्रक्रिया

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगला चेयरमैन चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आईसीसी ने शशांक मनोहर की जगह चेयरमैन पद के संभावित उम्मीदवारों के नाम भेजने के लिये अपने निदेशक मंडल को कहा है। नये चेयरमैन की नियुक्ति की प्रक्रिया की मॉनीटरिंग आईसीसी की स्वतंत्र ऑडिट समिति करेगी। आईसीसी ने कहा कि नया चेयरमैन दिसम्बर 2020 तक कार्यभार संभाल लेगा। आईसीसी के अनुसार चेयरमैन के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नामांकन की प्रक्रिया पहले की तरह रहेगी, जिसमें निदेशक मंडल एक उम्मीदवार को नामांकित करता है और दूसरा निदेशक उसका अनुमोदन करता है।

लॉस एंजिलिस लेकर्स बना एनबीए चैंपियन

फ्लोरिडा, अमेरिका की प्रतिष्ठित बॉस्केट बॉल लीग एनबीए का खिताब लॉस एंजिलिस लेकर्स ने जीता है। लेकर्स ने खितावी राउंड बेस्ट ऑफ सेवन सीरीज में मियामी हीट को 4-2 से हराया। सीरीज के छठवें मैच में लेकर्स ने हीट को 106-93 से हराया। लॉस एंजिलिस लेकर्स ने अपनी जीत को अपने दिवंगत खिलाड़ी कोबे ब्रायंट को समर्पित की। इससे पहले लॉस एंजिलिस लेकर्स ने वर्ष 2010 में यह खिताब जीता था, तब ब्रायंट टीम के सदस्य थे।

नेमार बने ब्राजील के दूसरे सर्वाधिक गोल स्कोरर

लीमा, ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर नेमार जूनियर ब्राजील के लिये सबसे ज्यादा

अंतर्राष्ट्रीय गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। नेमार ने विश्वकप क्वालिफायर में पेरू के खिलाफ मैच में तीन गोल किये। नेमार के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ब्राजील ने पेरू को 4-2 से हराया। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेमार के 103 मैचों में 64 गोल हो गये हैं। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय गोल के मामले में पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो को पीछे छोड़ा है। रोनाल्डो ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ब्राजील के लिये 98 मैचों में 62 गोल किये थे। अब नेमार से आगे सिर्फ पेले हैं, जिन्होंने 92 मैचों में 77 गोल किये थे।

पूर्व फुटबॉल कप्तान चैपमैन का निधन

नई दिल्ली, भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान कार्लटन चैपमैन का हृदयघात से निधन हो गया। वे 49 वर्ष के थे। चैपमैन जाने-माने मिडफील्डर थे। उन्होंने वर्ष 1995 से 2001 तक भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल खेला है। चैपमैन की कप्तानी में भारत ने वर्ष 1997 में सैफ कप जीता था। चैपमैन ने क्लब स्तर पर ईस्ट बंगाल और जेसीटी मिल्स टीम का प्रतिनिधित्व किया है। चैपमैन ने ईस्ट बंगाल की ओर से एशियन कप में इराक के क्लब अल जावरा के खिलाफ हैट्रिक बनाई थी।

फ्रैंच ओपन

नडाल ने जीता 20वां ग्रैंड स्लैम खिताब

पेरिस, मौजूदा दौर में विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों में शुमार राफेल नडाल ने लाल बजरी पर अपनी बादशाहत एक बार फिर साबित करते हुये फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया है। यह नडाल के टेनिस कॅरियर का 20वां ग्रैंड स्लैम खिताब है। इसके साथ ही नडाल ने पुरुष एकल वर्ग में सर्वाधिक ग्रैंड स्लैम जीतने के रोजर फेडरर (20) के रिकॉर्ड की बराबरी भी की।

फ्रैंच ओपन के फाइनल में नडाल के सामने विश्व के नंबर वन खिलाड़ी नोवाक जोकोविच की चुनौती थी। लेकिन जोकोविच प्रशंसकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाये। नडाल ने मैच में जोकोविच को सीधे सेटों में 6-0, 6-2, 7-5 से हराया। फाइनल मुकाबला महज 2 घंटे 41 मिनट तक चला। पहले और दूसरे सेट में नडाल के सामने जोकोविच पूरी तरह असहाय नजर आये, लेकिन तीसरे सेट में जोकोविच ने नडाल को टक्कर दी। तीसरा सेट टाइब्रेकर में गया, जिसे नडाल ने 7-5 से अपने नाम किया।

फ्रैंच ओपन के सबसे सफल खिलाड़ी हैं नडाल

राफेल नडाल फ्रैंच ओपन के सबसे सफल खिलाड़ी हैं। नडाल ने सबसे ज्यादा 13 बार फ्रैंच ओपन का खिताब जीता है। नडाल ने फ्रैंच ओपन में 102 मैच खेले हैं, इनमें से 100 मैचों में उन्हें जीत तथा 2 मैच में हार का सामना करना पड़ा। जोकोविच वर्ष 2015 में फ्रैंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में नडाल को हरा चुके हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 56 मुकाबले हुये हैं, जिसमें से 29 मैचों में जोकोविच को तथा 27 मैचों में नडाल को जीत मिली है।

- राफेल नडाल और रोजर फेडरर ने सर्वाधिक 20-20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।
- नोवाक जोकोविच ने 17 ग्रैंड स्लैम टाइटल जीते हैं।
- नडाल ने 13 बार फ्रैंच ओपन, 4 बार यूएस ओपन, 2 बार विम्बलडन तथा एक बार ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता है।
- नडाल ने 35, जोकोविच ने 36 तथा फेडरर ने 28 एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीते हैं।
- नडाल और जोकोविच 9 बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में भिड़ चुके हैं, इनमें 5 बार नडाल तथा 4 बार जोकोविच विजेता बने हैं।
- फ्रैंच ओपन के ओपन एरा में राफेल नडाल के बाद ब्योन बोर्ग सबसे ज्यादा 6 बार चैंपियन बने हैं।

महिला वर्ग में चैंपियन बनीं स्वितेक

पोलैंड की युवा टेनिस खिलाड़ी इगा स्वितेक ने फ्रैंच ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब जीता है। स्वितेक ने फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी सोफिया केनिन को सीधे सेटों में 6-4, 6-1 से हराया। यह स्वितेक के टेनिस कॅरियर का पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। 19 वर्षीय स्वितेक वर्ष 1990 के बाद फ्रैंच ओपन जीतने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी हैं। स्वितेक से पहले मोनिका सेलेस ने वर्ष 1990 में 16 वर्ष की आयु में फ्रैंच ओपन जीता था।

जोशुआ ने 10 हजार मीटर दौड़ में बनाया विश्व रिकॉर्ड

बेलेंसिया, युगांडा के दिग्गज धावक जोशुआ चेपतेगेई ने 10 हजार मीटर दौड़ में विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। जोशुआ ने बेलेंसिया में आयोजित 10 हजार मीटर दौड़ महज 26 मिनट 11 सेकेंड में पूरी की। यह 10 हजार मीटर दौड़ में नया विश्व रिकॉर्ड है। इससे पहले यह रिकॉर्ड इथोपिया के केनेनिसा बेकेले के नाम था। बेकेले ने वर्ष 2005 में 10 मीटर दौड़ 26 मिनट 17.53 सेकेंड में पूरी की थी। जोशुआ ने इस वर्ष 4 रेस में हिस्सा लिया, जिसमें से तीन रेस में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बनाये हैं।

पीसीबी के मुख्य चयनकर्ता का पद छोड़ेंगे मिस्बाह

कराची, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता मिस्बाह उल हक ने मुख्य चयनकर्ता के पद से हटने का फैसला किया है। हालांकि वे मुख्य कोच बने रहेंगे। मिस्बाह सितम्बर 2019 से पाकिस्तान क्रिकेट में दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। मिस्बाह ने कहा कि मैंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सूचित कर दिया है कि मैं 30 नवम्बर को मुख्य चयनकर्ता के पद से हट जाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिये टीम का चयन करूंगा। उसके बाद पूरा ध्यान कोचिंग पर लगाना चाहता हूं। मिस्बाह ने कहा कि मुख्य चयनकर्ता पद छोड़ने का फैसला मैंने स्वयं लिया है। पद छोड़ने के लिये पीसीबी या अन्य किसी का दबाव नहीं है। बताया जा रहा है कि पीसीबी नया कोड ऑफ एथिक्स लाने वाला है, जिसमें हितों के टकराव का नियम भी है।

लुईस हैमिल्टन ने जीती आइफेल ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस

बर्लिन, ब्रिटेन के विश्व चैंपियन कार रेसर लुईस हैमिल्टन ने जर्मनी के दिग्गज फॉर्मूला-वन रेसर माइकल शूमाकर के सबसे ज्यादा 91 फॉर्मूला-वन रेस जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। हैमिल्टन ने यह उपलब्धि जर्मनी में आयोजित आइफेल ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस जीतकर हासिल की।

हैमिल्टन ने 60 लैप की यह रेस 1 घंटा 35 मिनट 49.641 सेकेंड में पूरी की। रेस में हैमिल्टन के टीम साथी वाल्टेरी बोटास ने पोल पोजिशन हासिल की थी, लेकिन वे इंजन की खराबी के कारण 19वीं लैप के बाद रेस पूरी नहीं कर पाये। रेस में मैक्स वर्स्टापेन दूसरे, डेनियल रिकियार्डो तीसरे, सर्जियो पेरेज चौथे तथा कार्लोस सेंज पांचवें स्थान पर रहे।

लुईस हैमिल्टन इस वर्ष ड्राइवर चैंपियनशिप में सबसे आगे चल रहे हैं। हैमिल्टन ने इस वर्ष अब तक 11 में से 7 रेस

जीती हैं। ड्राइवर चैंपियनशिप में हैमिल्टन के 230 अंक हैं, जबकि वाल्टेरी बोटास 161 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इस वर्ष फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप में कुल 17 रेस आयोजित होंगी, जो सबसे ज्यादा रेस जीतेगा, वह चैंपियनशिप अपने नाम करेगा। ऐसा माना जा रहा है कि हैमिल्टन इस वर्ष भी फॉर्मूला-वन चैंपियनशिप जीतने में सफल रहेंगे।

ओलिंपिक कोर ग्रुप के निशानेबाजों के लिये ट्रेनिंग कैंप

नई दिल्ली, ओलिंपिक खेलों के लिये संभावित महत्वपूर्ण ग्रुप के निशानेबाजों के लिए नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में दो महीने का प्रशिक्षण शिविर 15 अक्टूबर से 14 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। शिविर में 32 निशानेबाज (18 पुरुष और 14 महिलाएं), 8 प्रशिक्षक और 3 विदेशी प्रशिक्षक शामिल होंगे। ओलिंपिक कोटा स्थान विजेता सभी 15 निशानेबाज शिविर में भाग लेंगे। इस प्रशिक्षण शिविर पर कुल 1.43 करोड़ रुपये की लागत आयेगी।

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने एक बयान में कहा कि ओलिंपिक जैसे आयोजन की तैयारी का एक अभिन्न अंग होने के कारण एक शिविर का होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण शिविर साई के मानक संचालन प्रक्रिया के निर्देशों के साथ आयोजित किया जाएगा।

साई ने कहा कि कोरोनो महामारी के दौरान निशानेबाज़ अपने-अपने होम रेंज पर ही अभ्यास कर रहे हैं और लॉकडाउन की घोषणा के बाद से ओलिंपिक संभावित विशिष्ट समूह के लिए यह पहला पूर्ण शिविर होगा। राष्ट्रीय टीम के प्रशिक्षक शिविर में निशानेबाजों की प्रगति की निगरानी करेंगे।

पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी, दिव्यांश सिंह पंवार शिविर में वापस लौटने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि मैं लॉकडाउन के समय से ही प्रशिक्षण ले रहा हूं, लेकिन सभी साथी निशानेबाजों के साथ एक शिविर में प्रशिक्षण बहुत अधिक कारगर साबित होगा। हमारी प्रगति की निगरानी करने वाले राष्ट्रीय प्रशिक्षकों के साथ बेहतर तैयारी के लिये मैं इस शिविर का इंतजार कर रहा हूं।

महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज टूर्नामेंट

बीसीसीआई ने की टीमों की घोषणा

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला आईपीएल कहे जाने वाले महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज टूर्नामेंट के लिये तीनों टीमों की घोषणा की है। तीनों टीमों- सुपरनोवा, ट्रेल ब्लेजर्स और वेलोसिटी की कमान भारतीय खिलाड़ियों को सौंपी गई है। हरमनप्रीत कौर को सुपरनोवा, स्मृति मंधाना को ट्रेल ब्लेजर्स तथा मिताली राज को वेलोसिटी टीम की कप्तानी का जिम्मा सौंपा गया है।

टूर्नामेंट में भारत के अलावा इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की महिला क्रिकेटर हिस्सा लेंगी। इन देशों के अलावा थाईलैंड की नथाकन चंथम भी महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज में खेलती नजर आयेंगी।

शारजाह में हो सकते हैं मैच

महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज टूर्नामेंट के मुकाबले आईपीएल के दौरान ही आयोजित

होंगे। ये मुकाबले किस जगह खेले जायेंगे इसकी घोषणा नहीं की गई है। माना जा रहा है कि महिला ट्वेंटी-20 चैलेंज शारजाह में हो सकता है, क्योंकि शारजाह का मैदान दुबई और अबुधाबी के मुकाबले छोटा है।

टीम इस प्रकार हैं

सुपरनोवा- हरमनप्रीत कौर, जेमिमाह रोड्रिग्ज, चमारी अट्टापट्टु, अनुजा पाटिल, राधा यादव, तान्या भाटिया, शशिकला सिरिवर्धने, पूनम यादव, शकीरा सलमान, अरुंधति रेड्डी, प्रिया पूनिया, पूजा वस्त्रकार, आयुषी सोनी, अयाबोंगा खाका और मुस्कान मलिक।

ट्रेल ब्लेजर्स- स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा, पूनम राउत, ऋचा घोष, डी हेमलता, नुजहत परवीन, राजेश्वरी गायकवाड़, हरलीन देओल, झूलन गोस्वामी, सिमरन दिल बहादुर, सलमा खातून, सोफी एक्लेस्टोन, नथाकन चंथम, डिएंड्रा डॉटिन और काशवी गौतम।

वेलोसिटी- मिताली राज, वेदा कृष्णमूर्ति, शेफाली वर्मा, सुषमा वर्मा, एकता बिष्ट, मानसी जोशी, शिखा पांडेय, देविका वैद्य, सुश्री दिव्यादर्शिनी, मनाली दक्षिणी, लेह कैसपेरेक, डेनियल व्याट, सुन लुस, जहांआर आलम और एम. अनघा।

टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल शेड्यूल में नहीं होगा बदलाव

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि कोरोना महामारी के संक्रमण के बावजूद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला तय शेड्यूल के अनुसार आयोजित होगा। आईसीसी ने कहा कि टेस्ट चैंपियनशिप के लिये अभी प्लानिंग चल रही है। आगामी दिनों में संबंधित पक्षों से बातचीत के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। कोरोना वायरस के कारण अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसके कारण कई टेस्ट सीरीज रद्द हुई हैं, ऐसे में टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। 9 टीमों वाली टेस्ट चैंपियनशिप के तय शेड्यूल के अनुसार फाइनल मुकाबला जून 2021 में लॉर्ड्स पर टॉप-2 टीमों के बीच खेला जायेगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

कोरोना संक्रमण में मदद

भारत ने फिलाडेल्फिया को एन 95 मास्क दान किये

भारत ने कोरोना संक्रमण के दौरान अमेरिका के फिलाडेल्फिया को 18 लाख मास्क दान किये हैं। फिलाडेल्फिया के मेयर

जिम केनी ने भारत से मास्क की आपूर्ति कराने का अनुरोध किया था। अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू ने ट्वीट कर बताया कि कोविड-19 से मुकाबले में सहायता के लिये भारत द्वारा भेजे गये 18 लाख एन 95 मास्क प्राप्त हो गये हैं। भारत ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में अमेरिका के साथ मजबूत होती विश्वसनीय साझेदारी की एक मिसाल पेश की है।

एफएओ की 75वीं वर्षगांठ

प्रधानमंत्री ने 75 रुपए मूल्य का सिक्का जारी किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने एफएओ की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 75 रुपए मूल्य का स्मारक सिक्का जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने हाल ही में विकसित की गई फसलों की 17 किस्मों को भी राष्ट्र को समर्पित किया। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि कुपोषण खत्म करने के लिए हमारे किसान साथी, हमारे अन्नदाता और कृषि वैज्ञानिक तथा आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ता इस आंदोलन के आधार हैं। इन लोगों ने न सिर्फ भारत का अन्न भंडार भरा है, बल्कि सरकार के गरीब से गरीब लोगों तक पहुंचने के प्रयास में मददगार सिद्ध हो रहे हैं।

नोबेल शांति पुरस्कार मिलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

प्रधानमंत्री ने कहा कि वीते वर्षों में एफएओ ने भारत सहित दुनियाभर में कृषि उत्पादन बढ़ाने और भुखमरी समाप्त करने के लिए मददगार की भूमिका अदा की है और पोषण बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसे 130 करोड़ से अधिक भारतीय सम्मान देते हैं। उन्होंने कहा कि इस साल विश्व खाद्य कार्यक्रम को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना भी एफएओ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एफएओ ने विश्व खाद्य कार्यक्रम का

आरंभ डॉ. विनय रंजन सेन के नेतृत्व में शुरू किया था। उन्होंने महिलाओं और भुखमरी का सामना करने वाले लोगों की समस्याओं को वेहद नजदीकी से देखा था और उनके द्वारा किए गए कार्य समूचे विश्व के लिए आज भी उपयोगी हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा दिवस घोषित करने के भारत के प्रस्ताव को पूर्ण समर्थन देने के लिए एफएओ को धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि इससे पोषण युक्त खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल में वृद्धि होगी और इसकी उपलब्धता बढ़ाने को लेकर छोटे किसानों को लाभ पहुंचेगा।

17 बायोफोर्टीफाइड किस्में राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री ने बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की जाने वाली कुछ फसलों की किस्मों का उल्लेख करते हुए कहा कि व्यापक पैमाने पर फसलों में पोषण की कमी को ध्यान में रखते हुए बायोफोर्टीफाइड किस्मों का विकास किया गया है, जिससे इन पोषक तत्वों की भरपाई की जा सके। उन्होंने कहा कि गेहूं और धान समेत अनेक स्थानीय और पारंपरिक फसलों की 17 बायोफोर्टीफाइड किस्मों के बीज आज से किसानों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। यह पोषण अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

80 करोड़ गरीबों को दिया गया मुफ्त में अनाज

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने पिछले 7-8 महीनों में भुखमरी और कुपोषण से लड़ने के लिए लगभग 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त में लगभग 1.5 करोड़ रुपये का अनाज वितरित किया। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिवद्धता के चलते राशन उपलब्ध कराने में गेहूं या चावल के साथ-साथ दालों को भी शामिल किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस समय दुनिया कोरोना महामारी के संकट से लड़ रही थी, उस समय भारत के किसानों ने रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन किया और सरकार ने भी गेहूं, चावल और दालों समेत अनाजों की खरीद का रिकॉर्ड कायम किया। उन्होंने कहा कि भारत में निरंतर सुधार किए जा रहे हैं, जो विश्व खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिवद्धता का प्रमाण हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि छोटे किसानों को सशक्त करने के लिए किसान उत्पादक संघ यानी एफपीओ का वड़ा नेटवर्क देश भर में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के समापन में कहा कि जब भारत का किसान सशक्त होगा और उसकी आय वढ़ेगी तव कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को भी वल मिलेगा। उन्होंने आशा जताई कि भारत और एफएओ के वीच साझेदारी से इस अभियान को आगे और गति मिलेगी।

अर्थशास्त्र का नोवेल पुरस्कार

पाल आर मिल्ग्रोम और रॉबर्ट बी. विल्सन के नाम

दुनिया के प्रतिष्ठित पुरस्कारों की श्रृंखला में अर्थशास्त्र के नोवेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। वर्ष 2020 में यह

- **पॉल आर. मिल्ग्रोम और रॉबर्ट वी. विल्सन ने नीलामी के लिये ऐसे तरीके खोजे हैं जिनसे विक्रेता, क्रेता और करदाता सभी को लाभ होता है।**
- **1994 में अमेरिका के टेलीकॉम अधिकारियों ने रेडियो फ्रिक्वेंसी वेचने के लिये इनके एक तरीके को अपनाया था।**

पुरस्कार पॉल आर. मिल्ग्रोम और रॉबर्ट वी. विल्सन को नये नीलामी प्रारूपों के अविष्कार और नीलामी थ्योरी में सुधार के लिये दिया गया है। तकनीकी रूप से इसे स्वीरिजेज रिक्स बैंक प्राइज इन इकोनॉमिक साइंसेज इन मेमोरी ऑफ अल्फ्रेड नोवेल के तौर पर जाना जाता है।

अफगानिस्तान

हवा में टकराये वायुसेना के विमान

अफगानिस्तान वायुसेना के दो हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गये जिससे कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार ये हेलिकॉप्टर कमांडो को उतार कर घायल सैनिकों को लेकर वापस जा रहे थे। टोलो न्यूज के अनुसार एक ऑपरेशन में सैनिक घायल हो गये थे। इन सैनिकों को लेने तथा अतिरिक्त सहायता पहुंचाने के लिये हेलिकॉप्टर पहुंचे थे। यह घटना नवा जिले में हुई। इस घटना की पुष्टि प्रांत गवर्नर के प्रवक्ता उमर ज्वाक ने की है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद्

चीन के चयन पर अमेरिका हुआ नाराज

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् में चीन, रूस और क्यूवा को चुना गया है। इनके चयन पर अमेरिका ने नाराजगी जतायी है। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा है कि परिषद् ने अधिनायकवादी देशों को चुन कर यह साबित कर दिया है कि यूएनएचआरसी इजरायल विरोधी पूर्वाग्रह से ग्रसित है वल्कि सदस्यता को लेकर उसका रवैया ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जव वाहर हुआ था, तव भी कोई सुधार नहीं था और आज भी परिषद् में सुधार नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् में चीन,

रूस के साथ पाकिस्तान को भी चुना गया है। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा के मतदान में पाकिस्तान को 169, उज्वेकिस्तान को 164, नेपाल को 150, चीन को 139 और सऊदी अरव को 90 मत मिले।

ताइवान ने

वायुसेना को मजबूत बनाने में 900 मिलियन डॉलर खर्च

ताइवान ने चीन की दखलंदाजी को खत्म करने तथा अपने देश की वायुसेना को मजवूत करने के इरादे से लगभग 900 मिलियन डॉलर खर्च किये हैं। ताइवान के रक्षामंत्री ने संसद में वताया कि वीते साल से अव तक 2,972 वार झड़प की घटनायें हुई हैं। ताइवान को अपना हिस्सा वताने वाले चीन ने द्वीप के आस-पास अपनी सैन्य गतिविधियों को वढ़ा लिया है। अमेरिका ने पिछले साल ताइवान को एफ-16 लड़ाकू जेट की 8 विलियन डॉलर की विक्री को मंजूरी दे दी थी।

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया से

निरस्त्रीकरण की प्रतिबद्धता को पूरा करने का किया आग्रह

दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया से निरस्त्रीकरण की पूर्व प्रतिवद्धता को पूरा करने का आग्रह किया। उत्तर कोरिया की

- **दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया द्वारा सैन्य परेड के दौरान लंवी दूरी की नई संदिग्ध मिसाइल का प्रदर्शन करने को लेकर चिंता व्यक्त की है।**

सत्तारूढ़ पार्टी की 75वीं सालगिरह के मौके पर आयोजित परेड के दौरान उत्तर कोरिया ने कई हथियार प्रणालियों को प्रदर्शित किया था, इसी के वाद दक्षिण कोरिया ने यह आग्रह किया है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने इसी प्रदर्शन के वाद चिंता व्यक्त करते हुये उत्तर कोरिया को 2018 के अंतर कोरिया समझौते को याद दिलाया है। जिसका मकसद दोनों देशों के वीच दुश्मनी को कम करना था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव-2020

दोनों उम्मीदवार 12 राज्यों में बराबरी पर

अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में जो वाइडेन और डोनाल्ड ट्रंप के वीच वरावरी का मुकावला नजर आ रहा है। एक सर्वे के अनुसार अमेरिका के 51 राज्यों में से 12 में दोनों उम्मीदवार वरावरी पर चल रहे हैं। इससे माना जा रहा है कि वाइडेन को कांटे की टक्कर देने के लिये ट्रंप भी मेहनत कर रहे हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिये फ्लोरिडा, जॉर्जिया, आयोवा, मेन, मिशिगन, मिनेसोटा, नेवादा, न्यू हैम्पशायर, उत्तरी कैरोलिना, पेंसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन स्विंग स्टेट्स हैं, जहां

डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन उम्मीदवार को वरावरी का समर्थन मिलता दिखाई दे रहा है। ट्रंप और वाइडेन दोनों ही इन राज्यों में निर्णायक वढ़त हासिल करने के लिये प्रयासरत हैं।

फेसबुक के एंड टू एंड एन्क्रिप्शन के खिलाफ अभियान में भारत भी शामिल

फेसवुक के 'एन्क्रिप्टेड' संदेशों के खिलाफ छिड़े अभियान में अन्य देशों के साथ भारत भी शामिल हो गया है। इस

- **दुनियाभर में फेसबुक के उपयोगकर्ताओं ने दावा किया कि सोशल मीडिया दिग्गज द्वारा नियोजित एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन संदेश सार्वजनिक सुरक्षा में बाधित है।**

अभियान का नेतृत्व ब्रिटेन कर रहा है। संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और जापान पहले से ही इस अभियान का हिस्सा हैं। इन सातों देशों ने संयुक्त रूप से सभी तकनीकी कंपनियों को संवोधित किया है कि वे सोशल मीडिया पर होने वाली अवैध गतिविधियों को नजर अंदाज न करें।

इन देशों ने संयुक्त वयान में कहा है कि निजता की सुरक्षा के लिये यह अभियान छेड़ा गया है जवकि फेसवुक ने कहा है कि लंवे समय से तर्क दिया जा रहा है कि लोगों की सवसे निजी जानकारी की सुरक्षा के लिये एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन अति आवश्यक है।

नॉर्वे

लंबे समय बाद परमाणु ठिकाने को खोलेगा

दुनिया की दो महाशक्ति रूस और अमेरिका के वीच वढ़ते तनाव के चलते नॉर्वे ने अपने परमाणु ठिकाने को खोलने का

- **लगभग 18 साल वाद यह ठिकाना खोला जा रहा है।**
- **नॉर्वे का यह ठिकाना रूस सीमा से मात्र 220 मील दूर है।**

निर्णय लिया है। नॉर्वे के इस परमाणु ठिकाने पर अमेरिका की 3 सीवुल्फ सवमरीन तैनात होंगी।

अमेरिका और रूस के वीच वढ़ते तनाव के वीच अव नॉर्वे की सरकार ने एलान करते हुये कहा कि वह देश के उत्तरी इलाके में स्थित परमाणु वेस ओलावसवेर्न को खोलने जा रहा है। इस ठिकाने पर 9800 फुट गहरा वॉटर डॉक है, जहां पर सवमरीन की मरम्मत और उसे रीफिट किया जा सकता है। माना जा रहा है कि इस ठिकाने के खुलने से अमेरिकी पनडुव्वियों को ऑपरेट करना आसान हो जायेगा। नॉर्वे के इस ठिकाने को अव और उन्नत वनाया जायेगा, ताकि यहां पर अमेरिका की

परमाणु हमला करने में सक्षम पनडुव्वी यूएफएस जिमी कार्टर को सुरक्षागत कारणों से तैनात किया जा सके। जानकारी के अनुसार रूस भी नहीं चाहता है कि नॉर्वे अपने परमाणु ठिकानों को अमेरिका के लिये खोले।

(खांत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी "मध्यप्रदेश माध्यम" की ओर से प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सुदाम खाड़े, मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित एवं डी.वी. कार्प द्वारा दैनिक भास्कर, प्लाट नंबर-10, सेक्टर-वी, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।